ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कांग्रेस पार्टी में अनुशासन बहाल करने की कोशिशें शुरू @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । बुधवार, 13 अगस्त, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-223

एसआईआर विवाद पर सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी

आधार नागरिकता का अंतिम प्रमाण नहीं

नई दिल्ली, 12 अगस्त (एजेंसियां)।

बिहार में विधानसभा चुनावों से पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को एक महत्वपूर्ण सुनवाई हुई। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कई अहम टिप्पणियां कीं, जिनमें यह भी शामिल है कि आधार कार्ड को नागरिकता का अंतिम प्रमाण नहीं माना जा सकता, इसकी जाँच-परख आवश्यक है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि चुनाव आयोग का यह कहना सही है कि आधार कार्ड को अंतिम प्रमाण के रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता।

याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया में भारी गड़बड़ियां हैं। उन्होंने उदाहरण दिया कि एक छोटे से विधानसभा क्षेत्र में 12 जीवित लोगों को मृत घोषित कर दिया गया। वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल एस. ने कोर्ट को बताया कि 65 लाख नाम हटाए गए हैं, जो एक 'सामूहिक बहिष्करण' है।

चुनाव आयोग की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने इन आरोपों का खंडन किया। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक ड्राफ्ट रोल है और इतने बड़े अभ्यास में कुछ छोटी-मोटी

गलतियाँ हो सकती हैं, लेकिन यह कहना सही नहीं है कि मृत लोग जीवित हैं।

जस्टिस जॉयमाला बागची ने कहा कि अगर ड्राफ्ट रोल से पहले की तैयारी के कदम सही से फॉलो नहीं किए गए हैं, तो यह एक गंभीर मामला है। कोर्ट ने कहा कि गलत तरीके से हटाए गए लोगों के नामों को सुधारा जाएगा।कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं से पूछा कि क्या उनके आरोप सिर्फ 'कल्पना मात्र' हैं या उनका कोई जमीनी आधार है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि अगर 7.9 करोड़ में से 7.24 करोड़ मतदाताओं ने जवाब दिया है, तो यह 'करोड़ों लोगों के गायब होने' के आरोप को खारिज करता है।

सिब्बल ने बताया कि बिहार के बहुत से लोगों के पास वो दस्तावेज नहीं हैं, जो इस प्रक्रिया में मांगे जा रहे हैं, जैसे कि जन्म प्रमाण पत्र या पासपोर्ट। इस पर जस्टिस कांत ने कहा कि नागरिकता साबित करने के लिए कुछ तो होना ही चाहिए।

अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग मतदाता सूची में संशोधन की पूरी व्यवस्था को उलट रहा है। उन्होंने कहा कि संशोधन की आड़ में वे नागरिकता साबित करने का बोझ नागरिकों पर डाल रहे हैं, जो कि कानून के खिलाफ है। अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने भी आरोप लगाया कि चुनाव आयोग ने कभी भी यह नहीं बताया कि किन 65 लाख लोगों को हटाया गया और क्यों। उन्होंने दावा किया कि बीएलओ ने 'अनुशंसित/अनुशंसित नहीं' की सूची बनाई है, और 10-12% मतदाताओं को बिना किसी आधार के 'अनुशंसित नहीं' कर दिया गया है।

आधार, पैन और वोटर आईडी नागरिकता का सबूत नहीं : बॉम्बे हाईकोर्ट

मुंबई, 12 अगस्त (एजेंसियां)।

अगर आप सोचते हैं कि आधार, पैन या वोटर आईडी कार्ड होने से आप स्वतः ही भारतीय नागरिक बन जाते हैं, तो यह खबर आपके लिए है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण मामले की सुनवाई के दौरान साफ किया है कि ये दस्तावेज नागरिकता का प्रमाण नहीं हो सकते।

यह टिप्पणी बांग्लादेश के एक नागरिक की जमानत याचिका से जुड़े मामले में की गई, जिसने इन दस्तावेजों के आधार पर खुद को भारतीय साबित करने की कोशिश की थी।

जस्टिस अमित बोरकर की बेंच ने बांग्लादेशी नागरिक अब्दुल रऊफ सरदार को

नागरिकता अधिनियम का दिया हवाला

जमानत देने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने नागरिकता अधिनियम 1955 का हवाला देते हुए कहा कि अधिनियम में स्पष्ट रूप से बताया गया है कि कौन व्यक्ति भारतीय नागरिक हो सकता है और नागरिकता कैसे प्राप्त की जा सकती है। कोर्ट ने कहा कि महज आधार, पैन और वोटर आईडी कार्ड होना किसी व्यक्ति को नागरिकता का पात्र नहीं बनाता।

सुनवाई के दौरान, अब्दुल के वकील ने कोर्ट के सामने उसके पास मौजूद भारतीय आधार कार्ड, पैन कार्ड और वोटर आईडी कार्ड का जिक्र किया।

वकील ने तर्क दिया कि ये सभी दस्तावेज एक भारतीय नागरिक होने के लिए पर्याप्त हैं। हालांकि, कोर्ट ने इस तर्क को स्वीकार नहीं किया और कहा कि ये दस्तावेज नागरिकता के लिए कानूनी प्रमाण नहीं हैं।

इस फैसले से यह स्पष्ट हो गया है कि भारतीय नागरिकता साबित करने के लिए, इन कार्डों के अलावा, अन्य कानूनी सबूतों की आवश्यकता होती है।

सीएजी की रिपोर्ट में हुआ बड़ा खुलासा

3.69 लाख करोड़ के उपकर फंड का हस्तांतरण नहीं

नई दिल्ली, 12 अगस्त (एजेंसियां)।

नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की एक रिपोर्ट में बड़ा खुलासा हुआ है कि केंद्र सरकार ने 2023-24 तक 3.69 लाख करोड़ का उपकर संग्रह उन विशिष्ट फंडों में ट्रांसफर नहीं किया, जिनके लिए इसे जमा किया गया था। उपकर एक अतिरिक्त कर होता है जो किसी खास उद्देश्य के लिए लगाया जाता है। यह कमी 1974 में लगाए गए उपकरों के समय से चली आ रही है, जो कई सरकारों की अनदेखी को दर्शाती है।

12 अगस्त, 2025 को संसद में पेश की गई 2023-24 की रिपोर्ट के अनुसार, सीएजी को निवेशक शिक्षा और संरक्षण, राष्ट्रीय राजमार्गों के मुद्रीकरण, तेल उद्योग के विकास, और स्वास्थ्य व शिक्षा से जुड़े फंडों में बड़े अंतर मिले हैं।

सीएजी ने अपनी रिपोर्ट में बताया, 31 मार्च 2024 तक, हमारी जांच में पाया गया कि निर्दिष्ट आरक्षित फंडों में 3,69,307 करोड़ का कम हस्तांतरण हुआ है।

हस्तांतरण में इस कमी का सबसे बड़ा कारण तेल उद्योग विकास बोर्ड (ओआईडीबी) था। 1974 में, तेल उद्योग के विकास के लिए कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस पर उपकर लगाया गया था।

सीएजी की रिपोर्ट के अनुसार, 1974-75 से 2023-24 तक, सरकार ने कच्चे तेल पर 2,94,850.56 करोड़ का उपकर जमा किया।

लेकिन, इसमें से ओआईडीबी को केवल 902.40 करोड़ ही ट्रांसफर किए गए, और 1991-92 के बाद से कोई भी फंड ट्रांसफर नहीं हुआ।

इसका मतलब है कि सरकार ने 2.9 लाख करोड़ रुपये जमा किए, लेकिन संबंधित फंड में केवल 0.3% ही ट्रांसफर किया गया।

सीएजी को दिए गए जवाब में वित्त मंत्रालय ने कहा कि सरकार ने 2024-25 से 'तेल उद्योग विकास कोष' का गठन करने का फैसला किया है। 2024-25 में 17,730 करोड़ और 2025-26 में 19,376 करोड़ ट्रांसफर करने का बजट रखा गया है।

स्वास्थ्य और शिक्षा उपकर भी उन फंडों में से है जहाँ पर्याप्त हस्तांतरण नहीं हुआ है।

2004 से शिक्षा उपकर और 2018 से स्वास्थ्य व शिक्षा उपकर लगाया गया था।

इनसे होने वाली कमाई को प्रारंभिक शिक्षा कोष (पीएसके), माध्यमिक और उच्चतर शिक्षा कोष (एमयूए के), और प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा निधि (पीएमएसएसएन) में ट्रांसफर किया जाना था।

सीएजी के विश्लेषण में पाया गया कि 2018-19 से 2023-24 तक, केंद्र सरकार ने इन फंडों में कुल 37,537 करोड़ ट्रांसफर नहीं किए। हालाँकि, वित्त मंत्रालय ने कहा कि उसने इस अवधि के दौरान इन फंडों में 3.66 लाख करोड़ ट्रांसफर किए थे, जो उपकर से प्राप्त राशि से अधिक था। लेकिन, सीएजी ने सरकारी वित्तीय खातों का हवाला देते हुए बताया कि असल में केवल 2.65 लाख करोड़ ही ट्रांसफर किए गए थे।

इसके अलावा, निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण निधि में 2,505.5 करोड़ और राष्ट्रीय राजमार्ग मुद्रीकरण निधि में 5,968.1 करोड़ की कमी पाई गई।

ओड़ीशा, पंजाब, आंध्र प्रदेश में 4 नयी सेमीकंडक्टर कारखाना परियोजनाओं को मंजूरी

नई दिल्ली, 12 अगस्त (एजेंसियां)।

केंद्र ने चार नए सेमीकंडक्टर कारखाने स्थापित करने के लिए कुल 4600 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को मंगलवार को मंजूरी दी।भारत सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) के तहत स्वीकृत ये परियोजनाएं सिकसेम, कॉन्टिनेंटल डिवाइस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, 3डी ग्लास सॉल्यूशंस इंक. और एडवांस्ड सिस्टम इन पैकेज (एएसआईपी) टेक्नोलॉजीज की ओर से रखी गयी हैं।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आज मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी देते हुए सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संवाददाताओं को बताया कि इनमें से दो सेमीकंडक्टर कारखाने ओड़ीशा और एक-एक पंजाब और आंध्र प्रदेश में स्थापित किए जाएंगे। सिकसेम और 3डी ग्लास की स्थापना ओडिशा में, सीडीआईएल की परियोजना पंजाब में और एएसआईपी आंध्र प्रदेश में स्थापित की जाएगी।

श्री वैष्णव ने कहा, भारत सेमीकंडक्टर मिशन: भारत के कंपाउंड सेमीकंडक्टर और उन्नत पैकेजिंग क्षेत्र में आगे बढ़ने के साथ गति और बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि भारत में सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र में गति बढ़ रही है और छह स्वीकृत परियोजनाएँ पहले से ही कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं।उन्होंने बताया कि इन चार परियोजनाओं में लगभग 4,600 करोड़ रुपये के संचयी निवेश के साथ सेमीकंडक्टर विनिर्माण सुविधाएँ स्थापित होंगी । इनमें 2034 कुशल पेशेवरों को रोजगार मिलने की उम्मीद है। इससे देश में इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को भी बढ़ावा मिलेगा इस तरह उस क्षेत्र में रोज़गार सृजित होंगे।

आज इन चार और स्वीकृतियों के साथ, भारत सेमीकंडक्टर मिशन के तहत स्वीकृत परियोजनाओं के अंतर्गत छह राज्यों में 10 सेमीकंडक्टर कारखानों में लगभग 1.60 लाख करोड़ रुपये का संचयी निवेश होगा। ▶10 पर

गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की कोई योजना नहीं : केंद्र सरकार

नई दिल्ली, 12 अगस्त (एजेंसियां)।

सोशल मीडिया में चल रहे दावों के विपरीत, केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की उसकी कोई योजना नहीं है। यह मुद्दा संसद में उठा, जब उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ बीजेपी नेता त्रिवेंद्र सिंह रावत ने इस संबंध में सवाल पूछा। केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री एस.पी. सिंह बघेल ने लोकसभा में लिखित जवाब में कहा, सरकार का गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने का कोई इरादा नहीं है।

सरकार ने इस मुद्दे पर संवैधानिक कारणों का हवाला दिया है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 246(3) के अनुसार, विधायी शक्तियों के बंटवारे के तहत पशुओं का संरक्षण राज्य सूची का विषय है। इसका मतलब है कि इस पर कानून बनाने का अधिकार सिर्फ राज्य विधानसभाओं के पास है, केंद्र सरकार के पास नहीं। इसलिए, केंद्र सरकार सीधे कानून बनाकर गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित नहीं कर सकती। इसके अलावा, राज्यों में पशुपालन की स्थिति, सांस्कृतिक मान्यताएं और आर्थिक जरूरतें अलग-अलग हैं।

राष्ट्रीय स्तर पर ऐसा कोई फैसला लेने से राज्यों के अधिकारों से टकराव हो सकता है। वर्तमान में, भारत का राष्ट्रीय पशु रॉयल बंगाल टाइगर है। ▶10 पर

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

दिल्ली-एनसीआर में पुराने वाहनों पर फिलहाल नहीं लगेगी रोक

नई दिल्ली, 12 अगस्त (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में 10 साल पुराने डीजल और 15 साल पुराने पेट्रोल वाहनों के मालिकों को फिलहाल के लिए बड़ी राहत दी है। शीर्ष अदालत ने कहा है कि ऐसे वाहनों के मालिकों के खिलाफ फिलहाल कोई कड़ी कार्रवाई नहीं की जाएगी।

मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई, जस्टिस के. विनोद चंद्रन और जस्टिस एन.वी. अंजारिया की बेंच ने यह निर्देश दिया। यह फैसला दिल्ली सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के आग्रह पर आया, जिन्होंने कोर्ट से कहा कि इन वाहनों के मालिकों पर कोई जबरदस्ती कार्रवाई न की जाए। कोर्ट ने इस

मामले में नोटिस जारी करते हुए चार हफ्तों के भीतर जवाब मांगा है। इसी बीच, अदालत ने आदेश दिया कि 10 साल पुराने डीजल और 15 साल पुराने पेट्रोल वाहनों के मालिकों के खिलाफ कोई भी दंडात्मक कदम न उठाया जाए। दिल्ली सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की थी जिसमें कहा गया था कि इन वाहनों पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाना उचित नहीं है। सरकार का तर्क था कि प्रतिबंध के कारण लोगों के पास अपने पुराने वाहन बेचने के अलावा कोई विकल्प नहीं ▶10 पर

एससी ने उम्रकैद की सजा पूरी कर चुके कैदियों की तत्काल रिहाई का आदेश दिया

नई दिल्ली, 12 अगस्त (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने उम्रकैद की सजा काट रहे कैदियों के संबंध में एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। मंगलवार को, कोर्ट ने उन सभी कैदियों की तत्काल रिहाई का आदेश दिया है, जिनकी उम्रकैद की सजा किसी निश्चित समय-सीमा (जैसे 20 साल) के लिए तय की गई थी और वे अपनी सजा पूरी कर चुके हैं।

यह फैसला नीतीश कटारा हत्याकांड के आरोपी सुखदेव पहलवान की याचिका पर सुनवाई के दौरान आया। ▶10 पर

न्यायमूर्ति वर्मा पर महाभियोग को लेकर बिरला ने गठित की तीन सदस्यीय जांच समिति

नयी दिल्ली, 12 अगस्त (एजेंसियां)।

लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग चलाने के प्रस्ताव पर मंगलवार को तीन सदस्यीय समिति के गठन की घोषणा की जिसमें उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय के एक-एक न्यायाधीश और एक कानूनविद् शामिल हैं।

श्री बिरला ने लोक सभा में महाभियोग प्रस्ताव को लेकर सदन को अवगत कराते हुए कहा कि इस समिति में उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश अरविंद कुमार, मद्रास उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश मनीन्द्र मोहन श्रीवास्तव और कर्नाटक उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता बी वी आचार्य को शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि समिति यथाशीघ्र अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। समिति से जांच रिपोर्ट मिलने तक यह प्रस्ताव लंबित रहेगा।

उन्होंने समिति के सदस्यों के नामों की घोषणा से पहले कहा कि न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ संविधान के अनुच्छेद 124 (4) के तहत उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के पद से हटाने के लिए एक प्रस्ताव है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश वर्मा को उनके कदाचार के लिए उनको हटाने का प्रस्ताव मिला था।

▶10 पर

पीएम मोदी ने 18वें अंतर्राष्ट्रीय ओलंपियाड में भारत की खगोल विज्ञान विरासत को सराहा

नई दिल्ली, 12 अगस्त (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को 18वें अंतर्राष्ट्रीय खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी ओलंपियाड के दौरान देश को संबोधित किया। उन्होंने इस आयोजन को परंपरा का नवाचार से, आध्यात्मिकता का विज्ञान से, जिज्ञासा का रचनात्मकता से मिलन बताया।

प्रधानमंत्री मोदी ने 64 देशों से आए प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा, 64 देशों के 300 से अधिक होनहार सितारों से जुड़कर खुशी हो रही है। मैं आप सभी का हार्दिक स्वागत करता हूँ। उन्होंने अपने वर्चुअल संबोधन में कहा कि भारत में अंतर्राष्ट्रीय ओलंपियाड का आयोजन होना परंपरा, नवाचार, आध्यात्मिकता और विज्ञान का संगम है। मोदी ने भारत की

समृद्ध खगोलीय विरासत का उल्लेख करते हुए कहा, सदियों से, भारतीय आकाश का अवलोकन करते आए हैं और बड़े सवाल पूछते रहे हैं।

उदाहरण के लिए, पाँचवीं शताब्दी में, आर्यभट्ट ने शून्य का आविष्कार किया था। वह यह कहने वाले पहले व्यक्ति भी थे कि पृथ्वी अपनी धुरी पर घूमती है। सचमुच, उन्होंने शून्य से शुरुआत की और इतिहास रच दिया।प्रधानमंत्री ने सभा को भारत की प्रमुख खगोलीय परियोजनाओं के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि भारत में दुनिया की सबसे ऊँची खगोलीय वेधशालाओं में से एक लद्दाख में है, जो समुद्र तल से 4,500 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है। उन्होंने पुणे में स्थित जाइंट मीटरवेव रेडियो टेलीस्कोप का भी जिक्र किया, जो दुनिया के सबसे संवेदनशील रेडियो टेलीस्कोप में से एक है और पल्सर और आकाशगंगाओं के रहस्यों को सुलझाने में मदद कर रहा है। मोदी ने बताया कि भारत स्कायर किलोमीटर ऐरे और लीगो इंडिया जैसी वैश्विक मेगा-साइंस परियोजनाओं में योगदान दे रहा है। उन्होंने कहा, हम चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास सफलतापूर्वक उतरने वाले पहले देश थे।

न्होंने सूर्य का अध्ययन करने के लिए भेजे गए आदित्य-एल1 मिशन का भी उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने ग्रुप कैप्टन शुभ्रांशु शुक्ला के अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर ऐतिहासिक मिशन को पूरा करने पर गर्व व्यक्त किया। उन्होंने कहा, यह सभी भारतीयों के लिए एक गौरवपूर्ण क्षण था और आप जैसे युवा खोजकर्ताओं के लिए प्रेरणा है।

राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन जन स्वास्थ्य में नए युग का सूत्रपात : मोदी

नयी दिल्ली, 12 अगस्त (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन आनुवंशिक विकार से निपटने से लेकर समानता और सम्मान सुनिश्चित करने तक जन स्वास्थ्य में एक नए युग का सूत्रपात करता है।

श्री मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को सिकल सेल रोग मुक्त बनाने के लक्ष्य से जुड़ी ऐतिहासिक पहल पर मंगलवार को केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा का एक लेख सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर साझा करते हुए यह बात कही।

दरअसल श्री नड्डा ने सिकल सेल रोग के बारे में सोशल मीडिया पर अपना लेख पोस्ट किया है। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से पीएमओ इंडिया के हैंडल से इसकी प्रतिक्रिया में एक पोस्ट में कहा गया है, भारत का राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन आनुवंशिक विकार से निपटने से लेकर समानता और सम्मान सुनिश्चित करने तक जन स्वास्थ्य में एक नए युग का सूत्रपात करता है।

केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने 2047 तक सिकल सेल रोग मुक्त भारत के लक्ष्य से जुड़ी इस ऐतिहासिक पहल पर लेख लिखा है, उनके विचारों को अवश्य पढ़ा जाना चाहिए!

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सात्विक सीक्रेट्स नामक एक विशेष और इंटरैक्टिव कार्यशाला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जीतो महिला विंग बेंगलूरु साउथ ने सोमवार को अपने हेल्थ एंड न्यूट्रिशन वर्टिकल के तहत सात्विक सीक्रेट्स नामक एक विशेष और इंटरैक्टिव कार्यशाला से स्वस्थ जीवन की प्रेरणा दी। इसका आयोजन सुराणा कॉलेज सेमिनार हॉल में किया गया। 150 से अधिक लोगों ने भाग लिया। इस कार्याशाल का उद्देश्य प्राचीन जैन परंपराओं को आधुनिक न्यूट्रिशन साइंस के साथ जोड़ते हुए, सही भोजन करने की कला को सरल तरीके से सिखाना और वेगन फूड के बारे में जानकारी एवं उसके लाभ साझा करना था। कार्यक्रम की शुरुआत नवकार मंत्र से हुई, जिसके बाद मान्यवर गण, जेआईआईएफ एवं जे प्वाइंट की एपेक्स कन्वीनर अनीता पिरगल, श्रमण आरोग्यम एपेक्स कन्वीनर सुनीता गांधी और पहचान की एपेक्स कन्वीनर मोनिका सुराणा द्वारा पौधा रोपण एवं जलार्पण किया गया। चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने सभी का हार्दिक स्वागत किया और पूरे जोश के साथ कहा कि सेहत ही असली दौलत है, लेकिन आज हम सीखेंगे कि कैसे बिना भूखे रहे भी अमीर बना जा सकता है। उन्होंने आगे कहा कि भोजन केवल पेट भरने का साधन नहीं, बल्कि यह

हमारी ऊर्जा, हमारे मूड और हमारी पूरी जीवनशैली की बुनियाद है। जो खाना हम खाते हैं, वही हमारी कहानी लिखता है। बबीता ने यह भी जोड़ा कि कुछ लोग जीने के लिए खाते हैं, कुछ खाने के लिए जीते हैं और आज के बाद हो सकता है कि आप चमकने के लिए खाना शुरू कर दें।

उन्होंने सभी प्रतिभागियों को खुले मन से सीखने के लिए प्रेरित किया और कहा कि सात्विक जीवन कोई कठिन नियम नहीं, बल्कि जीवन को सरल, स्वस्थ और आनंदमय बनाने का एक सुंदर तरीका है। मोनिका सुराणा, जो रायपुर से विशेष रूप से आई थीं, ने सभी को अपनी पहचान बनाने और समाज के उन लोगों को खोजने के लिए प्रेरित किया जो सकारात्मक बदलाव ला रहे हैं। कन्वीनर कविता मूथा ने ट्रेनर निधि नाहटा का परिचय कराया, जो एक प्रसिद्ध रेस्टोरेंटियर, हेल्थ कोच, मोटिवेशनल स्पीकर और सेलिब्रिटी शेफ हैं। जस्ट बी, भारत का पहला होल फूड, प्लांट बेस्ड रेस्टोरेंट, उनकी सोच और मेहनत का परिणाम है।

निधि नाहटा ने सत्र में कई मिथकों को तोड़ा, जिनमें पान के पत्तों को अस्वस्थ मानने की धारणा भी शामिल थी। उन्होंने बताया कि पान के पत्ते उत्कृष्ट प्राकृतिक क्लेंजर हैं।

घर की सुबह की सफाई की तरह, शरीर की सफाई भी जरूरी है। उन्होंने क्लेंज स्मूदी बनाने का प्रदर्शन किया, जिसमें पालक, सहजन की डंडियां, सोआ के पत्ते, करी पत्ते जैसी हरी पत्तेदार सब्जियां, पका हुआ केला, पपीता, अनानास, चीकू, एवोकाडो, आंवला जैसे फल, और चिया सीड्स, सब्जा, ताजी हल्दी, संतरे का छिलका और फ्लैक्स सीड्स जैसे हेल्दी ऐड ऑन्स शामिल थे। बच्चों के लिए उन्होंने स्वाद बढ़ाने हेतु कोको पाउडर डालने का सुझाव दिया। उनका हेल्दी लाइफ मंत्र था, 30 मिनट व्यायाम, 30 मिनट वॉक और अगले दिन का भोजन तय करने के लिए 15 मिनट की योजना।

उन्होंने अपनी व्यक्तिगत कहानी साझा की कि किस तरह सात्विक जीवनशैली अपनाकर उनके परिवार की वर्षों पुरानी स्वास्थ्य समस्याएं समाप्त हुईं। जब आप सही खाते हैं, तो आप सिर्फ अपनी जिंदगी में साल नहीं जोड़ते, बल्कि सालों में जिंदगी जोड़ते हैं। प्रतिभागियों ने न केवल ताजी स्मूदी का स्वाद लिया बल्कि हेल्दी डेसर्ट, सलाद और स्मूदी की रेसिपी बुक भी प्राप्त की। सत्र के दौरान श्वेता बोकाडिया, जो जोनल जायका कुकरी प्रतियोगिता की विजेता हैं, को सम्मानित किया गया। वह अब राष्ट्रीय स्तर पर केकेजी जोन का प्रतिनिधित्व करेंगी। को-कन्वीनर अस्मिता चौहान ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन मुख्य सचिव निधि पा-लरेचा ने बड़े सलीके और आत्मीयता से किया। बबीता रायसोनी ने विशेष रूप से कहा कि निधि पालरेचा का सौम्य स्वभाव और आयोजन क्षमता हमारे हर कार्यक्रम को जीवंत और यादगार बनाते हैं। कार्यशाला का समापन इस संदेश के साथ हुआ कि स्वस्थ भोजन न केवल स्वादिष्ट और गिल्ट फ्री हो सकता है, बल्कि यह जीवन को ऊर्जा और आनंद से भर सकता है और सात्विक सीक्रेट्स ने यह बात सुंदर तरीके से साबित की। उपाध्यक्ष लता बोहरा, नीलम शांड, कोषाध्यक्ष संगीता पारख, संयुक्त सचिव चंद्रा जैन और प्रबंध समिति सदस्य संगीता सियाल, प्रिया गांधी, रेखा किशोर, हेमा सोलंकी, रेखा विनोद, निशा कोठारी और सोमना सिसोदिया ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई।

सभी जीवों के प्रति मैत्री भाव रखें: साध्वी नंदिनी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, राजाजीनगर के प्रांगण में आयोजित मेरी भावना प्रवचन श्रृंखला के पाँचवें पद की व्याख्या करते हुए पूज्या साध्वी नंदिनी जी ने कहा हम बड़े ही सौभाग्यशाली हैं कि हमें सहज में परमात्मा की वाणी श्रवण करने का अवसर प्राप्त हुआ है। हमें इसे एकाग्रता और तन्मयता से सुनना चाहिए, तभी हम आत्मज्ञान की ओर अग्रसर होंगे। मेरा मैत्री भाव सदा सभी जीवों पर रहे। यदि जीवन में कुछ पाना चाहते हैं तो संसार के सभी जीवों के प्रति मैत्री भाव रखें। मैत्री भाव से ही मित्रता होती है और दुश्मनी दूर होती है। यह सभी से जुड़ाव कराता है। जैसा कर्म किया है, वैसा ही मित्र और शत्रु रूप में व्यक्ति मिलता है। हमारी आत्मा ही हमारा सच्चा मित्र है और वही शत्रु भी बन सकती है। जब मन में शत्रुता का भाव आता है, आत्मा शत्रु बनती है, और जब करुणा का भाव आता है, आत्मा मित्र बनती है। मन ही मित्र और शत्रु का निर्माण करता है। जब तक हमारे भीतर मैत्री भाव नहीं, चाहे हम कितना भी धर्म करें, वह धर्म नहीं कहलाता।

अस्त्र और शस्त्र से किसी शत्रु को परास्त नहीं किया जा सकता, केवल मैत्री भाव से ही यह संभव है। इस अवसर पर साध्वी जी ने मायाराम महाराज की उज्ज्वल परंपरा के शिष्य, उत्तर भारतीय प्रवर्तक राष्ट्रसंत सुभद्रमुनि महाराज के 75वें जन्म हीरक महोत्सव पर उनके गुणों का वर्णन करते हुए कहा आप अहिंसा, तप, संयम, त्याग, सहनशीलता, समता, सहिष्णुता, परोपकार, और अहंकार रहित सरलता के प्रतीक हैं। आप ध्यानयोगी, प्रवचनकार, प्रभु महावीर के उपासक, वीर वाणी के वक्ता और महान साधक हैं। श्रमण संघ स्थापना के सात दशकों बाद प्रवर्तक सुभद्रमुनि ने संपूर्ण संघ सहित श्रमण संघ में आचार्य पद का त्याग कर शामिल होने की घोषणा की। यह क्षण श्रमण संघ के इतिहास में अविस्मरणीय रहा। आचार्य शिवमुनि ने उनके त्याग को देखते हुए उन्हें प्रवर्तक पद से विभूषित किया।

श्री संघ एवं साध्वी वृंद की ओर से प्रवर्तक सुभद्रमुनि को 75वें जन्मोत्सव की शुभकामनाएँ प्रेषित की गईं। इस अवसर पर ममता राहुल मेहता ने 15 उपवास के पच्चखान लिए, जिनका अभिनंदन त्रिशला महिला मंडल की ओर से किया गया। ममता बागरेचा ने 5 उपवास के पच्चखान लिए, मुंबई से सुरेश बांटिया और हनुमंतनगर के पूर्व अध्यक्ष कल्याणसिंह बुरड़ ने तपस्या की अनुमोदना में विचार रखे। इस मौके पर उत्तमचंद कोठारी, उत्तमचंद चत्तर, उत्तमचंद आच्छा, कुलवंतसिंह मेहता, ललित मेहता, सुरेंद्र मेहता, राहुल मेहता व अन्य की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में साध्वी ऋषिता ने भावपूर्ण स्तवन प्रस्तुत किया, जबकि साध्वी उपासना ने वीर रानी सोहन की रोचक श्रृंखला को आगे बढ़ाया। सहमंत्री राकेश दलाल ने आभार व्यक्त किया और धर्मसभा का संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

खाटू श्याम मंदिर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का आयोजन 16 को

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बन्नेरघट्टा रोड स्थित नेशनल पार्क के सामने श्री श्याम मन्दिर ट्रस्ट के तत्वावधान में श्री श्याम मंदिर प्रांगण में 16 अगस्त को श्री कृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर श्री कृष्ण जन्मोत्सव व भजन संध्या का आयोजन किया जा रहा है। मंदिर के संस्थापक सदस्य रेवंतमल झँवर ने बताया कि टाटा नगर झारखंड के गायक हरजीत सिंह हीरा भजनों की प्रस्तुति देंगे। इस दिन प्रातः 8 बजे से रात्रि 12 बजे तक मन्दिर भक्तों को दर्शन करने के लिए खुला रहेगा। मंदिर कमेटी ने भक्तों से वाहन पार्किंग व मंदिर व्यवस्था में सहयोग करने का आह्वान किया।

कालसर्प दोष वाले व्यक्तियों को आती हैं समस्याएं: साध्वी भव्यगुणा

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने कालसर्प दोष के विषय पर समझाते हुए कहा कि जिन व्यक्तियों को कालसर्प दोष होता है, उन्हें नौकरी व्यापार में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा सपने में सांप अधिक दिखाई देना, गृह क्लेश रहना, कोई निर्णय ले पाने में असमर्थ, कार्य में बाधा आना, शत्रुओं का आप पर हावी होना, आर्थिक तंगी (धन की कमी), चिड़चिड़ापन, बेवजह तनाव, मायूसी, उदासी, चिंता,

हीनभावना, आत्महत्या के विचार आना, घर में कलह इत्यादि होता है। एक ही विचार बार बार आना, कार्य में विरोध उत्पन्न होना, व्यापार में हानि की संभावना हमेशा बने रहना, किसी कार्य में मन नहीं लगना कुंडली में सभी ग्रह राहु और केतु योग बनता है। जब सभी ग्रह राहु और केतु के बीच में आ जाते है, तो लाइफ में एक तरह का लॉक लग जाता है। सभी ग्रह इस लॉक में फंस कर रह जाते हैं। ऐसे में स्ट्रगल अधिक करना पड़ता है। उन्हें जीवन में कई तरह के कष्टों का सामना करना पड़ता है। इसके साथ ही शारीरिक मानसिक और आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

इस दोष से निवारण पाने के लिए कालसर्प योग पितृदोष ग्रहदोष निवारण हेतु महापूजन अनुष्ठान आराधना करना चाहिए। साध्वी शीतल गुणा जी ने कहा कि अच्छे लीडर्स और लीडर्स बनाने की चेष्ठा करते हैं और बुरे लीडर्स और फालोअर्स बनाने की चेष्ठा करते हैं। महेंद्र जैन ने बताया कि 13 अगस्त को सामूहिक कालसर्प योग पितृदोष, ग्रहदोष निवारण हेतु महापूजन रखा गया है। मुख्य पिठीका का लाभ भंवरलाल पेराजमल परिवार ने लिया। श्रीयंत्र महालक्ष्मी को 108 कमल पुष्प अर्पित किए गए और अष्ट प्रकारी पूजन संपन्न हुआ। लाभार्थी अनिल कुमार, पूनमचंद, गणेशमल परिवार का बहुमान भंवरलाल जैन, सुरेश पोरवाल, नटवरलाल जैन, मफतलाल जैन,भंवरलाल जैन, महिलाओं का बहुमान मधु, पिंकी संघवी, फेंशी जैन ने किया। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ एवं ट्रस्ट मंडल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

किसी को बेकार ना समझें: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने फरमाया कि जिनका थोड़ा भी उपकार है उसे भूलना नहीं चाहिए। मनुष्य को तीन बाते जीवन में याद रखना चाहिए। कर्ज, मर्ज और फर्ज कभी नहीं भूलना चाहिए। जिनका हम पर कर्जा है उसको नहीं भूलना चाहिए। भूलने वाला मर के नर्क में ही जाता है। जो आप के बुरे वक्त पर साथ देता है उसे नहीं भूलना चाहिए। चोरी चकारी करने वाले कभी सुखी जीवन नहीं जी पाते हैं। जीवन में कभी किसी के साथ विश्वासघात नहीं करना चाहिए। इस दुनिया में कृतज्ञ नहीं होने से बड़ा कोई पाप नहीं है। सबसे बड़ा यही पाप है। इसमें ही सब शामिल है। आज के समय में जब बुरा वक्त होता है तो लोग मदद मांग लेते हैं। लेकिन समय सही होने पर मदद देने वाले को ही भूल जाते हैं। ऐसा करके अपने वर्तमान के साथ सभी भवों को मानव व्यर्थ कर लेता है। मनुष्य को साफ सफाई पर भी विशेष ध्यान देना चाहिए। घर में साफ सफाई करने वालों का भी अहसान मानना चाहिए। जहां सफाई नहीं होती है वहां कोई आना पसंद नहीं करता है। गुरुदेव ने कहा कि हर चीज की अपनी वैल्यू होती है। कोई छोटा बड़ा नहीं होता है। सब अपने आप में कीमती हैं। पेड़ में पड़ा तिनका भी कभी न कभी काम आता है तो चलते फिरते मनुष्य को बेकार कैसे समझ सकते हैं। इसलिए कहते हैं कि किसी को भी बेकार नहीं समझना चाहिए। हर व्यक्ति की अपनी अलग क्वालिटी है। समय आने पर सब दिखता है। किसी को बेकार समझ के मनुष्य अपने आप को बेकार कर रहा है। इसलिए किसी को भी बेकार न समझें। जीवन जब तक रहेगा तब तक समस्या आती ही रहेगी। मां बाप के प्रति मनुष्य को आदर सम्मान रखना चाहिए। जिसने आपको दुनिया दिखाया है उनके प्रति उपकारी रहो। संसार में रह कर संस्कारी रहना बहुत जरूरी है। ऐसा करके मनुष्य अपने जीवन को सफल कर सकता है। महामंत्री मनोहर लाल लुकड़ ने संचालन किया।

नवनिर्वाचित छात्र परिषद का शैक्षणिक वर्ष 2025-2026 के लिए अलंकरण समारोह आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बिशप कॉटन महिला क्रिश्चियन कॉलेज की नवनिर्वाचित छात्र परिषद का शैक्षणिक वर्ष 2025 2026 के लिए अलंकरण समारोह कॉलेज ओपन स्टेज पर बड़े गौरव और गंभीरता के साथ आयोजित किया गया। यह आयोजन छात्र प्रतिनिधियों के लिए नेतृत्व, जिम्मेदारी और प्रतिबद्धता का एक महत्वपूर्ण क्षण था। कार्यक्रम की शुरुआत एक प्रारंभिक प्रार्थना और बाइबिल पाठ के साथ हुई, जिसमें नए शैक्षणिक वर्ष और नियुक्त छात्र नेताओं के लिए ईश्वर के आशीर्वाद की प्रार्थना की गई। शिक्षा समिति के संयोजक डॉ. एबेनेजर ने सभा को संबोधित किया और छात्रों को एक सफल और सार्थक पेशेवर जीवन जीने के लिए आवश्यक गुणों के बारे में अपने शब्दों से प्रेरित किया। प्राचार्य डॉ. डी. रेविना रेबेका ने स्वागत भाषण दिया, जिन्होंने छात्र परिषद के सदस्यों के साथ-साथ सभी डिग्री कक्षाओं के कक्षा, सांस्कृतिक, खेल और चैपल प्रतिनिधियों को शपथ और प्रतिज्ञा भी दिलाई। छात्र परिषद की ओर से, अध्यक्ष संजना सिमरन पीटर्स ने सभी गणमान्य व्यक्तियों, संकाय सदस्यों और छात्रों के प्रति उनके समर्थन और प्रोत्साहन के लिए आभार व्यक्त करते हुए हार्दिक धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम का समापन प्रार्थना और आशीर्वाद के साथ हुआ।

दक्षिणांचल दायित्व बोध सम्मेलन आरोहण एवं सरगम के बैनर का अनावरण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् के तत्वावधान में तेरापंथ युवक परिषद् बेंगलूरु (गांधीनगर) द्वारा डॉ. मुनि श्री पुलकित कुमार जी के सान्निध्य में आगामी 31 अगस्त को ज्ञान ज्योति ऑडिटोरियम में होने वाले दक्षिणांचल दायित्व बोध सम्मेलन 'आरोहण' एवं सरगम सेमीफाइनल का बैनर अनावरण तेरापंथ भवन गांधीनगर में किया गया।

इस अवसर पर अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् के उपाध्यक्ष प्रथम पवन मांडोत, सभा अध्यक्ष पारसमल भंसाली, सभा मंत्री विनोद छाजेड़, परिषद् अध्यक्ष प्रसन्न धोका, महिला मंडल अध्यक्षा लक्ष्मी बोहरा, शाखा प्रभारी अमित दक, सरगम राष्ट्रीय सह प्रभारी विशाल पितलिया, अणुव्रत समिति अध्यक्ष ललित बाबेल, कार्यक्रम सह संयोजक तरुण पटावरी एवं सभी परिषदों के पदाधिकारियों ने मुनिश्री के सान्निध्य में बैनर का अनावरण किया। सम्मेलन हेतु आयोजित चिंतन गोष्ठी में तेरापंथ युवक परिषद् बेंगलूरु (गांधीनगर) के अध्यक्ष प्रसन्न धोका ने सभी का स्वागत किया एवं अधिक से अधिक संख्या में सभी परिषदों से जुड़ने का आह्वान किया। शाखा प्रभारी अमित दक, सरगम राष्ट्रीय सह प्रभारी विशाल पितलिया ने अपने विचार रखे। तेरापंथ युवक परिषद् बेंगलूरु के पूर्व अध्यक्ष विमल धारीवाल, विजयनगर अध्यक्ष विकास बांठिया, राज-ाजीनगर के पूर्व अध्यक्ष कमलेश गन्ना, उपाध्यक्ष सुनील मेहता, मंत्री अनिमेष चौधरी, राजराजेश्वरी नगर अध्यक्ष विक्रम मेहर, मंत्री संदीप बैद, हनुमंतनगर अध्यक्ष स्वरूप चौपड़ा, यशवंतपुर अध्यक्ष धर्मेश डूंगरवाल, मंत्री अभिषेक पोकरणा, सीपीएस प्रभारी दिनेश मरोठी, आलोक कुंडलिया आदि ने अपने सुझाव दिए।

जीवन में धर्म को पानी में शक्कर के जैसे मिलाएं: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में चातुर्मास हेतु विराजित साध्वी श्री हर्षपूर्णाश्रीजी ने अपने प्रवचन में कहा कि इस जीवन में मनुष्य तीन प्रकार के होते हैं एक पत्थर के जैसे जिसे कि पानी में डुबोने पर गीले तो हो जाते हैं लेकिन वापस बाहर निकलने पर सुख जाते हैं। जिस तरह पत्थर पानी को नहीं सोख सकता है, इस प्रकार धर्म भी उस मनुष्य के भीतर नहीं उतर पाता है।

दूसरे प्रकार के मनुष्य कपड़े के जैसे होते हैं जिसे पानी में डुबोने पर गीले तो होते हैं और सूखने में

थोड़ा टाइम लगता है। इसी प्रकार धर्म भी इस टाइप के मनुष्य में थोड़ी देर रहता है बाद में धर्म का रंग उतर जाता है।

तीसरे प्रकार के मनुष्य शक्कर के जैसे होते हैं, इस प्रकार के मनुष्यों में धर्म भी उनके जीवन में पूरी तरह उतर जाता है और धर्म के प्रति आस्था और समर्पण भी साफ तौर पर झलकता है। संयम से हमारी आत्मा का विकास होता है।

संयमी जीव में धर्म शक्कर के जैसे घुल मिल जाता है। संयम के बिना आत्मा का मोक्ष नहीं हो पाता है। संसार में आत्मा 84 लाख जीव योनियों में भटकती रहती है।

के.एन. राजन्ना मंत्रिमंडल से बर्खास्त

कांग्रेस पार्टी में अनुशासन बहाल करने की कोशिशें शुरू

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

के.एन. राजन्ना को मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने और डी.के. शिवकुमार के हाथों में कमान आने के साथ ही कांग्रेस पार्टी में अनुशासन बहाल करने की कोशिशें शुरू हो गई हैं और मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के पक्ष में खड़े मंत्रियों और विधायकों ने अपनी चुप्पी तोड़ दी है। कांग्रेस पार्टी में दो बार मुख्यमंत्री के रूप में देवराज उर्स समेत सभी नेताओं का रिकॉर्ड तोड़ने वाले सिद्धरामैया एक अनोखे नेता के रूप में उभरे हैं। राजनीति में शुरुआत से ही सिद्धरामैया ने अपने समर्थकों के हितों की रक्षा के लिए हाथ आगे बढ़ाया। किसी भी परिस्थिति में समझौता न करने की बात कही जाती रही। इसी तरह, डी.के. शिवकुमार को कांग्रेस के लिए संकटमोचक और मूक हत्यारा बताया जाता है। बेलगावी के रमेश जारकीहोली, जो पहले कांग्रेस सरकार में मंत्री थे, डी.के. शिवकुमार के खिलाफ गुप्त रूप से साजिश रच रहे थे। अंततः वे एक सेक्स स्कैंडल में फंस गए

और उन्हें सत्ता गंवानी पड़ी। डी.के. शिवकुमार का विरोध करने वाले अधिकांश नेता राजनीतिक संन्यास लेने की स्थिति में पहुँच गए हैं। चन्नपट्टना विधानसभा उपचुनाव के बाद डी.के. शिवकुमार ने खुद दावा किया था कि उन्होंने अपने विरोधियों को करारा जवाब दिया है। सिद्धरामैया के सबसे करीबी माने जाने वाले मंत्री के.एन. राजन्ना, एच.सी. महादेवप्पा, सतीश जारकीहोली और अन्य, जब भी मौका मिला, सिद्धरामैया के पक्ष में खड़े रहे, चाहे वे आलाकमान में हों या नहीं। इसके अलावा, विधायक और मुख्यमंत्री के आर्थिक सलाहकार बसवराज रायरेड्डी, राज्य नीति आयोग के उपाध्यक्ष बी.आर. पाटिल और अन्य सिद्धरामैया के पक्ष में बयान देकर पार्टी को शर्मसार करने के लिए चर्चा में रहे हैं। एआईसीसी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला द्वारा उन्हें नियंत्रित करने की बार-बार चेतावनी के बावजूद, सिद्धरामैया ने उन्हें गंभीरता से नहीं लिया। एक समय तो राजन्ना और डी.के. शिवकुमार के बीच वाकयुद्ध भी हुआ था। फिर भी, सिद्धरामैया ने यह कहकर अपना पल्ला झाड़ लिया कि उनका इससे कोई लेना-देना नहीं है, बल्कि यह उन दोनों के बीच की बातचीत थी। जब राजन्ना ने सितंबर क्रांति के बारे में बयान दिया था, तब रामनगर के इकबाल हुसैन ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि डी.के. शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनना चाहिए। डी.के. शिवकुमार ने बिना किसी हिचकिचाहट के अपने समर्थकों को नोटिस जारी कर उन्हें अनुशासन का पाठ पढ़ाया था।

हालाँकि, सिद्धरामैया के खेमे में इस तरह का अनुशासन देखने को नहीं मिला। इसके बजाय, बयानबाजी जारी रही। एक समय तो ऐसा भी आया जब अहंकारी व्यवहार दिखा, मानो सभी आलाकमान हों। हालांकि मल्लिकार्जुन खड़गे दिल्ली में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष थे, फिर भी कांग्रेस पार्टी के भीतर इस बात को लेकर नाराजगी थी कि अनुशासन का ठीक से पालन नहीं किया जा रहा है। सिद्धरामैया सर्वोच्च नेता हैं। कांग्रेस के अंदरूनी खेमे में चर्चा थी कि अगर उन्हें उनका समर्थन मिले, तो वे कुछ भी कर सकते हैं और जीत सकते हैं। के.एन. राजन्ना सहकारिता मंत्री थे। उन्होंने डी.के. शिवकुमार के आगे घुटने नहीं टेके। शिवकुमार ने केएमएफ अध्यक्ष पद के लिए चुनाव कराने और अपने भाई डी.के. सुरेश को अध्यक्ष बनाने की कोशिश की। कहा जाता है कि राजन्ना इसमें बाधा बन रहे थे। हर परिस्थिति में समय का इंतजार कर रहे डी.के. शिवकुमार ने मतदाता सूची में अनियमितताओं को लेकर राहुल गांधी के खिलाफ दिए गए बयान का इस्तेमाल पासा पलटने के लिए किया। इसके साथ ही राजन्ना को पद से हटा दिया गया और डी.के. शिवकुमार ने एक तीर से कई निशाने साधे। पार्टी अनुशासन तोड़ने वालों को करारा झटका लगा है, और यह संदेश गया है कि कांग्रेस में आलाकमान ही अंतिम अधिकारी है। साथ ही यह भी कि सिद्धरामैया का समर्थन करने और अपनी जिम्मेदारी से आगे बढ़कर काम करने वाले लोग गलत नहीं थे। डी.के. शिवकुमार का यह बयान कि वे के.एन. राजन्ना के मित्र हैं और इससे दुखी हैं, राजनीतिक हलकों में साल के सबसे बड़े मजाक के तौर पर सुना जा रहा है।

पुस्तकालयों को मजबूत करने की जरूरत: मंत्री मधु बंगारप्पा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के मंत्री एस. मधु बंगारप्पा ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए अधिक संसाधन उपलब्ध कराने हेतु पुस्तकालयों को सुदृढ़ बनाने की आवश्यकता है।

भारत में पुस्तकालय विज्ञान के जनक डॉ. एस.आर. रंगनाथन की 133वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस समारोह में एक पुस्तकालयाध्यक्ष को पुरस्कार प्रदान करने के बाद वे बोल रहे थे। मंत्री बनने के बाद से मैं तीसरी बार पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस मना रहा हूँ। पिछले साल हमने इसे तुमकुरु में बड़े धूमधाम से मनाया था। हम पुस्तकालयों के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान देने वाले डॉ. एस.आर. रंगनाथन को याद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह गर्व की बात है कि उनके और उनके जैसे अनगिनत पुस्तकालयाध्यक्षों के प्रयासों से आज कर्नाटक में 2500 से अधिक पुस्तकालय हैं। राज्य के कई पुस्तकालयों का दौरा करने के अपने अनुभव साझा करते हुए, मंत्री ने कहा कि जो छात्र महंगे प्रशिक्षण केंद्रों में जाने का खर्च नहीं उठा सकते, वे दिन भर पुस्तकालयों में पढ़ाई करते हैं। इसी प्रेरणा से सरकारी पीयूसी

छात्रों के लिए निःशुल्क जेईई और एईईटी कोचिंग योजना शुरू की गई।

वर्तमान में, 25,000 छात्र इसका लाभ उठा रहे हैं। कर्नाटक ऐसी सुविधा प्रदान करने वाला एकमात्र राज्य है। उन्होंने बताया कि गौरीबिदनूर के एन. संकेत राज को इसी सुविधा के माध्यम से आईआईटी में प्रवेश मिला है। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य सभी सरकारी पीयूसी छात्रों को निःशुल्क कोचिंग प्रदान करना है और वे इस बारे में मुख्यमंत्री से चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक पुस्तकालयों में प्रतियोगी परीक्षाओं की पुस्तकों की संख्या बढ़ाने और आवश्यक संसाधनों का उपयोग करने पर जोर दिया जाना चाहिए। प्रत्येक पुस्तकालयाध्यक्ष एक विश्वविद्यालय के प्रमुख के समान होता है। हालाँकि पुस्तकालय को सुदृढ़ बनाने में चुनौतियाँ हैं, फिर भी हमारी सरकार इसे सुदृढ़ बनाने के लिए पूरी ईमानदारी से काम करेगी। उन्होंने बताया कि हमारे पिता और पूर्व मुख्यमंत्री एस. बंगारप्पा को पढ़ने का बहुत शौक था। शिक्षा विभाग में सुधारों पर बोलते हुए, उन्होंने तीन परीक्षा प्रणालियों और परीक्षा प्रक्रिया की पारदर्शिता, वेबकास्टिंग और शिक्षा विभाग के कई अन्य नए उपायों के बारे में बताया। इस अवसर पर कन्नड़ विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष प्रो. पुरुषोत्तम बिलिमाले, राज्य स्तरीय पुस्तक चयन समिति के अध्यक्ष डॉ. करिगौड़ा बीचनहल्ली, पुस्तकालय प्रमुख डॉ. बी.एस. शिवराम, सरकार की प्रधान सचिव रश्मि महेश और सार्वजनिक पुस्तकालय विभाग के आयुक्त बसवराजेंद्र एच. उपस्थित थे।

राजन्ना की बर्खास्तगी की समर्थकों ने निंदा की, गुस्सा जताया

मधुगिरी/शुभ लाभ ब्यूरो।

मंत्री केएन राजन्ना को मंत्रिमंडल से बर्खास्त किए जाने से नाराज समर्थकों ने कस्बे में बंद का आयोजन कर अपना रोष व्यक्त किया। के.एन. राजन्ना की बर्खास्तगी तुमकुरु जिले के साथ घोर अन्याय है। प्रशंसकों, कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने मुख्यमंत्री से तुरंत पुनर्विचार करने और उन्हें मंत्रिमंडल में शामिल करने की माँग की। कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने एक जगह इकट्ठा होकर राजन्ना की तस्वीरें लगाकर, सड़क पर उतरकर, दुकानें बंद करके और उनका प्रदर्शन करके विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने कहा उन्होंने मधुगिरी विधानसभा क्षेत्र का काफी विकास किया है। उन्होंने सहकारिता क्षेत्र में भी अच्छा काम किया है। ऐसे सीधे-सादे, सख्त और जन-हितैषी राजनेता को अचानक मंत्रिमंडल से बर्खास्त करना कहाँ तक उचित है? एक वरिष्ठ राजनेता, राजन्ना ने जिले की अच्छी सेवा की है। उन्होंने एक पार्टी को संगठित करने और उसे सत्ता में लाने के लिए भी कड़ी मेहनत की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार द्वारा ऐसे राजनेता को मंत्रिमंडल से बर्खास्त करना उचित नहीं है। शहर के प्रमुख चौराहों पर हजारों समर्थक इकट्ठा हुए और केएनआर के समर्थन में नारे लगाए। उन्होंने दुकानदारों से स्वेच्छा से अपनी दुकानें बंद करके विरोध प्रदर्शन में शामिल होने का आह्वान किया। समर्थकों ने मंत्रिमंडल में बहाली की माँग को लेकर खुद पर पेट्रोल छिड़का और यहाँ तक कि खुद को आग लगाने की भी कोशिश की। मधुगिरी में पल-पल तनावपूर्ण माहौल बनता जा रहा था और पुलिस को प्रदर्शनकारियों को नियंत्रित करने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। मधुगिरी और तुमकुरु सहित प्रमुख सड़कों पर बसें रोक दी गईं। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को समझाने की कितनी भी कोशिश की, समर्थक अपना विरोध जारी रखे रहे। यह तो बस शुरुआत थी। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर उन्हें मंत्रिमंडल में बहाल नहीं किया गया, तो वे उग्र संघर्ष शुरू कर देंगे।

विधानसभा की कार्यवाही शुरू होते ही कुछ देर तक असमंजस और अराजकता की रही स्थिति

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधानसभा की कार्यवाही की शुरुआत में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की अनुपस्थिति साफ दिखाई दी। इस बीच, विपक्षी भाजपा के.एन. राजन्ना को मंत्री पद से बर्खास्त करने का उचित कारण बताने पर अड़ी रही, जिससे कुछ देर के लिए असमंजस का माहौल बना रहा। विधानसभा की कार्यवाही की शुरुआत में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने मंत्री राजन्ना की बर्खास्तगी का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि सोमवार दोपहर जब उनसे इस मुद्दे पर पूछा गया, तो संसदीय कार्य मंत्री ने कहा था कि वह मीडिया में आने वाली हर बात पर चर्चा नहीं कर सकते। अब राज्यपाल ने खुद सोमवार दोपहर 3 बजे मुख्य सचिव को पत्र लिखकर बताया कि राजन्ना को मंत्रिमंडल से बर्खास्त कर दिया गया है। विधानसभा सत्र चल रहा है। क्या हमें मंत्रियों की बर्खास्तगी की जानकारी मीडिया

से मिलनी चाहिए? क्या सदन को सूचित करना सरकार की जिम्मेदारी नहीं है? हमें अंधेरे में रखा गया है। हमें तुरंत जवाब दिया जाना चाहिए कि राजन्ना को मंत्रिमंडल से क्यों हटाया गया? इस अवसर पर, विधानसभा अध्यक्ष यू.टी. खादर ने कहा कि आंतरिक मामले पर चर्चा करना अनावश्यक है, तो सुरेश कुमार और सुनील कुमार सहित सभी विपक्षी विधायक खड़े हो गए और आपत्ति जताई। उन्होंने जवाब दिया कि यह सरकार का मामला है, पार्टी का आंतरिक मामला नहीं।

आर. अशोक ने आगे कहा कि सरकार को सोमवार को ही राजन्ना के बारे में बयान देना चाहिए था। लेकिन वह चुप रही। राजन्ना ने मुख्यमंत्री को अपना त्यागपत्र सौंप दिया था। उसे स्वीकार नहीं किया गया, बल्कि उन्हें मंत्रिमंडल से बर्खास्त कर दिया गया। क्या सच बोलने के लिए उन्हें शिकार बनाया गया? राहुल गांधी ने उन पर चुनाव में धांधली का आरोप लगाया था।

उन्होंने लोगों को सच बताया कि कोई धांधली नहीं हुई थी। उन्होंने सवाल किया कि अब उन्हें मंत्रिमंडल से क्यों बर्खास्त किया गया। बी.वाई. विजयेंद्र, जो भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भी हैं, ने कहा कि राहुल गांधी बेंगलूरु आए थे और उन्होंने चुनाव में धांधली का विरोध किया था। यह कोई आंतरिक मामला नहीं था। सदन को इस मामले की जानकारी होनी चाहिए।

सुरेश कुमार ने कहा कि सदन के सत्र के दौरान मीडिया से इतनी महत्वपूर्ण घटना के बारे में जानना उचित नहीं था। सरकार ने जोर देकर कहा कि जानकारी उपलब्ध कराई जाए। विपक्षी सदस्यों के खड़े होकर विरोध जताने पर अध्यक्ष ने कानून एवं संसदीय कार्य मंत्री एच.के. पाटिल को सरकार की ओर से जवाब देने का निर्देश दिया। एच.के. पाटिल ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि अध्यक्ष की इच्छानुसार पहले प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया जाए। उसके बाद सरकार अपना उत्तर देगी। बहस अस्थायी रूप से स्थगित कर दी गई और प्रश्नोत्तर सत्र पुनः शुरू हुआ।

विधानसभा में दलीय सीमा से ऊपर उठकर ऑनलाइन गेम्स पर प्रतिबंध लगाने की मांग

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधानसभा में दलीय सीमा से ऊपर उठकर राज्य में युवाओं के लिए खतरा बन रहे ऑनलाइन गेम्स पर प्रतिबंध लगाने की मांग की गई। प्रश्नकाल के दौरान वरिष्ठ भाजपा विधायक सुरेश कुमार द्वारा उठाए गए एक प्रश्न का उत्तर देते हुए गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा कि ऑनलाइन गेम्स युवाओं के भविष्य को बर्बाद करने के मामले में नशे की लत से भी ज्यादा नुकसान पहुँचा रहे हैं। इस पर नियंत्रण के लिए 2021 में पुलिस अधिनियम में संशोधन किया गया था। अखिल भारतीय गेमिंग महासंघ ने संशोधन अधिनियम पर अदालत में स्थगन आदेश लाया है। इस संशोधन अधिनियम को 2022 में निरस्त कर दिया गया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने इसे चुनौती देते हुए सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर की है। कंप्यूटर, मोबाइल

ऐप और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का उपयोग करके ऑनलाइन गेम खेलना अधिनियम के दायरे में लाया गया है। 8 अप्रैल को ऑनलाइन गेम संचालकों की एक बैठक हुई और विनियमन के मुद्दे पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि वे इस पर सहमत हैं।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारी प्रणम मोहंती के नेतृत्व में एक समिति गठित की गई है और समिति की रिपोर्ट सितंबर में आएगी। ऑनलाइन गेम्स को विनियमित करने के लिए समिति की सिफारिशों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि वे ऑनलाइन गेम्स को विनियमित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पिछले तीन वर्षों में ऑनलाइन गेम्स से संबंधित 347 मामले दर्ज किए गए हैं। उन्होंने बताया कि जुलाई 2025 के अंत तक 159 मामले दर्ज किए जा चुके हैं। इस दौरान, ग्रामीण विकास और आईटीबीटी मंत्री प्रियांक खड़गे ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि फैंटेसी स्पोर्ट्स को एक कौशल माना जाता है। ऑनलाइन गेमिंग 4.5 अरब डॉलर का व्यवसाय है। इस पर 28 प्रतिशत जीएसटी लगता है। लेकिन वे चीन और विदेशों में सर्वर पर आधारित गेम खेल रहे हैं।

वे विज्ञापन देते हैं कि कोई जीएसटी नहीं है और कोई केवाईसी नहीं है। अगर यह धोखाधड़ी भी है, तो कुछ नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों को इस पर उचित नियंत्रण रखना चाहिए। इससे पहले बोलते हुए, एस. सुरेश कुमार ने कहा कि ऑनलाइन गेम बच्चों के लिए एक महामारी हैं। राज्य को नशा मुक्त बनाने की तरह ही ऑनलाइन गेम्स को भी मुफ्त किया जाना चाहिए। अन्यथा, उन्होंने चिंता व्यक्त की कि ये ऑनलाइन गेम युवा समुदाय को बर्बाद कर देंगे। समाज के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए, युवा समुदाय की सुरक्षा के लिए ऑनलाइन गेम आवश्यक हैं, और उन्होंने राज्य सरकार से आग्रह किया कि वह सर्वोच्च न्यायालय में इससे संबंधित मामले का शीघ्र निपटारा करने और बच्चों की सुरक्षा के लिए कार्रवाई करे। साथ ही, मेरे मोबाइल पर एक संदेश आया, जिसमें लिखा था, ''रम्मी खेलो और इनाम जीतो। 8 हजार का बोनस है, और आपके वॉलेट में 1,62,000 का संदेश आया है। इससे कई लोग खेलने के लिए प्रेरित हो रहे हैं। उन्होंने यह भी चिंता व्यक्त की कि प्रसिद्ध खिलाड़ी विज्ञापनों में दिखाई देंगे। वरिष्ठ भाजपा विधायक अरगा ज्ञानेंद्र ने कहा कि सरकार को ऑनलाइन गेम पर अदालत के स्थगन आदेश को हटाने के लिए कार्रवाई करनी चाहिए।

पुलिस अधिनियम में संशोधन

ऑनलाइन गेम युवा समुदाय को बर्बाद कर रहे हैं। जब हमारी सरकार सत्ता में थी, तब इस पुलिस अधिनियम में संशोधन किया गया था। उस समय ऑनलाइन गेम खेलने वालों ने कहा था कि अगर अधिनियम में संशोधन किया गया, तो उन्हें अदालत से स्थगन आदेश मिल जाएगा। हालाँकि, हमने समाज और युवाओं के हितों को ध्यान में रखते हुए अधिनियम में संशोधन किया था। एक अन्य भाजपा विधायक डॉ. सी.एन. अश्वथनारायण ने बोलते हुए सुझाव दिया कि ऑनलाइन गेम में कुशलता होने पर भी सट्टेबाजी की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। इस अवसर पर हस्तक्षेप करते हुए अध्यक्ष यू.टी. खादर ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों को मिलकर इस पर नियंत्रण के लिए कदम उठाने चाहिए। चूँकि यह एक गंभीर मामला है, इसलिए उन्होंने घोषणा की कि इस सत्र की समाप्ति से पहले आधे घंटे की चर्चा की अनुमति दी जाएगी।

धर्मस्थल मामला: 13वें स्थान पर जीपीआर सत्यापन जारी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एसआईटी धर्मस्थल पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में शिकायतकर्ता द्वारा चिन्हित 13वें स्थान पर ड्रोन जीपीआर ऑपरेशन कर रही है। दिल्ली से चार सदस्यीय जीपीआर टीम सोमवार को मेंगलूरु पहुँची और मंगलवार को एसआईटी टीम ड्रोन जीपीआर के जरिए यह देखने की कोशिश कर रही है कि क्या इस स्थान पर कोई कंकाल अवशेष मिल सकते हैं। शिकायतकर्ता द्वारा चिन्हित 13वाँ स्थान किंदी बाँध के पास है, जो नेत्रावती-अजेकुरी मार्ग पर नेत्रावती नदी के किनारे स्थित है, इसलिए खुदाई का काम मुश्किल था। इसलिए, एसआईटी ने जीपीआर टीम की मदद ली है। सोमवार दोपहर 3 बजे से 3.30 बजे तक एक पायलट ड्रोन जीपीआर ऑपरेशन चलाया गया। इसके बाद, नगर निगम के कर्मचारियों ने लगभग 60 फीट लंबे और 30 फीट चौड़े इस क्षेत्र में उगी झाड़ियों को साफ किया। एसआईटी टीम के नेतृत्व में वर्तमान में उस स्थान पर जीपीआर निरीक्षण चल रहा है। जीपीआर निरीक्षण के चलते नेत्रावती अजेकुरी मार्ग को पूरी तरह से बंद कर दिया गया है। सुरक्षा के लिए सड़क के दोनों ओर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर मौजूद रहे।

राजन्ना ने कौन सा जघन्य अपराध किया है: विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा कि राज्य की जनता पूछ रही है कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के करीबी राजन्ना ने ऐसा कौन सा जघन्य अपराध किया है कि उन्हें मंत्रिमंडल से बर्खास्त किया जा रहा है।

मीडिया से बात करते हुए उन्होंने सवाल किया कि राजन्ना की सबसे बड़ी गलती क्या थी। उन्होंने कहा कि राजन्ना की बर्खास्तगी सिर्फ कांग्रेस पार्टी का आंतरिक मामला नहीं है। इस पर सदन में चर्चा होनी चाहिए। उन्हें मंत्रिमंडल से किस वजह से हटाया गया? राहुल गांधी, क्या कांग्रेस पार्टी में अनुसूचित जनजातियों के लिए इतना प्यार और भरोसा है? राहुल गांधी पिछले हफ्ते बेंगलूरु आए थे और उन्होंने चुनाव आयोग पर आरोप लगाए थे। उन्होंने देश की जनता के सामने यह दर्शाया है कि भाजपा केंद्र में अवैध रूप से सत्ता में आई है। वह चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराए बिना भाग गए हैं। दूसरी ओर, उन्होंने यह भी कहा कि जब राजन्ना ने सच उजागर कर दिया है, तो उन्हें मंत्रिमंडल से बर्खास्त करना बिल्कुल भी उचित नहीं था। हम दोनों सदनों में राज्य के मुख्यमंत्रियों से जवाब मांग रहे हैं। आपने वरिष्ठ मंत्री राजन्ना का इस्तीफा किस कारण से स्वीकार किया? उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का यह कर्तव्य है कि वे सदन को इसकी जानकारी दें। उन्होंने कहा कि हम इस मुद्दे पर दोनों सदनों में चर्चा करेंगे। एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि राजन्ना ने कहा है कि जब अवसर आएगा, तो वे षड्यंत्र और साजिश के बारे में जानकारी देंगे। मैंने उनका बयान नोट कर लिया है। उन्होंने सवाल किया कि क्या संविधान की किताब हाथ में लेकर देश भर में घूमने वाले राहुल गांधी में सच को पचाने और सच सुनने का साहस नहीं है? क्या कांग्रेस पार्टी अनुसूचित जाति के मंत्री के साथ ऐसा व्यवहार करती है? उन्होंने कहा कि बाबासाहेब अंबेडकर के बारे में लंबे-चौड़े भाषण देने वाली कांग्रेस पार्टी राजन्ना के साथ सही व्यवहार कर रही है।

एक अन्य प्रश्न का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि हमारी विधायक दल की बैठक में धर्मस्थल के मुद्दे पर लंबी चर्चा हुई। क्या एसआईटी कहीं भटक रही है? उन्होंने कहा एसडीपीआई, कम्युनिस्ट और अन्य विभिन्न संगठन इसके पीछे हैं। इन सब बातों ने संदेह को जन्म दिया है। मंजुनाथेश्वर के भक्तों की भावनाओं को ठेस पहुँचाने वाली गतिविधियाँ की जा रही हैं, जो उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि हम इस मुद्दे पर सदन में चर्चा करेंगे और सरकार से जवाब मांगेंगे।

कर्ज चुकाने के लिए मालिक के घर चोरी करने वाला व्यक्ति गिरफ्तार

89 लाख रुपये के सोने के आभूषण जब्त

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जयनगर पुलिस ने एक मैनेजर को गिरफ्तार किया है जिसने कर्ज चुकाने के लिए मालिक के घर से सोने-चाँदी के गहने चुराए थे। उसके पास से 89 लाख रुपये के सोने-चाँदी के गहने बरामद किए गए हैं। जयनगर के संगम सर्कल, आठवें ब्लॉक में रहने वाले एक व्यक्ति ने व्यवसाय चलाने के लिए अपने घर में एक कार्यालय बनाया था और कटरीगुप्पे निवासी कार्तिक (40) बीस वर्षों से उस कार्यालय में प्रबंधक के रूप में कार्यरत थे। कार्तिक, जिसने अपने परिवार का विश्वास जीत लिया था, को मालिक के पास मौजूद धन और गहनों के बारे में पता चल गया था। तब से, वह समय-समय पर सोना और पैसे चुराता रहा है। परिवार को इसकी भनक तक नहीं लगी। परिवार ने देखा कि हाल ही में पैसे और गहने चोरी हुए हैं। उन्होंने कार्यालय प्रबंधक पर संदेह व्यक्त किया और

पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर विभिन्न पहलुओं से जानकारी जुटाई और प्रबंधक को कार्यालय में सात हजार रुपये और अलमारी की नकली चाबी के साथ गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ करने पर उसने बताया कि उसने पैसे और गहने चुराए थे। पुलिस द्वारा विस्तृत पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने अपने विभिन्न व्यसनों को पूरा करने के लिए दोस्तों से काफी पैसे उधार लिए थे।

उसने मालिक के घर की अलमारी की चाबी, जिसने उसे कर्ज चुकाने के लिए काम दिया था, उसकी जानकारी के बिना ले ली थी और नकली चाबी बना ली थी। उसने अक्सर उसकी अनुपस्थिति में अलमारी का ताला तोड़कर गहने और पैसे चुरा लिए थे। उसने पुलिस के सामने कबूल किया कि उसने चुराए गए सोने के गहने त्यागराजनगर स्थित एक आभूषण की दुकान और मणप्पुरम फाइनेंस कंपनी को बेचे थे और बिक्री से मिले पैसों से उसने चांदी के सामान खरीदे थे। आरोपी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, आभूषण की दुकान से आरोपी के घर में रखे 1 किलो 40 ग्राम सोने के गहने और एक किलो चांदी के सामान जब्त किए गए, जिनकी कुल कीमत 89 लाख रुपये आंकी गई है। इंस्पेक्टर दीपक और उनकी टीम इस ऑपरेशन का पता लगाने में सफल रही।

सरकार निजी लेआउट को बुनियादी सुविधाएं नहीं देगी: मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहरी विकास मंत्री बैरती सुरेश ने परिषद में स्पष्ट किया है कि निजी क्षेत्र को अपने द्वारा निर्मित लेआउट के लिए बिजली, पानी और सड़क सहित आवश्यक बुनियादी ढाँचा उपलब्ध कराना चाहिए। सरकार ऐसा नहीं करेगी। सदस्य सतीश कुमार के एक प्रश्न का उत्तर देते हुए उन्होंने यह बात कही। नियम है कि लेआउट बनाते समय संबंधित मालिक को स्वयं निर्माण कार्य करना चाहिए। हम सरकार द्वारा निर्मित लेआउट के लिए बुनियादी ढाँचा उपलब्ध कराते हैं। उन्होंने फिर पूछा कि हमारे और निजी क्षेत्र के बीच क्या संबंध है? मालिकों को किसी भी लेआउट का निर्माण करते समय उसके पूरे हिस्से का उपयोग करने का अधिकार नहीं होता है। उन्होंने कहा कि शुरुआत में परियोजना का 40 प्रतिशत हिस्सा स्वीकृत होता है। बाद में, चरणों में विकास के बाद, पूरी मंजूरी दी जाएगी।

पुलिस ने 207 जंक्शनों पर 2.5 करोड़ रुपये की सीसीटीवी निगरानी परियोजना शुरू की

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। उडुपी जिला पुलिस ने क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ाने और आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से एक महत्वाकांक्षी निगरानी और सुरक्षा पहल शुरू की है। पुलिस अधीक्षक हरिराम शंकर ने सोमवार, को आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया को संबोधित करते हुए कहा उडुपी जिला पुलिस ने उडुपी जिला चैंबर ऑफ कॉमर्स के सहयोग से, जिले के 207 चौराहों पर 2.5 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से 601 कैमरे लगाने की एक महत्वाकांक्षी परियोजना की योजना बनाई है। प्रारंभिक चरण में, सीमावर्ती क्षेत्रों, सांप्रदायिक अशांति की आशंका वाले स्थानों और प्रमुख स्थानों जैसे संवेदनशील स्थानों पर 10 एएनपीआर (ऑटोमैटिक नंबर

प्लेट रीडर) कैमरे लगाए जाएंगे। इसके अतिरिक्त, निम्नलिखित स्थानों पर 10 उच्च-गुणवत्ता वाले कैमरे लगाए जाएँगे। इन कैमरों की फुटेज की निगरानी संबंधित स्थानीय पुलिस थानों के साथ-साथ जिला पुलिस नियंत्रण कक्ष में चौबीसों घंटे की जाएगी। घर-घर जाकर जाँच कार्यक्रम के तहत, उडुपी जिला पुलिस ने दृष्टि योजना शुरू की है। जिले के चुनिंदा कस्बों और बाजार क्षेत्रों में आपराधिक गतिविधियों को रोकने के लिए रात्रि गश्त प्रणाली शुरू की गई है। इसका उद्देश्य चोरी, महिलाओं के खिलाफ अपराध और नशेड़ियों द्वारा किए जाने वाले अपराधों पर अंकुश लगाना है, साथ ही व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, अकेले रहने वालों और वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इस योजना के तहत, नियुक्त सुरक्षा गार्ड रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक अपने निर्धारित क्षेत्रों में गश्त करेंगे। अगर उन्हें कोई संदिग्ध व्यक्ति या घटना दिखाई दे, तो उन्हें तुरंत बीट पुलिस या जिला पुलिस नियंत्रण कक्ष को सूचित करना होगा। इन सुरक्षा गार्डों का पारिश्रमिक उस इलाके के निवासियों द्वारा वहन किया जाएगा जहाँ ये गार्ड तैनात हैं। वर्तमान में, दृष्टि योजना 12 स्थानों पर शुरू की गई है - उडुपी शहर, शिरवा और गंगोली पुलिस थानों के अधिकार क्षेत्र में दो-दो, और कुंडापुरा, हेबरी, करकला टाउन, हिरियाडका, शंकरनारायण और ब्रह्मवर पुलिस थानों की सीमा में एक-एक। आने वाले दिनों में, इसे जिले भर में 21 और स्थानों तक विस्तारित किया जाएगा।

यह शरीर किराए का मकान: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने कहा कि यह शरीर किराए का मकान है और किराए के मकान को एक न एक दिन खाली करना ही पड़ता है। बुद्धिमान वो होता है जो अपना खुद का मकान बना लेता है। प्रत्येक भवी आत्मा का स्थाई निवास स्थान मात्र मोक्ष है। बाकि तो मात्र भ्रमण है और भ्रमण करने वाला यात्री रास्ते में अपना घर नहीं बनाता है। प्रत्येक जीव की स्वतंत्र सत्ता होती है और जैसे भोर होते ही पंछी उड़ जाता है वैसे ही श्वास की डोर टूटते ही हमारा हंसा उड़ जाएगा और देह रह जाएगी। प्रवचन के प्रारंभ में साध्वी श्री वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि प्रत्येक जीव के अंतर में महावीरत्व छिपा है। हम भी महावीर कैसे बने, यह पुरुषार्थ होना चाहिए। श्रावक को अपने नियम और कर्तव्य मालुम होने चाहिए। यह विडंबना है कि श्रावक साधु की समाचारी की जानकारी रखता है और खुद के प्रति अनभिज्ञ रहता है। जब नींव ही खोखली होगी तो हम महावीर जैसे वटवृक्ष कैसे बनेंगे। आम से खास, साधारण से असाधारण, जन से जिन और शिशु से सिद्ध बनने का जुनून है तो हमे आगम की शरण में आना ही होगा। आगम में हर समस्या का और हर जिज्ञासा का समाधान है। तरुणा सियाल के 15 उपवास की तपस्या पूर्ण करने पर संघ उपाध्यक्ष उत्तमचंद तातेड ने सम्मान किया। संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा संचालन करते हुए आचार्य श्री पार्श्वचंद्र जी के धर्म संदेश की जानकारी दी। साध्वी श्री शशिप्रभा जी ने मंगल पाठ सुनाया।

त्योहारों के दौरान फ्लेक्स बोर्ड नहीं लगाने होंगे, निगम ने सख्त निर्देश जारी किए

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मेंगलूरु नगर निगम (एमसीसी) ने शहर को फ्लेक्स-मुक्त बनाने के अपने अभियान के तहत आगामी धार्मिक या अन्य त्योहारों पर फ्लेक्स बोर्ड और बैनर लगाने पर रोक लगाने का सख्त आदेश जारी किया है।

त्योहारों के मौसम में इस तरह के प्रदर्शनों में बढ़ोतरी की आशंका को देखते हुए, एमसीसी ने फ्लेक्स-मुक्त त्योहार, स्वच्छ पर्यावरण - सबकी जिम्मेदारी के नारे के तहत जनता से सहयोग का आग्रह किया है। इस महीने स्वतंत्रता दिवस, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, गणेश चतुर्थी, दशहरा और फसल उत्सवों सहित कई उत्सव मनाए जाएँगे। पिछले वर्षों में, शहर में ऐसे अवसरों पर फ्लेक्स और बैनरों की भरमार देखी गई थी। हालाँकि, इस वर्ष अधिकारियों ने इन पर रोक लगाने का संकल्प लिया है।

नगर निगम शहर भर में अनधिकृत होर्डिंग, कट-आउट, फ्लेक्स बोर्ड, बैनर, पोस्टर और बैनर लगातार हटा रहा है, क्योंकि उनका कहना है कि इस तरह के प्रदर्शन शहर की सुंदरता और पर्यावरण को नुकसान पहुँचाते हैं। सामाजिक, धार्मिक या राजनीतिक प्रचार के लिए सार्वजनिक स्थानों का उपयोग करने वाले आयोजकों को कर्नाटक खुले स्थान (विरूपण निवारण) अधिनियम, 1981 के तहत जुर्माने और आपराधिक मामलों की चेतावनी दी गई है। 11 अगस्त को, अधिकारियों ने स्टेट बैंक, हम्पनकट्टे, पांडेश्वर और कंकनाडी में अवैध कपड़े के बैनर हटाओ अभियान चलाया और 8,500 रुपये का जुर्माना वसूला।

हालांकि निवासियों ने फ्लेक्स के उपयोग को नियंत्रित करने के कदम का स्वागत किया है, लेकिन कुछ लोगों ने राजनीतिक या सरकारी कार्यक्रमों के बैनरों की अनदेखी करते हुए त्योहारों से संबंधित सजावट को लक्षित करने के लिए एमसीसी की आलोचना की है।

नागरिकों ने राजनीतिक प्रदर्शनों के खिलाफ भी समान कार्रवाई की मांग की है। निगम आयुक्त रविचंद्र नाइक ने कहा कि फ्लेक्स सामग्री से बड़ी मात्रा में ठोस कचरा उत्पन्न होता है, जिससे गंभीर पर्यावरणीय खतरे पैदा होते हैं। उन्होंने दोहराया कि कानून के तहत फ्लेक्स बोर्ड और बैनर लगाने की अनुमति नहीं है, और उल्लंघन करने वालों पर जुर्माना और आपराधिक मुकदमा चलाया जाएगा।

पॉक्सो दोषियों को 20 साल जेल की सजा

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। उडुपी जिला विशेष पॉक्सो न्यायालय ने बिंदूर और पदुबिद्री पुलिस थानों में 2024 में पॉक्सो अधिनियम के तहत दर्ज अलग-अलग मामलों में दो व्यक्तियों को 20 साल के कारावास की सजा सुनाई है।

बिंदूर पुलिस मामले में गंगनाडू, बिंदूर निवासी राघवेंद्र गोंडा (35) और पदुबिद्री पुलिस मामले में बागलकोट जिले के बादामी निवासी मंजूनाथ पात्रोत (23) दोषी हैं। जुलाई 2025 में, जिले भर की विभिन्न अदालतों में कुल 320 मामलों का निपटारा किया गया, जिनमें से 188 मामलों में दोषसिद्धि या जुर्माने के साथ मामला समाप्त हुआ। एक अलग मामले में, कुंडापुर यातायात पुलिस ने 2019 में एक व्यक्ति के खिलाफ एक घातक सड़क दुर्घटना के सिलसिले में मामला दर्ज किया था। अदालत ने उसे 18 महीने की जेल और 9,000 रुपये का जुर्माना लगाया।

पूर्णिमा के उपलक्ष्य में गुरुदेव की भक्ति

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में श्री जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल बसवनगुडी द्वारा पूर्णिमा को दादा गुरुदेव की भक्ति बसवनगुडी दादावाड़ी में आयोजित की गई। मंडल के अध्यक्ष अरविन्द कोठारी ने कहा कि प्रत्यक्ष प्रभावी चारों दादा गुरुदेव की भक्ति कभी निष्फल नहीं जाती। महामंत्री ललित डाकलिया ने कहा कि जैन धर्म में चार आचार्यों को जिन्हें दादा गुरुदेव के रूप में सम्मानित किया जाता है, ये आचार्य श्री जिनदत्त सूरी, मणिधारी श्री जिनचंद्र सूरी, श्री जिनकुशल सूरी, और श्री जिनचंद्र सूरी हैं। इन आचार्यों ने जैन शासन को अपनी साधना और पुरुषार्थ से महत्वपूर्ण दिशा दी। जैन धर्म में, विशेष रूप से खरतर गच्छ में, महान आचार्यों के रूप में जाने जाते हैं और इनका जैन शासन में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। पूर्णिमा भक्ति में राजेन्द्र गुलेच्छा, नितेश बोहरा, पारस पारख, मनन बोहरा, रिद्धिम छाजेड़ आदि अनेक सदस्यों ने गुरुदेव के सुमधुर गीत गाए।

जंगली हाथी के पास सेल्फी लेने की कोशिश में गलती, व्यक्ति पर 25,000 रुपये का जुर्माना

चामराजनगर/शुभ लाभ ब्यूरो। बांदीपुर में सेल्फी लेने की कोशिश में जंगली हाथी के हमले से बाल-बाल बचे नंजनगुड के एक व्यक्ति पर वन विभाग ने 25,000 रुपये का जुर्माना लगाया है। शुरुआत में, वन अधिकारियों ने उस व्यक्ति को केरल का माना और उसी के अनुसार उसकी तलाश शुरू की। बाद में पता चला कि वह नंजनगुड का बसवराजू था। घटना के बाद, वह कथित तौर पर वन कर्मचारियों से बचता हुआ, केरल गया और फिर कर्नाटक लौट आया। उसने पकड़े जाने से बचने के लिए अपना फोन बंद रखा। अधिकारियों ने आखिरकार उसका पता लगा लिया और उस पर

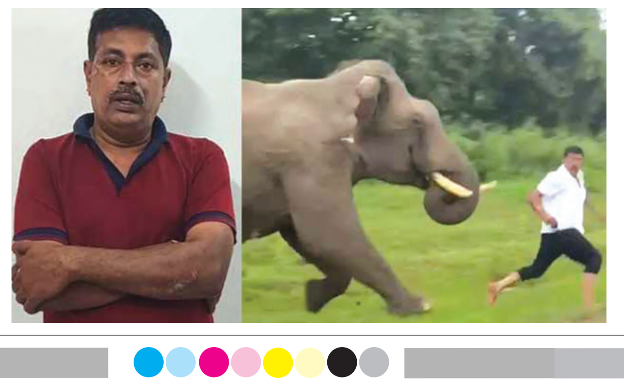

जुर्माना लगा दिया। बांदीपुर के वन अधिकारियों ने बसवराजू से एक जन जागरूकता वीडियो रिकॉर्ड करवाया है जिसमें वह कह रहा है, मैं बांकापुरा के मंदिर गया था। वापस आते समय, मैं सेल्फी और तस्वीरें लेने के लिए रुका। उसी समय, एक जंगली हाथी मुझ पर टूट पड़ा। अब से, किसी को भी वन क्षेत्रों में अपने वाहन नहीं रोकने चाहिए या ऐसी लापरवाही नहीं करनी चाहिए। इन क्षेत्रों में तस्वीरें या सेल्फी लेने से बचें।

वन अधिकारियों को आशा है कि यह वीडियो पर्यटकों को ऐसे जोखिम भरे व्यवहार से रोकेगा, जिससे लोगों और वन्य जीवों दोनों को खतरा है।

पाकिस्तान ने भारतीय राजनयिकों को किया परेशान, बुनियादी सुविधाओं पर लगाई रोक

नई दिल्ली, 12 अगस्त (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव के बीच, पाकिस्तान ने एक बार फिर वियना कन्वेंशन का उल्लंघन करते हुए इस्लामाबाद में भारतीय उच्चायोग के कर्मचारियों और उनके परिवारों को परेशान करना शुरू कर दिया है। रिपोर्टों के अनुसार, पाकिस्तान ने जानबूझकर भारतीय राजनयिकों के लिए बुनियादी सुविधाओं जैसे पानी, गैस और अखबारों की आपूर्ति रोक दी है। भारत ने इस कदम को एक 'जानबूझकर और पूर्व-निर्धारित' कार्रवाई बताया है।

गैस की आपूर्ति बंद: इस्लामाबाद में भारतीय कर्मचारियों के घरों में गैस की सप्लाई बंद कर दी गई है। जिन दुकानदारों से पहले गैस सिलेंडर मिलते थे, उन्हें भी भारतीय स्टाफ को कुछ भी बेचने से मना किया गया है।

पानी की समस्या: पीने के पानी की नियमित आपूर्ति रोक दी गई है और सभी स्थानीय वाटर वेंडर्स को उच्चायोग को पानी न देने का निर्देश दिया गया है।

अखबारों पर रोक: भारतीय राजनयिकों को अखबारों की सप्लाई भी रोक दी गई है, जिससे उन्हें स्थानीय खबरों तक पहुंचने में मुश्किल हो रही है।

भारत ने पाकिस्तान के इस कदम को वियना कन्वेंशन का सीधा उल्लंघन बताया है। यह कन्वेंशन यह सुनिश्चित करता है कि एक देश में दूसरे देश के राजनयिकों को सुरक्षा और उनके काम करने के लिए आवश्यक सुविधाएं मिलें। पाकिस्तान की इस हरकत से राजनयिकों की रोजमर्रा की जिंदगी मुश्किल हो गई है।

सरकारी अधिकारियों का कहना है कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी खडख ने यह कदम भारत के हाल के दो बड़े फैसलों के जवाब में उठाया है: ऑपरेशन सिंदूर की सफलता: इस ऑपरेशन में भारत ने कथित तौर पर पाकिस्तान में कुछ आतंकवादी ठिकानों को सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया था। सिंधु जल संधि को स्थगित करना: हाल ही में भारत ने सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया था, जिससे पाकिस्तान में बेचैनी बढ़ गई है।

ऐसा माना जा रहा है कि इन दोनों घटनाओं के बाद पाकिस्तान ने यह 'छोटी सोच वाली बदले की कार्रवाई' की है। यह पहली बार नहीं है; 2019 में पुलवामा हमले के बाद बालाकोट स्ट्राइक के दौरान भी भारतीय राजनयिकों को इसी तरह परेशान किया गया था।

भारत ने चेतावनी दी है कि इस तरह की घटनाएं दोनों देशों के बीच संबंधों को और भी खराब कर सकती हैं। यह देखना बाकी है कि क्या भारत भी पाकिस्तान के राजनयिकों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करेगा।

नितिन गडकरी को इस वर्ष का आबासाहेब वीर सामाजिक पुरस्कार दिया जायेगा

सतारा, 12 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को किसान वीर सहकारी चीनी मिल (केवीसीएसएफ), सतारा, महाराष्ट्र की ओर से इस वर्ष के प्रतिष्ठित आबासाहेब वीर सामाजिक पुरस्कार के लिए चुना गया है। केवीसीएसएफ के उपाध्यक्ष प्रमोद शिंदे ने यहां जारी एक बयान में कहा कि यह पुरस्कार सामाजिक, आर्थिक, ग्रामीण और राष्ट्रीय क्षेत्रों के विकास में योगदान देने वाले व्यक्तियों को दिया जाता है। इस वर्ष, श्री गडकरी को सड़क और राजमार्ग क्षेत्र में उनके योगदान के लिए चुना गया है।

श्री शिंदे ने कहा कि पुरस्कार वितरण समारोह की तिथि बाद में घोषित की जायेगी।

बब्बर खालसा इंटरनेशनल के आतंकी नेटवर्क का भंडाफोड़, 5 गिरफ्तार

चंडीगढ़,12 अगस्त (एजेंसियां)। पंजाब पुलिस ने मंगलवार को राजस्थान से पाँच लोगों को गिरफ्तार करके आईएसआई समर्थित बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के एक आतंकी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया। यह नेटवर्क पाकिस्तान स्थित बीकेआई के कार्यकर्ता हरविंदर रिंदा के निर्देशों पर काम कर रहा था। टोंक और जयपुर ज़िलों में आतंकवाद विरोधी अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान हुई गोलीबारी में पाँच आरोपियों में से एक घायल हो गया। आतंकवादी स्वतंत्रता दिवस के दौरान शहीद भगत सिंह नगर और पंजाब के अन्य स्थानों पर हमले की योजना बना रहे थे। पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस ऑपरेशन की जानकारी दी। पाकिस्तान के आईएसआई समर्थित आतंकी नेटवर्क के खिलाफ एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए, काउंटर इंटेलिजेंस, जालंधर ने एसबीएसनगर पुलिस के साथ एक संयुक्त अभियान में पाकिस्तान स्थित बीकेआई के एक आतंकी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। यह नेटवर्क विदेशी हैंडलर मन्नू अगवान, गोपी नवाशहरिया और जीशान अख्तर द्वारा संचालित किया जा रहा था, जो पाक स्थित बीकेआई के ऑपरेटिव हरविंदर रिंदा के निर्देश पर चलाया जा रहा था। डीजीपी यादव ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि राजस्थान के टोंक और जयपुर जिलों से पाँच आतंकियों को गिरफ्तार किया गया और आगे की योजनाबद्ध हमलों को सफलतापूर्वक टाला गया। इस मॉड्यूल ने हाल ही में एसबीएस नगर में एक शराब की दुकान के अंदर हमले की योजना बनाई थी और उसे स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ऐसे ही हमले करने का काम सौंपा गया था। मामले में नवाशहर पुलिस स्टेशन में विस्फोटक पदार्थ नियंत्रण अधिनियम और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन्होंने आगे कहा कि गिरफ्तार आरोपियों को विदेश में रहने वाले जीशान अख्तर और बीकेआई के सरगना मन्नू अगवान से सीधे निर्देश मिल रहे थे, जो पाकिस्तान स्थित बीकेआई के सदस्य हरविंदर रिंदा के साथ मिलकर काम कर रहा है।

सहारा समूह पर ईडी की बड़ी कार्रवाई, नौ ठिकानों पर की छापेमारी

कोलकाता, 12 अगस्त (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के कोलकाता जोनल कार्यालय ने 11 अगस्त को सहारा समूह के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कार्रवाई की। ईडी ने गाजियाबाद, लखनऊ, श्रीगंगानगर और मुंबई में कुल 9 ठिकानों पर छापेमारी की। ये ठिकाने सहारा समूह से जुड़ी विभिन्न जमीन और शेयर लेन-देन से संबंधित संस्थाओं के थे।

ईडी ने यह जांच धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत शुरू की। इसकी शुरुआत ओडिशा, बिहार और राजस्थान पुलिस की ओर से दर्ज तीन एफआईआर के आधार पर हुई थी। ये एफआईआर हमारा इंडिया क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड (एचआईसीसीएसएल) और अन्य के खिलाफ आईपीसी की धारा 420 और 120बी के तहत दर्ज की गई थीं।

सहारा समूह की विभिन्न कंपनियों के खिलाफ अब तक 500 से अधिक एफआईआर दर्ज हो चुकी हैं, जिनमें से 300 से ज्यादा पीएमएलए के तहत निर्धारित अपराधों से जुड़ी हैं।

आरोप है कि सहारा समूह ने जबरन पुनर्निवेश और मैच्योरिटी भुगतान रोककर निवेशकों को बड़े पैमाने पर धोखा दिया। ईडी की जांच में सामने आया कि सहारा समूह ने एचआईसीसीए-सएल, एससीसीएसएल, एसयूएमसीएस, एसएमसीएसएल, एसआईसीसीएल, एसआईआरईसीएल, एसए-चआईसीएल और अन्य संस्थाओं के जरिए एक पोंजी स्कीम चलाई।

इसमें निवेशकों और एजेंटों को ऊंचे रिटर्न और कमीशन का लालच देकर पैसे जमा कराए गए। इन फंड्स को बिना किसी नियामक नियंत्रण और निवेशकों की जानकारी के मनमाने ढंग से इस्तेमाल किया गया। निवेश की मैच्योरिटी पर भुगतान नहीं किया गया, बल्कि दबाव डालकर या गलत जानकारी देकर फिर से निवेश करा दिया गया।

खातों में हेरफेर कर इन गैर-भुगतानों को छिपाया गया। वित्तीय क्षमता न होने के बावजूद समूह ने नए निवेश लेना जारी रखा और इन पैसों का एक हिस्सा संदिग्ध शेयर लेन-देन, बेनामी संपत्ति बनाने और निजी खर्चों में इस्तेमाल किया।

समूह की संपत्तियां भी आंशिक नकद भुगतान पर बेची गईं, जिससे निवेशकों के वैध दावे और भी प्रभावित हुए। छापेमारी के दौरान ईडी ने कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और रिकॉर्ड जब्त किए और संबंधित व्यक्तियों के बयान दर्ज किए।

इससे पहले, ईडी इस मामले में तीन अस्थायी कुर्की आदेश जारी कर चुकी है। अंबी वैली में लगभग 1,460 करोड़ रुपए की 707 एकड़ जमीन, सहारा प्राइम सिटी लिमिटेड में लगभग 1,538 करोड़ रुपए की 1,023 एकड़ जमीन, और चांदनी रॉय (पत्नी: सीमांत रॉय) की 14.75 करोड़ रुपए की चल संपत्ति शामिल हैं।

ईडी पहले ही सहारा समूह के चेयरमैन कोर मैनेजमेंट ऑफिस के कार्यकारी निदेशक अनिल वैलापरमपिल अब्राहम और लंबे समय से जुड़े प्रॉपर्टी ब्रोकर जितेंद्र प्रसाद वर्मा को गिरफ्तार कर चुकी है। दोनों फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। इस मामले में जांच जारी है और आगे और खुलासे होने की संभावना है।

दिव्यांगों के लिए सरकारी योजनाओं के साथ सामाजिक करुणा भी आवश्यक : धर्मेंद्र प्रधान

नई दिल्ली, 12 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में दिव्यांगों के लिए उपयोगी और सर्वसमावेशी योजनाएं शामिल हैं, किंतु केवल नीति बनाने से बदलाव संभव नहीं होता। इसके लिए समाज में संवेदनशीलता और करुणा का भाव आवश्यक है, तभी सभी को संसाधन, अवसर और सम्मान प्राप्त हो सकता है। दीपस्तंभ फाउंडेशन का 'मनोबल' प्रकल्प इसी भावना का आदर्श उदाहरण है। वे सोमवार को नई दिल्ली में 'मनोबल' प्रकल्प के लोकार्पण समारोह में बोल रहे थे।

दिव्यांग, अनाथ, ट्रांसजेंडर और आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क आवासीय उच्च शिक्षा और प्रशिक्षण उपलब्ध कराने वाला 'मनोबल' प्रकल्प, जळगांव और पुणे के बाद अब नई दिल्ली में भी शुरू हो गया है। नई दिल्ली के कस्तूरबा गांधी मार्ग स्थित नवनिर्मित महाराष्ट्र सदन के भव्य सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्घाटन श्री धर्मेंद्र प्रधान के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर केंद्रीय खेल एवं युवा मामलों की राज्य मंत्री श्रीमती रक्षाताई खडसे, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के सचिव राजेश अग्रवाल, नवनियुक्त राज्यसभा सांसद एडवोकेट उज्ज्वल निकम, भाजपा के केंद्रीय संगठन मंत्री वी. सतीश, आईसीसीआर के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विनय सहस्रबुद्धे, पूर्व विदेश सचिव डॉ. ज्ञानेश्वर मुले, वरिष्ठ पत्रकार श्री उदय निरगुडकर और दीपस्तंभ फाउंडेशन के संस्थापक-निदेशक श्री यजुर्वेंद्र महाजन सहित अनेक गणमान्य उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 'दिव्यांग' शब्द को लोकप्रिय बनाकर विकलांगता को सम्मान देने का उल्लेख करते हुए श्री प्रधान ने कहा कि देश के 26.10 करोड़ स्कूली विद्यार्थियों में 2.1 करोड़ दिव्यांग हैं, और उनके लिए सतत कार्य किया जा रहा है। किंतु वास्तविक समानता तभी स्थापित होगी जब दिव्यांग, अनाथ और ट्रांसजेंडर समुदाय को समान अवसर, संसाधन और सम्मान मिले। 'मनोबल' प्रकल्प इसी सोच से प्रेरित है। यह सामाजिक संकल्प और राष्ट्र निर्माण में अद्वितीय प्रयास का प्रतीक है। दिल्ली में इसका विस्तार सर्वसमावेशिता, समानता और अवसर के एक नए युग की शुरुआत है।

कार्यक्रम में रक्षाताई खडसे ने कहा कि समाज के इन सबसे जरूरतमंद विद्यार्थियों के विकास की जिम्मेदारी सरकार, प्रशासन और नागरिकों- सभी की है। दीपस्तंभ का कार्य इस दिशा में प्रेरणादायक और अनुकरणीय है तथा सभी को इसमें सहभागी होना चाहिए। राजेश अग्रवाल ने कहा कि पिछले दस वर्षों में दिव्यांगों को मुख्यधारा में लाने के लिए उल्लेखनीय कार्य हुआ है। सरकारी विभागों, राज्य सरकारों, निजी संस्थानों और समाज की दृष्टि में परिवर्तन आया है, जिससे संवेदनशीलता बढ़ी है। उन्होंने कहा कि 'मनोबल' में विद्यार्थियों को न केवल उत्कृष्ट शिक्षा और प्रशिक्षण मिलता है, बल्कि पारिवारिक स्नेह और आत्मसम्मान का भी वातावरण प्राप्त होता है, जिससे उनका आत्मविश्वास और स्वाभिमान बढ़ता है।

यजुर्वेंद्र महाजन ने अपने प्रस्ताविक भाषण में कहा कि अगले 25 वर्षों में हमारा लक्ष्य दिव्यांग, अनाथ और ट्रांसजेंडर विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, उच्च शिक्षा और करियर के लिए मुख्यधारा में अवसर उपलब्ध कराना है। प्रतिष्ठा और अवसर की समानता तभी स्थापित होगी जब इन विद्यार्थियों को दया नहीं, बल्कि मित्रता और अवसर मिलें। उन्हें सुरक्षित घर, निस्वार्थ प्रेम और समाज में समान स्थान की आवश्यकता है।

इस अवसर पर एनएचपीसी, डोनाल्डसन फिल्ट्रेशन, परफेटी जैसी कंपनियों और दानदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए सम्मान किया गया। वरिष्ठ अधिवक्ता एवं राज्यसभा सांसद एडवोकेट उज्ज्वल निकम का भी सत्कार हुआ। दीपस्तंभ की छात्रा मौली अडकुर ने हार्मोनियम पर 'सारे जहाँ से अच्छा' की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन दिव्यांग विद्यार्थी सलमान और निशिता ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन मुबशीर ने किया।

समारोह में 'मनोबल' में अध्ययनरत और विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं व उच्च शिक्षा में सफल हुए विद्यार्थियों का भी विशेष सम्मान किया गया। इनमें मनु गर्ग (आईएएस), रवि राज (आईआरएस), अश्विनी परकाले (आईएपीओएस), श्रीतेज पटेल (आईआरएमएस), संपदा वांगे, प्रणित गुप्ता (आईआईएम उदयपुर), तुषार चौगुले (कार्यकारी अभियंता), माउली अडकुर, कविता देसले (एमपीएससी), राकेश गुहा (बैंक), विशाल शेलार (साइक्लिंग में स्वर्ण पदक), वीणा (पीए-सआई), प्रतीक जिंदल (आईडीबीआई बैंक) शामिल हैं।

अब सिर्फ 18 जिलों तक सीमित नक्सलवाद! हिंसा में 81% की ऐतिहासिक गिरावट

नई दिल्ली, 12 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने मंगलवार को लोकसभा को एक लिखित उत्तर में वामपंथी उग्रवादियों द्वारा की जाने वाली हिंसा में कमी के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हिंसा की घटनाएँ और परिणामस्वरूप नागरिकों और सुरक्षा बलों की मौतें, 2010 के उच्च स्तर से 2024 में क्रमशः 81 प्रतिशत और 85 प्रतिशत कम हो गई हैं। गृह राज्य मंत्री राय ने एक लिखित उत्तर में कहा कि वामपंथी उग्रवाद से संबंधित हिंसा की घटनाएँ और परिणामस्वरूप नागरिकों और सुरक्षा बलों की मौतें, 2010 के उच्च स्तर से 2024 में क्रमशः 81 प्रतिशत और 85 प्रतिशत कम हो गई हैं।

कांग्रेस सांसद कल्याण वैजनाथराव काले द्वारा नक्सली गतिविधियों पर अंकुश लगाने और माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा प्रदान करने के सरकार के प्रयासों के बारे में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर में, राय ने राष्ट्रीय नीति और कार्य योजना 2015 के दृढ़ कार्यान्वयन के कारण आदिवासी क्षेत्रों में वामपंथी उग्रवाद से संबंधित हिंसा में कमी पर प्रकाश डाला। गृह राज्य मंत्री राय ने कहा, राष्ट्रीय नीति एवं कार्य योजना 2015 के दृढ़ कार्यान्वयन के परिणामस्वरूप हिंसा में लगातार कमी आई है और भौगोलिक विस्तार में कमी आई है।

वामपंथी उग्रवाद, जो देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए एक गंभीर चुनौती रहा है, पर हाल के दिनों में काफी हद तक अंकुश लगा है और यह अब कुछ ही क्षेत्रों तक सीमित रह गया है। वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित जिलों की संख्या भी 2013 के 126 से घटकर अप्रैल 2025 में 18 रह गई है।

उन्होंने कहा कि हिंसा का खामियाजा आदिवासी लोगों को भुगतना पड़ा है, जबकि उनका दावा है कि उन्हें पुलिस मुखबिर बताकर मार डाला गया और प्रताड़ित किया गया। गृह राज्य मंत्री ने कहा, समाज के गरीब और हाशिए पर पड़े तबके, खासकर आदिवासी, इस हिंसा का सबसे ज़्यादा शिकार हुए हैं, क्योंकि वामपंथी उग्रवादियों द्वारा मारे गए ज़्यादातर नागरिक आदिवासी हैं, जिन्हें अक्सर 'पुलिस मुखबिर' बताकर क्रूरतापूर्वक प्रताड़ित किया जाता है और फिर मार डाला जाता है। नक्सलबाड़ी आंदोलन की विडंबना की ओर इशारा करते हुए, राय ने दावा किया कि आदिवासी, माओवादियों द्वारा भारतीय राज्य के विरुद्ध घोषित जनयुद्ध के सबसे बड़े शिकार रहे हैं।

उन्होंने कहा कि वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्र पिछड़ेपन के दुष्चक्र और वामपंथी उग्रवाद के प्रभाव से उत्पन्न सुरक्षा चिंताओं की दोहरी चुनौतियों से जूझ रहे हैं।

पाक सेना प्रमुख की धमकी को अमेरिका के समक्ष मजबूती से उठाए केंद्र सरकार : ओवैसी

नई दिल्ली, 12 अगस्त (एजेंसियां)। एआईएमआईएम चीफ और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने मंगलवार को पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर की भारत के खिलाफ धमकियों की निंदा की। उन्होंने केंद्र सरकार से इस मुद्दे को अमेरिका के समक्ष उठाने की मांग की। असदुद्दीन ओवैसी ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पाकिस्तानी सेना प्रमुख की धमकियों पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लिखा, पाकिस्तानी सेना प्रमुख की भारत के खिलाफ धमकियां और भाषा निंदनीय हैं। उन्होंने अमेरिकी धरती से ऐसा किया, जिससे यह और भी बदतर हो जाता है। सरकार को इस पर राजनीतिक प्रतिक्रिया देनी चाहिए और केवल विदेश मंत्रालय के बयान के जरिए ही नहीं, बल्कि सरकार को अपना विरोध दर्ज कराना चाहिए और अमेरिका के समक्ष इस मुद्दे को मजबूती से उठाना चाहिए। उन्होंने आगे लिखा, भारत एक रणनीतिक साझेदार है और अमेरिकी धरती का यह दुरुपयोग भारत और भारतीयों दोनों को अस्वीकार्य है। पाकिस्तान की सैन्य योजनाओं को समझते हुए, हमें अपने सशस्त्र बलों का आधुनिकीकरण करने की आवश्यकता है। केंद्र सरकार द्वारा रक्षा के लिए कम बजटीय आवंटन अब और नहीं चल सकता। हमें बेहतर तैयारी करने की आवश्यकता है। बता दें, आसिम मुनीर ने शनिवार को फ्लोरिडा के टैम्पा में पाकिस्तानी प्रवासियों के साथ एक निजी रात्रिभोज के दौरान ये धमकियां दी थीं। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, मुनीर ने कहा कि हम एक परमाणु संपन्न राष्ट्र हैं। अगर हमें लगता है कि हम डूब रहे हैं, तो हम आधी दुनिया को अपने साथ ले जाएंगे। पाकिस्तानी सेना प्रमुख के नवीनतम बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भारत ने यह स्पष्ट किया कि वह परमाणु ब्लैकमेल के आगे नहीं झुकेगा। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगा।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक बयान में कहा कि हमारा ध्यान पाकिस्तानी सेना प्रमुख द्वारा अमेरिका की यात्रा के दौरान कथित तौर पर की गई टिप्पणियों की ओर आकर्षित हुआ है। परमाणु हथियार की धमकी देना पाकिस्तान की आदत है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय ऐसी टिप्पणियों में निहित गैर जिम्मेदारी पर अपने निष्कर्ष निकाल सकता है। ऐसे बयान पाकिस्तान में परमाणु कमान और नियंत्रण की अखंडता पर गहरी शंकाओं को और पुष्ट करते हैं, जहां सेना आतंकवादी समूहों के साथ मिली हुई है।

विधानसभा के मानसून सत्र को लेकर सीएम योगी ने कहा

अगले 25 साल के यूपी के विजन का गवाह बनेगा यह सत्र

लखनऊ, 12 अगस्त (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश विधानसभा के चालू मानसून सत्र को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इस बार का मानसून सत्र विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसमें सरकार अगले 25 वर्षों की कार्ययोजना को सदन के पटल पर रखेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार विकसित यूपी का विजन लेकर आगे बढ़ रही है। इस विजन को नीति आयोग और विशेषज्ञों के सहयोग से तैयार किया गया है, जिसमें समाज के हर वर्ग की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने बताया कि 13 और 14 अगस्त को लगातार 24 घंटे इस विजन पर सदन में चर्चा होगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि

सर्वदलीय बैठक में सभी नेताओं के बीच इस पर सहमति बनी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह चर्चा न केवल विधानसभा और विधान परिषद में होगी, बल्कि आम जनता की राय भी इस विजन डॉक्यूमेंट में शामिल की जाएगी। उन्होंने आत्मविश्वास के साथ कहा कि 2047 तक जब भारत एक विकसित राष्ट्र बनेगा, तब उत्तर प्रदेश भी विकसित उत्तर प्रदेश के रूप में तैयार होगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रश्नकाल में जनप्रतिनिधि जनहित से जुड़े सवाल उठाएंगे, जबकि शून्यकाल में महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होगी। सरकार सभी सवालों का जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने सभी दलों से सार्थक और रचनात्मक चर्चा की अपील की, ताकि समय का सदुपयोग हो और नकारात्मकता से बचा जा सके। उन्होंने कहा कि हम सभी प्रस्तावों का स्वागत करेंगे जो सदन में चर्चा के लिए आएंगे। युवाओं के हित, यूपी के विकास और जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। अनावश्यक व्यवधान उत्पन्न करने वालों को जनता स्वयं जवाब देगी।

मुख्यमंत्री ने विपक्ष, विशेष रूप से समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि उनका एजेंडा विकास के बजाय नकारात्मकता पर केंद्रित रहता है। उन्होंने कहा कि पहले जब हमने 36 घंटे की कार्यवाही को आगे बढ़ाया था, तब भी सपा ने इसका विरोध किया और असंसदीय शब्दों का उपयोग किया, जिसके लिए वे पहले से ही कुख्यात हैं। उन्होंने विपक्ष से सकारात्मक और विकासोन्मुखी चर्चा में भाग लेने की अपील की। मुख्यमंत्री ने यूपी विधानमंडल को देश का सबसे बड़ा विधानमंडल बताते हुए कहा कि यहां होने वाली चर्चाएं पूरे देश के लिए एक नजीर बनती हैं। उन्होंने कहा कि पिछले साढ़े आठ वर्ष में यूपी विधानमंडल ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं और जनहित के मुद्दों पर सार्थक चर्चा की है। इस बार भी 25 करोड़ की आबादी की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए हम महत्वपूर्ण एजेंडे के साथ सत्र में उपस्थित हुए हैं।

पुराने लखनऊ में भी चलेगी मेट्रो ट्रेन, परियोजना मंजूर

लखनऊ, अगस्त (एजेंसियां)।

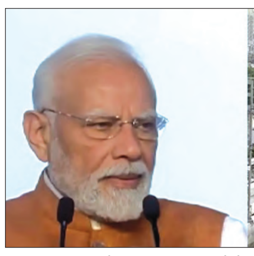

केंद्र सरकार ने पुराने लखनऊ में मेट्रो रेल चलाने को मंजूरी दे दी है। इसका रूट 11 किलोमीटर लंबा होगा। निर्माण में 5,801 करोड़ रुपए की लागत आएगी। यह लखनऊ मेट्रो के फेज वन-बी परियोजना होगी। पुराने लखनऊ का मेट्रो रूट 11 किलोमीटर लंबा होगा और और इस रूट में अमीनाबाद, चौक, यहियागंज, पांडेयगंज, केजीएमयू, इमामबाड़ा और रूमी गेट स्टेशन होंगे।

लखनऊ मेट्रो 22 स्टेशनों के साथ 22.87 कि.मी. की दूरी तय करती है। यह दिल्ली मेट्रो, हैदराबाद मेट्रो, चेन्नई मेट्रो, नम्मा मेट्रो, नोएडा मेट्रो और कोलकाता मेट्रो के बाद भारत में सातवां सबसे लंबा परिचालन मेट्रो नेटवर्क है। लखनऊ में मेट्रो की रेड लाइन को उत्तर-दक्षिण कॉरिडोर के नाम से भी जाना जाता है। चौधरी चरण सिंह अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से मुंशी पुलिया तक रेड लाइन की पूर्ण कमर्शियल सेवा मार्च 2019 में शुरू हुई। रेड मेट्रो लाइन में कुल 21 मेट्रो स्टेशन हैं, जिनमें से 17 एलिवेटेड हैं और जिनमें से 4 अंडरग्राउंड हैं। पूरब-पश्चिम कॉरिडोर लखनऊ मेट्रो फेज-2 परियोजना का हिस्सा है। इस रूट पर अप्रैल 2025 से निर्माण कार्य शुरू हो गया है। इस रूट के पूरा होने और आम जनता के लिए चालू होने में करीब पांच साल लगेंगे। परियोजना के सुचारू निर्माण को सुनिश्चित करने के लिए आधारभूत कार्य पहले ही किया जा चुका है। इसमें हवाई सर्वेक्षण, उपयोगिता और सीवर लाइनों की मैपिंग, मिट्टी परीक्षण आदि शामिल हैं। परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट को नेटवर्क प्लानिंग ग्रुप द्वारा अनुमोदित किया गया है। एक बार चालू होने के बाद, मेट्रो मार्ग मार्ग के साथ स्थित विभिन्न क्षेत्रों के लिए कनेक्टिविटी बढ़ाएगा।

उत्तर प्रदेश में नई औद्योगिक आस्थान प्रबंधन नीति मंजूर

नीति का विस्तृत ड्राफ्ट जारी

लखनऊ, 12 अगस्त (एजेंसियां)।

योगी सरकार ने प्रदेश के औद्योगिक विकास को नई ऊंचाई देने के लिए सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम औद्योगिक आस्थान प्रबंधन नीति को हरी झंडी दे दी है। इस नीति का मुख्य उद्देश्य 2027 तक प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 1 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने की दिशा में उद्योगों को आसान और पारदर्शी भूमि आवंटन, आधुनिक सुविधाओं और बेहतर प्रबंधन के जरिए बढ़ावा देना है। प्रदेश पहले से ही जनसंख्या के मामले में देश का सबसे बड़ा राज्य है और अर्थव्यवस्था में दूसरे स्थान पर है। अब सरकार का फोकस है कि चतुर्मुखी औद्योगिक विकास के लिए निवेशकों को बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और पारदर्शी प्रक्रियाएं उपलब्ध कराई जाएं। सरकार का लक्ष्य है कि इस नीति के माध्यम से प्रदेश के औद्योगिक परिदृश्य को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित किया जाए।

नई नीति के तहत औद्योगिक आस्थानों में उपलब्ध भूमि, शेड और भूखंडों का आवंटन लीज/रेंट पर नीलामी या ई-ऑक्शन के जरिए किया जाएगा। लीज/रेंट की अवधि आयुक्त एवं निदेशक, उद्योग द्वारा तय की जाएगी, जबकि नीलामी पोर्टल का चयन भी आयुक्त एवं निदेशक के अधिकार क्षेत्र में होगा। इसके माध्यम से 20 प्रतिशत तक क्षेत्र का उपयोग व्यावसायिक/सेवा/आवासीय कार्यों के लिए किया जा सकेगा। प्रदेश की भौगोलिक विविधता को ध्यान में रखते हुए वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए औद्योगिक भूखंडों की रिजर्व प्राइस तय की गई है। इसके अंतर्गत मध्यांचल में रुपए 2,500/वर्गमीटर, पश्चिमांचल में 20 प्रतिशत अधिक, यानी रुपए 3,000/वर्गमीटर, बुंदेलखंड व पूर्वांचल में 20 प्रतिशत कम, यानी रुपए 2,000/वर्गमीटर प्राइस निर्धारित किया गया है। इन दरों में हर साल 1 अप्रैल को 5 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि होगी। यदि किसी औद्योगिक आस्थान में एंकर इकाई स्थापित होने से एमएसएमई इकाइयों में उल्लेखनीय वृद्धि की संभावना है, तो शासन विशेष दर पर भूखंड आवंटन का निर्णय ले सकेगा।

ई-ऑक्शन में सफल बोलीदाता को आरक्षित मूल्य का 10 प्रतिशत अर्नेस्ट मनी देना होगा। शेष राशि एकमुश्त, 1 वर्ष या 3 वर्ष में चुका सकते हैं। वहीं, तत्काल भुगतान पर उन्हें 2 प्रतिशत छूट मिलेगी। इसी तरह किस्त योजना में 12/36 समान मासिक किश्तें देय होंगी, जबकि विलंब पर दंड के रूप में अतिरिक्त ब्याज लगाया जाएगा। नीति के तहत आरक्षण की भी व्यवस्था की गई है। कुल भूखंड/शेड का 10 प्रतिशत एससी/एसटी वर्ग के उद्यमियों को आवंटित होगा। यदि कोई योग्य आवेदक न मिले, तो भूखंड अन्य वर्ग को दिया जा सकेगा ताकि विकास में रुकावट न आए।

सपा और लोकतंत्र नदी के दो छोर : योगी आदित्यनाथ

○ सपा के कार्यकाल में शोषण और गुंडा टैक्स नहीं भूले हैं व्यापारी

लखनऊ, 12 अगस्त (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सपा के कार्यकाल में व्यापारियों पर हुए अत्याचार और गुंडा टैक्स को याद करते हुए कहा कि सपा का लोकतंत्र में विश्वास केवल दिखावा है। सीएम योगी ने संभल, बहराइच और गोरखपुर में सपा की नकारात्मक राजनीति पर भी सवाल उठाए।

सीएम योगी ने नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय को एक वरिष्ठ नेता बताते हुए कहा कि कुछ लोग उनके कंधे पर बंदूक रखकर गोली चला रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि माता प्रसाद पांडेय जी, आप वरिष्ठ हैं। आपको अनावश्यक रूप से मोहरा बनाकर कुछ लोग आपके कंधे पर बंदूक रखकर निशाना साध रहे हैं। आपको ऐसा होने नहीं देना चाहिए। उन्होंने गोरखपुर के विरासत कॉरिडोर के मुद्दे पर सपा की राजनीति को नकारात्मक

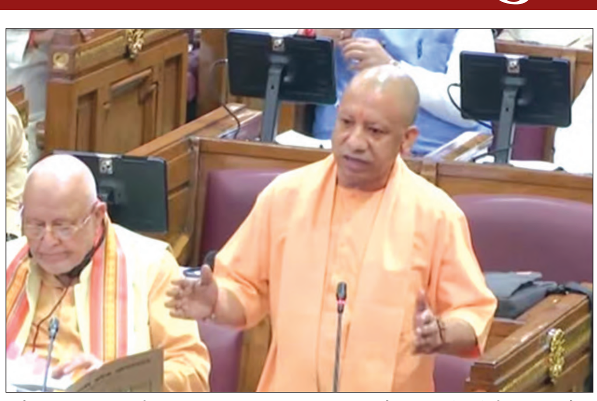

और विकास विरोधी करार दिया। सीएम योगी ने गोरखपुर के विरासत कॉरिडोर के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि यह कॉरिडोर गोरखपुर के सबसे पुराने बाजार, घंटाघर और गीताप्रेस जैसे ऐतिहासिक स्थानों को जोड़ने का काम करेगा। सीएम योगी ने कहा कि उन्होंने नेता प्रतिपक्ष से तीन दिन पहले गोरखपुर विरासत कॉरिडोर का निरीक्षण किया था। वहां के एक-एक व्यापारी से बात की। यह गोरखपुर का सबसे पुराना बाजार है, जहां कंजेशन और अवैध कब्जे की समस्या थी। हमने सड़क निर्माण और कंजेशन दूर करने का काम शुरू किया है। सीएम योगी ने बताया कि उन्होंने व्यापारियों को मुआवजा देने का आश्वासन दिया है। सरकार सुनिश्चित करेगी कि विकास कार्यों के दौरान किसी का नुकसान न हो।

उन्होंने सपा पर आरोप लगाया कि उनके कार्यकाल में इस क्षेत्र में कोई विकास कार्य नहीं हुआ। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सपा के समय में मासूम बच्चे हर साल इन्सेफेलाइटिस से मरते थे। हर साल 700 से 1500 बच्चों की मौत इन्सेफलाइटिस से होती थी। नेता प्रतिपक्ष के विधानसभा क्षेत्र और सिद्धार्थनगर जनपद में सैकड़ों बच्चे मरते थे, लेकिन आपने कुछ नहीं किया। स्वास्थ्य, शिक्षा और विकास आपका एजेंडा कभी नहीं रहा। सीएम ने कहा कि गोरखपुर के व्यापारियों ने माता प्रसाद पांडेय के दौरे का विरोध किया था, क्योंकि सपा के कार्यकाल में व्यापारियों को भय और गुंडा टैक्स का सामना करना पड़ा था। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी व्यापारी सपा के कार्यकाल में हुए शोषण को नहीं भूले हैं। व्यापारी इसलिए आशंकित और आक्रोशित थे कि आप बिना बुलाए वहां गए और उनके विकास कार्यों में बाधा डालने की कोशिश की। सीएम योगी ने आगे कहा कि व्यापारियों ने आपका सम्मान पूर्वक विरोध किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सपा से सुरक्षा और विकास की उम्मीद नहीं की जा सकती।

सीएम योगी ने संभल में सपा सरकार के दौरान हुए नग्न तांडव का जिक्र करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार वहां शुद्धिकरण अभियान चला रही है। उन्होंने कहा कि सपा ने संभल में जो नकारात्मकता फैलाई, आज हम उसे सुधार रहे हैं। लेकिन सपा अपनी पुरानी आदतों से बाज नहीं आती और विकास को अवरुद्ध करने की कोशिश करती है।

सीएम योगी ने सपा पर विकास विरोधी होने का आरोप लगाते हुए कहा कि चाहे संभल हो, बहराइच हो या गोरखपुर, सपा हर जगह नकारात्मक राजनीति करती है। उन्होंने कहा कि भाजपा और एनडीए की सरकार विकास कराना चाहती है, लेकिन सपा को यह बुरा लगता है।

अब यूपी के 67.50 लाख बुजुर्गों को मिलेगी वृद्धावस्था पेंशन

लखनऊ, 12 अगस्त (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के 61 लाख गरीब बुजुर्गों को वृद्धा पेंशन देने के अपने वादे को वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही में ही पूरा कर लिया है। अब योगी सरकार चालू वित्तीय वर्ष में 67.50 लाख पात्र बुजुर्गों तक पेंशन की राशि पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इससे पहले बीते वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही में ही योगी सरकार ने अपने लक्ष्य के अनुरूप 56 लाख गरीब बुजुर्गों के खाते में 1000 रुपए प्रतिमाह की दर से पेंशन की राशि देकर उनका आर्थिक सहायता कर चुकी है।

योगी सरकार ने समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित वर्ष 2025-26 में वृद्धावस्था पेंशन योजना में पेंशनरों का लक्ष्य 61 लाख निर्धारित किया था, जिसे पहले ही वित्तीय वर्ष में प्राप्त कर आगे का नया लक्ष्य तय किया है। इस महत्वपूर्ण फैसले से योगी सरकार ने प्रदेश के बुजुर्गों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत किया है। साथ ही सिंगल नोडल एकाउंट प्रणाली ने पेंशन की प्रक्रिया को डिजिटल और पारदर्शी बनाया है, जहां पेंशन सीधे आधार-लिंक्ड खातों में जाती है, बिना किसी मध्यस्थ के। इससे सरकारी धन का सदुपयोग सुनिश्चित होता है और लाभार्थी बिना देरी के लाभ पाते हैं। सिंगल नोडल एकाउंट प्रणाली का इस्तेमाल न केवल वितरण को तेज करता है, बल्कि ऑडिट और ट्रैकिंग को आसान बनाता है। इससे भ्रष्टाचार पर अंकुश लगता है और हर पैसे का हिसाब रखा जाता है।

वृद्धावस्था पेंशन योजना योगी सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों का प्रमुख हिस्सा है, जो बुजुर्गों को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने पर केंद्रित है। इस योजना के तहत 60 वर्ष से अधिक उम्र के आर्थिक रूप से कमजोर वृद्धजनों को प्रतिमाह 1,000 रुपए की पेंशन प्रदान की जाती है, जिससे उनके जीवन के अंतिम वर्षों में वित्तीय परेशानियां कम होती हैं। योगी सरकार ने इस योजना को शुरू से ही प्राथमिकता दी है। 2017 में जब योजना का विस्तार शुरू हुआ, तब लाभार्थियों की संख्या 37.47 लाख थी, जो आज 67.50 लाख के लक्ष्य तक पहुंच गई है। यह वृद्धि सरकार की सक्रियता का नतीजा है, जहां विकासखंड और ग्राम पंचायत स्तर पर पात्र बुजुर्गों को चिह्नित किया गया। मुख्यमंत्री के निर्देश पर यदि तय लक्ष्य से अधिक पात्र मिलते हैं, तो उन्हें भी योजना में शामिल किया जाता है।

इस योजना के तहत पिछले कुछ वर्षों में लाभार्थियों की संख्या में लगातार वृद्धि देखी गई है। वर्ष 2018-19 में 40,71,580 वृद्धजनों को इस योजना का लाभ मिला, जिसमें 187913.10 लाख की धनराशि खर्च की गई। 2019-20 में यह संख्या बढ़कर 47,99,480 हो गई और 269774.45 लाख का व्यय हुआ। 2020-21 में 51,24,155 लाभार्थियों को 369449.13 लाख की पेंशन मिली। 2021-22 में 51,92,779 वृद्धजनों को 427790.56 लाख की पेंशन दी गई। 2022-23 में यह संख्या 54,97,237 तक पहुंच गई, और इस पर कुल 608374.50 लाख खर्च हुए। 2023-24 में 55,68,590 वृद्धजनों को इस योजना का लाभ मिला है और इस पर कुल 646434.06 लाख की धनराशि खर्च हो चुकी है।

15 अगस्त को नन्हें सपनों को नई उड़ान देगी योगी सरकार

3000 से अधिक बालवाटिकाएं सक्रिय की जाएंगी

लखनऊ, 12 अगस्त (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश 15 अगस्त को प्रारंभिक शिक्षा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज करने जा रहा है। इस दिन प्रदेश की 3000 से अधिक नव-संचालित बालवाटिकाएं एक साथ पूरी तरह क्रियाशील हो जाएंगी। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर इन नव-संचालित बालवाटिकाओं में स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी और अभिभावक शामिल होकर बच्चों का उत्साहवर्धन करेंगे। कार्यक्रमों में बालवाटिका के महत्व, प्रारंभिक शिक्षा के लाभ और सरकार की योजनाओं पर भी प्रकाश डाला जाएगा। योगी सरकार का यह कदम शिक्षा की मजबूत नींव रखेगा ही, आने वाली पीढ़ी को रचनात्मक, आत्मविश्वासी और जिम्मेदार नागरिक बनाने में भी मील का पत्थर साबित होगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा को संपूर्ण शिक्षा यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण आधार माना गया है। इसी दृष्टि से योगी सरकार ने सभी सह-स्थित आंगनवाड़ी केन्द्रों को

बालवाटिका में रूपांतरित करने का निर्णय लिया है। जीवन के पहले आठ वर्ष बच्चों के मस्तिष्क विकास और सीखने की क्षमता के लिए निर्णायक होते हैं और यह बालवाटिकाएं बच्चों को भाषा, संज्ञानात्मक, सामाजिक और रचनात्मक कौशल में सक्षम बनाएंगी। कम नामांकन वाले विद्यालयों को निकटवर्ती विद्यालयों के साथ जोड़कर संसाधनों का समेकन किया गया है। इसके बाद रंगाई-पुताई, सौंदर्यीकरण, बाल-अनुकूल कक्षाओं, प्रिंट-रिच वातावरण और शिक्षण सामग्री की व्यवस्था कर इन विद्यालयों में बालवाटिका संचालन शुरू करने का निर्णय लिया गया है।

स्कूल शिक्षा महानिदेशक कंचन वर्मा ने कहा कि बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा बच्चों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए गतिविधि-आधारित किट (वंडर बॉक्स), लर्निंग कॉर्नर, आउटडोर खेल सामग्री, बाल-हितैषी फर्नीचर एवं स्टेशनरी जैसी सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की गई हैं। साथ ही ईसीसीई शिक्षक, शिक्षामित्र एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया है, ताकि 3 से 6 वर्ष के बच्चों को स्कूल रेडी बनाया जा सके और उनके पोषण पर पूरा ध्यान रखा जा सके। प्रदेश के बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने कहा, हमारी सरकार, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रारंभिक शिक्षा को सबसे उच्च प्राथमिकता दे रही है। बालवाटिका के माध्यम से हम बच्चों के सर्वांगीण विकास और पोषण पर विशेष ध्यान दे रहे हैं, ताकि वे भविष्य के सशक्त, आत्मविश्वासी और जिम्मेदार नागरिक बन सकें। 15 अगस्त को प्रदेश की 3000 से अधिक बालवाटिकाओं को पूरी तरह क्रियाशील कर, हम बच्चों को शिक्षा का मजबूत आधार देने की दिशा में एक बड़ा कदम उठा रहे हैं।

सपा और कांग्रेस की नीति है फूट डालो, हुकूमत करो

दंगामुक्त प्रदेश इन्हें बर्दाश्त नहीं हो रहा : ब्रजेश पाठक

लखनऊ, 12 अगस्त (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने सपा नेता अखिलेश यादव पर भ्रामक और समाज को बांटने वाले बयान देने का आरोप लगाते हुए कहा कि सपा और कांग्रेस की फूट डालो, हुकूमत करो की नीति ने दशकों तक देश और प्रदेश को धर्म, जाति, क्षेत्र और भाषा के नाम पर विभाजित किया है। उन्होंने कहा कि अखिलेश अपने बयानों के जरिए केवल राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे प्रदेश का माहौल खराब हो सकता है।

डिप्टी सीएम ने कहा कि भाजपा कभी भी नफरत फैलाने की राजनीति नहीं करती। भाजपा सरकार का विजन तुष्टिकरण किसी का नहीं, बल्कि संतुष्टिकरण का है। भाजपा सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूलमंत्र के साथ प्रदेश के हित में लोक कल्याणकारी नीतियां लागू कर रही है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा सरकार के साढ़े आठ साल के शासन में दंगों को पूरी तरह नियंत्रित किया गया है, जो सपा को सहन नहीं हो रहा। उन्होंने कहा कि

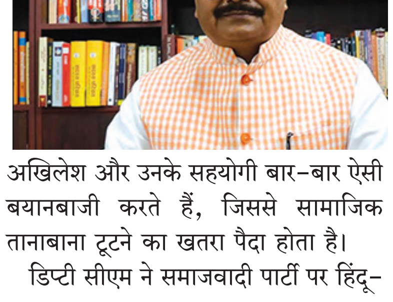

अखिलेश और उनके सहयोगी बार-बार ऐसी बयानबाजी करते हैं, जिससे सामाजिक तानाबाना टूटने का खतरा पैदा होता है।

डिप्टी सीएम ने समाजवादी पार्टी पर हिंदू-मुस्लिम विवाद को बढ़ावा देकर वोट बैंक मजबूत करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अखिलेश जैसे नेता अफवाहें फैलाकर अशांति पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि भाजपा समाज को जोड़ने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भाजपा का लक्ष्य हर हाल में कानून का राज स्थापित करना और सुशासन को बढ़ावा देना है। डिप्टी सीएम ने भाजपा सरकार की शिक्षा के क्षेत्र में उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि प्रदेश में शिक्षा का पुनर्जागरण हुआ है। उन्होंने बताया कि इस साल के स्कूल चलो अभियान में 27 लाख से ज्यादा नए बच्चों का नामांकन हुआ है। ऑपरेशन कायाकल्प के तहत 11,500 करोड़ के निवेश से 96 प्रतिशत स्कूलों में पेयजल, टॉयलेट, बिजली, ब्लैकबोर्ड, फर्नीचर और क्लासरूम मरम्मत जैसी 19 बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इसके अलावा, अटल आवासीय विद्यालय योजना के तहत सभी 18 मंडलों में विद्यालय शुरू हो चुके हैं, जहां 18,000 से ज्यादा श्रमिक और अनाथ बच्चों को मुफ्त आवासीय शिक्षा, खेल, लैब और स्किल ट्रेनिंग प्रदान की जा रही है। ब्रजेश पाठक ने सपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सपा राज में शिक्षा का पतन हुआ था। उन्होंने 2015 के अखबारों का हवाला देते हुए दावा किया कि सपा सरकार के दौरान 3.45 करोड़ बच्चे स्कूल से वंचित थे। इसके विपरीत, भाजपा सरकार शिक्षा को मजबूत करने के लिए लगातार निवेश कर रही है और स्कूलों को आधुनिक बना रही है।

संपादकीय

सेना प्रमुखों के खुलासे

भारतीय वायुसेना के एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह ने खुलासा किया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान हमने पाकिस्तान के 5 लड़ाकू विमान और एक बड़ा विमान मार गिराए थे। उन्हें करीब 300 किमी. की दूरी से निशाना बनाया गया। यह भारत द्वारा सतह से हवा में मार गिराने का सबसे बड़ा रिकॉर्ड है। हमारी सेना ने कमोबेश 2 कमांड एवं कंट्रोल केंद्रों और 6 रडार को भी नष्ट किया था। ये मुरीद और चकलाला में स्थित थे। जैकबाबाद एयरबेस पर हमला कर एफ-16 हैंगर और जो विमान अंदर मौजूद थे, उन्हें भी नष्ट किया। रनवे को तोड़ दिया गया। सुक्कूर में यूएवी हैंगर को भी नष्ट किया। भोलारी में एयरबोर्न अर्ली वार्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम को भी तबाह किया। हमारे पास 5 लड़ाकू विमान मार गिराने के पुख्ता सबूत हैं। एयर चीफ मार्शल ने यह भी खुलासा किया कि विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर वायुसेना ने पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र पर हमला करने का फैसला लिया, लिहाजा हवाई अड्डे और मुख्य भवन पर भी हमला किया गया। इन भवनों में ही योजनाएं बनती हैं और उनका इस्तेमाल कभी-कभी सिविल टर्मिनल भवन के रूप में भी किया जाता था। वायुसेना प्रमुख एपी सिंह और थलसेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने ऑपरेशन की सफलता का श्रेय सरकार की स्पष्ट राजनीतिक इच्छाशक्ति को दिया। सेना को खुली छूट दी गई कि समय और जगह के मद्देनजर हमला वे ही तय करें। हम तीनों सेना प्रमुखों ने मिल कर रणनीति तय की। यदि कोई सीमाएं थीं, तो वे हमारी खुद की बनाई हुई थीं। वायुसेना प्रमुख के बाद थलसेना प्रमुख जनरल द्विवेदी ने चेतावनी के तौर पर आगाह किया कि अगला युद्ध जल्द ही हो सकता है। हमें तैयार रहना होगा। यह सिर्फ सेना की ही लड़ाई नहीं होगी, बल्कि पूरे देश को मिल कर लडना होगा। जनरल ने यह भी बताया कि इस समय दुनिया में 56 संघर्ष चल रहे हैं, जिनमें 92 देश शामिल हैं। युद्ध सामान्य तौर पर नहीं होगा, बल्कि दुश्मन एक से अधिक होंगे। बहरहाल 'ऑपरेशन सिंदूर' पर तीन लंबे महीनों के बाद ऐसे बयान चौंकाते हैं। संसद सत्र अभी जारी है। इस मुद्दे पर सदन में लंबी बहस हो चुकी है, जिसका आगाज रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किया था। उन्होंने 56 मिनट के भाषण में लगभग यही ब्योरे संसद के सामने रखे थे, जो अब वायुसेना चीफ मार्शल ने सार्वजनिक रूप से रखे हैं। सदन में गृहमंत्री अमित शाह ने भी इस मुद्दे पर लंबा वक्तव्य दिया था, हालांकि उनका फोकस आतंकवाद पर था। प्रधानमंत्री मोदी ने 102 मिनट के लंबे भाषण में आतंकियों के अड्डे मिट्टी में मिलाने, 100 से अधिक आतंकियों को ढेर करने, पाकिस्तान के एयरबेस को तबाह करने और पाकिस्तान द्वारा भारत पर करीब 1000 मिसाइल और ड्रोन के हमले करने की कोशिशें और उन्हें हवा में ही चूर-चूर करने के खुलासे किए थे। तो फिर वायुसेना प्रमुख के इन खुलासों का औचित्य क्या है? हम न तो सेना को अपमानित कर रहे हैं, न सवाल कर रहे हैं और न ही आलोचना कर रहे हैं। सेना देश के लिए सम्मानित और गौरवमय है, लेकिन कुछ जिज्ञासाएं हैं, क्योंकि भारत में सेना प्रमुखों के ऐसे खुलासों की परंपरा नहीं है। युद्ध के दौरान भी प्रवक्ता के तौर पर डीजीएमओ ही ब्रीफ करते हैं। युद्धविराम के तीन माह बाद अचानक ही कोई सेना प्रमुख संघर्ष के खुलासे नहीं करता। शीर्ष राजनीतिक नेतृत्व के आदेश के बिना सेना प्रमुख ऐसे खुलासे नहीं कर सकते, हम अनुभव के आधार पर कह रहे हैं। जो भी बोला जाना है, वह प्रधानमंत्री कहें अथवा रक्षा मंत्री कहें। क्योंकि अभी संसद सत्र जारी है। संसद के बाहर इतने महत्वपूर्ण खुलासे किए जाते हैं, तो वह संसद का अपमान भी है, क्योंकि हमारे देश में संसद ही सुप्रीम है।

'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान हमने पाकिस्तान के 5 लड़ाकू विमान और एक बड़ा विमान मार गिराए थे। उन्हें करीब 300 किमी. की दूरी से निशाना बनाया गया। यह भारत द्वारा सतह से हवा में मार गिराने का सबसे बड़ा रिकॉर्ड है। हमारी सेना ने कमोबेश 2 कमांड एवं कंट्रोल केंद्रों और 6 रडार को भी नष्ट किया था। ये मुरीद और चकलाला में स्थित थे। जैकबाबाद एयरबेस पर हमला कर एफ-16 हैंगर और जो विमान अंदर मौजूद थे, उन्हें भी नष्ट किया। रनवे को तोड़ दिया गया। सुक्कूर में यूएवी हैंगर को भी नष्ट किया। भोलारी में एयरबोर्न अर्ली वार्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम को भी तबाह किया। हमारे पास 5 लड़ाकू विमान मार गिराने के पुख्ता सबूत हैं। एयर चीफ मार्शल ने यह भी खुलासा किया कि विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर वायुसेना ने पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र पर हमला करने का फैसला लिया, लिहाजा हवाई अड्डे और मुख्य भवन पर भी हमला किया गया। इन भवनों में ही योजनाएं बनती हैं और उनका इस्तेमाल कभी-कभी सिविल टर्मिनल भवन के रूप में भी किया जाता था। वायुसेना प्रमुख एपी सिंह और थलसेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने ऑपरेशन की सफलता का श्रेय सरकार की स्पष्ट राजनीतिक इच्छाशक्ति को दिया।

भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए प्रधानमंत्री ने पारदर्शी और समावेशी ऑनलाइन मार्केट की अवधारणा प्रस्तुत की थी

सार्वजनिक मार्केट प्लेस की पारदर्शी दशक यात्रा

उमेश चतुर्वेदी

नौ अगस्त की तारीख हमारे इतिहास में अगस्त क्रांति के लिए प्रसिद्ध है। भारत से अंग्रेजी राज को उखाड़ फेंकने वाले निर्णायक 'भारत छोड़ो आंदोलन' की शुरूआत इसी दिन हुई। यह तारीख इतिहास में एक और वजह से भी महत्वपूर्ण बन गई है। इसी दिन साल 2016 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सार्वजनिक और सरकारी खरीद में पारदर्शिता की शुरूआत के लिए सरकारी मार्केट प्लेस यानी बाजार की शुरूआत जीईएम यानी गवर्नमेंट इलेक्ट्रॉनिक मार्केट प्लेस शुरू किया। जीईएम का मूल मंत्र है, पारदर्शी, समावेशी और कुशल शासन की आधारशिला। इस ऑनलाइन सार्वजनिक और पारदर्शी बाजार ने नौ साल की आधिकारिक यात्रा पूरी कर ली है और एक दशक की यात्रा के लिए आगे बढ़ चुका है। प्रधानमंत्री बनते ही नरेंद्र मोदी ने एक नारा दिया था, 'न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन'। इसके सीईओ मिहिर कुमार कहते हैं कि जीईएम प्रधानमंत्री के इसी दृष्टिकोण को साकार कर रहा है। मिहिर कुमार के अनुसार, सिर्फ नौ साल की ही अवधि में यह पोर्टल देश का सबसे भरोसेमंद डिजिटल खरीद मंच बन गया है। पिछले कुछ वर्षों में इस पोर्टल पर महिला उद्यमियों, स्टार्टअप्स, मध्यम और लघु उद्योग, शिल्पकारों, स्थानीय कारीगरों और दिव्यांगजनों समेत पूरे देश के विक्रेताओं और सेवाप्रदाताओं के सशक्तीकरण में प्रमुख भूमिका निभा रहा है। इस पोर्टल या ऑनलाइन बाजार पर विक्रेताओं के लिए जमानती राशि रखने का प्रावधान है। लेकिन अब इस प्रावधान को खत्म कर दिया गया है। मिहिर कुमार के अनुसार, इसकी वजह से विशेषकर छोटे निर्माताओं और कारोबारियों को ज्यादा फायदा होना है। सार्वजनिक और सरकारी खरीद में भ्रष्टाचार के आरोप लगते रहे हैं। इसी भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए प्रधानमंत्री ने पारदर्शी और समावेशी ऑनलाइन मार्केट की अवधारणा प्रस्तुत की थी। जीईएम उसी अवधारणा का विस्तार है। इसके कामकाज शुरू करने के बाद केंद्र सरकार के सभी दफ्तरों के लिए इसी पोर्टल के जरिए खरीद अनिवार्य कर दिया गया। अब जीईएम प्रबंधन का जोर राज्य सरकारों की खरीद को भी इसी के जरिए जरूरी बनाने पर है। अपने दसवें साल में राज्यों पर फोकस करने की दिशा में जीईएम प्रबंधन ने तैयारी की है। जीईएम को उम्मीद है कि उनके जरिए हो रही सार्वजनिक खरीद में जिस तरह सार्वजनिक क्षेत्र को बचत हो रही है, उसकी वजह से राज्य सरकारें भी इसकी ओर आकर्षित होंगी। वैसे राज्यों की ओर से इसके जरिए खरीद होने भी लगी है।

प्रधानमंत्री बनते ही नरेंद्र मोदी ने एक नारा दिया था, 'न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन'। इसके सीईओ मिहिर कुमार कहते हैं कि जीईएम प्रधानमंत्री के इसी दृष्टिकोण को साकार कर रहा है। मिहिर कुमार के अनुसार, सिर्फ नौ साल की ही अवधि में यह पोर्टल देश का सबसे भरोसेमंद डिजिटल खरीद मंच बन गया है। पिछले कुछ वर्षों में इस पोर्टल पर महिला उद्यमियों, स्टार्टअप्स, मध्यम और लघु उद्योग, शिल्पकारों, स्थानीय कारीगरों और दिव्यांगजनों समेत पूरे देश के विक्रेताओं और सेवाप्रदाताओं के सशक्तीकरण में प्रमुख भूमिका निभा रहा है।

हालांकि उसकी मात्रा अभी कम है। जीईएम के जरिए होने वाली खरीद में अब तक एनटीपीसी को जहां करीब दो हजार करोड़ की बचत हुई है, वहीं बैंक ऑफ बड़ोदा को 34 करोड़। इसी तरह भारतीय नौसेना ने भी पंद्रह करोड़ की बचत की है। जीईएम के अधिकारी तो इसे स्वीकार नहीं करते, लेकिन जाहिर है कि यह बचत जहां खरीद में घपले की कमी से हुई है, वहीं सार्वजनिक मार्केट प्लेस पर उपलब्ध ढेरों और गुणवत्तापूर्ण सामानों में मूल्यों को लेकर हुई प्रतिद्वंद्विता की वजह से हुई है। जीईएम के सीईओ मिहिर कुमार के अनुसार, इस ऑनलाइन मार्केट प्लेस ने सिर्फ खुद के दम पर साल 2024-25 में 5.4 लाख करोड़ रुपये के सकल व्यापारिक मूल्य सार्वजनिक खरीद को न केवल सुव्यवस्थित किया है, बल्कि शासन में पहुंच, समानता और सशक्तीकरण को फिर से पारिभाषित किया है। जीईएम ने अपने स्थापना के दसवें वर्ष का सूत्र वाक्य, सुगमता, पहुंच और समावेशन विषयों पर केन्द्रित किया है। मिहिर कुमार का कहना है कि उसका यह सूत्र वाक्य सार्वजनिक खरीद को अधिक सुलभ और न्यायसंगत बनाने की दिशा में उनके संगठन की प्रतिबद्धता और पारदर्शी कामकाज को प्रदर्शित करता है। मिहिर कुमार यह भी कहते हैं कि वैसे तो ऑनलाइन खरीद के कई पोर्टल हैं। लेकिन वे सभी कारोबारी पोर्टल हैं, जबकि जीईएम मार्केट प्लेस है। वह खुद कारोबार नहीं करता, बल्कि पारदर्शी कारोबार का मंच उपलब्ध कराता है। जिसमें खरीददार और विक्रेता, दोनों का फायदा है। जीईएम की कामयाबी ही कही जाएगी कि इसके जरिए अब तक तीन करोड़ से ज्यादा खरीदादारी हो चुकी है। जिनके जरिए 4.81 लाख करोड़ की खरीददारी हुई है। इस मार्केट प्लेस पर मौजूदा वित्त वर्ष में 11हजार से ज्यादा प्रोडक्ट, 344 से ज्यादा सर्विस श्रेणी, 20 लाख से ज्यादा ऑर्डर मिल चुके हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि इस पोर्टल पर सबकुछ ऑटोमेशन में सॉफ्टवेयर संचालित है, कोई मैनुअल हस्तक्षेप नहीं है। हालांकि जीईएम के अधिकारी मानते हैं कि इसमें और सुधार की गुंजाइश है और वह लगातार होती रहेगी। ताकि खरीद-बिक्री में पारदर्शिता बरकरार रहे। यह ठीक है कि अब विक्रेताओं के लिए जमानती राशि की व्यवस्था खत्म कर दी गई है। इसके साथ ही जीईएम ने कई और सुधार शुरू किये हैं। इसमें विक्रेता के मूल्यांकन शुल्क को तार्किक बनाना और लेनदेन शुल्क में उल्लेखनीय कमी करना भी सामिल है। वेंडर चार्ज भी पहले की तुलना में 68 प्रतिशत से लेकर 92 प्रतिशत तक कम किए जा चुके हैं। इन सबकी वजह से यहां मिलने वाले 97 प्रतिशत ऑर्डरों को छूट मिल गई है। मिहिर कुमार कहते हैं कि उनकी कोशिश, विक्रेताओं को सशक्त बनाना, मध्यम और लघु उद्योगो बढ़ावा देने की है। इस दिशा में पहली बार विक्रेताओं और छोटे उद्यमों के लिए मजबूत सहायता द्वारा समर्थन दिया जा रहा है। जीईएम की कोशिश ना सिर्फ बड़े, बल्कि दूर-दराज के इलाकों में स्थित कारीगरों, निर्माताओं, उद्यमियों और कारोबारियों को समावेशी मंच उपलब्ध कराना भी है। जीईएम के अधिकारी कहते हैं कि उनका ध्यान यह सुनिश्चित करने पर है कि आदिवासी कारीगरों से लेकर तकनीक-संचालित स्टार्टअप तक हर उद्यम तक सार्वजनिक खरीद के अवसरों आसानी से पहुंच सकें। इस दिशा में इसके दिल्ली मुख्यालय में छह अगस्त को जीईएम विक्रेता संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में जीईएम के मंच पर देश के हर वर्ग के उद्यमियों, कारोबारियों और निर्माताओं को साथ लाने की कोशिश हुई। कागज रहित, वास्तविक समय के लेन-देन को सक्षम बनाने से लेकर स्वास्थ्य, खनन और बीमा में करोड़ों रुपये के अनुबंधों को सुगम बनाने तक, जीईएम ने नीति निर्माण और जमीनी स्तर की भागीदारी के बीच की खाई को पाटने की सफल कोशिश की है। दसवें वर्ष में दाखिल होते हुए इसके अधिकारियों ने अनूठी शपथ ली है। उनका कहना है कि वे सार्वजनिक खरीद को नागरिक-केंद्रित, डेटा-संचालित और समावेशी पारिस्थितिकी तंत्र में बदलने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हालांकि सार्वजनिक खरीद में इन विशेषताओं के बावजूद कुछ अतिरिक्त की चाहत रखने वाले भ्रष्टाचारी तत्व अब भी कुछ ना कुछ राह निकाल लेते हैं। जिस पर काबू पाने के लिए जीईएम के इंजीनियर लगातार सक्रिय रहते हैं। फिर भी उम्मीद की जानी चाहिए कि अपने एक दशक की यात्रा में यह सार्वजनिक ऑनलाइन बाजार पारदर्शिता की नई मिसाल कायम करेगा।

देश | दुनिया से

सरकार की दृढ़ता और राष्ट्रीय हितों की रक्षा

अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय आयातों पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने वाले एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं, जिससे कुल टैरिफ अब 50 प्रतिशत हो गया है। राष्ट्रपति ट्रंप का यह कहना है कि यह कदम भारत द्वारा रूसी तेल की निरंतर खरीद के जवाब में उठाया गया है। इसके साथ ही भारत अमरीका के सबसे अधिक कर वाले व्यापारिक साझेदारों में से एक बन गया है। अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ 27 अगस्त, 2025 से प्रभावी होगा। इस वृद्धि से अमरीका को 40 अरब डॉलर से ज्यादा मूल्य के भारतीय निर्यात प्रभावित होंगे, जिनमें ऑटो पाट्र्स, कपड़ा और परिधान, इलेक्ट्रॉनिक्स, इस्पात और रसायन, आभूषण और समुद्री खाद्य आदि शामिल हैं। कुछ क्षेत्रों को टैरिफ वृद्धि से छूट भी दी गई है, जिनमें शामिल हैं, फार्मास्युटिकल्स, तैयार इलेक्ट्रॉनिक्स, जैसे स्मार्टफोन और लैपटॉप, सेमीकंडक्टर, ऊर्जा उत्पाद जैसे तेल, गैस और एलएनजी, तांबा इत्यादि। यदि अमरीकी टैरिफ प्रभाव डालेंगे भी, तब भी अमरीका को भारत का निर्यात अधिकतम 5.7 अरब डॉलर ही गिरेगा। लेकिन आर्थिक विश्लेषकों का मानना है कि 2022 और 2024 के बीच भारत को रूस से तेल आयात करके 33 अरब डॉलर का फायदा हुआ। यानी यदि नफा नुकसान देखें तो भारत को रूस से तेल आयात से इतना फायदा है कि उसे अमरीकी टैरिफ की परवाह करने की जरूरत नहीं। इस बीच ट्रंप ने चीन सहित रूसी तेल खरीदने वाले अन्य देशों पर संभावित 'द्वितीयक प्रतिबंध' लगाने का भी संकेत दिया है। समझना होगा कि अमरीका का टैरिफ बढ़ाने का निर्णय डब्लूटीओ के नियमों का सीधा-सीधा उल्लंघन है। इससे पहले जुलाई 30, 2025 को राष्ट्रपति ट्रंप ने रूस के साथ भारत के व्यापारिक संबंधों का हवाला देते हुए, 25 प्रतिशत टैरिफ के अलावा, अनिर्दिष्ट 'दंड' लगाने की भी घोषणा की थी। उन्होंने यह कहा कि भारत रूस से प्रतिरक्षा हथियार और कच्चा तेल खरीद रहा है, इसलिए उसे दंड के रूप में ज्यादा टैरिफ का सामना करना पड़ेगा। वास्तविकता यह है कि भारत स्वाभाविक रूप से रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए रक्षा उपकरण खरीदने और जहां से भी कच्चा तेल मिले, उसे सबसे सस्ते दामों पर खरीदने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि घरेलू मुद्रास्फीति पर नियंत्रण बना रहे। इस बीच भारत सरकार की प्रतिक्रिया से स्पष्ट है कि अगर अमरीका सोचता है कि वह इस तरह की धमकियां देकर हमारे देश को दबा सकता है, तो उसे अपनी रणनीति में बदलाव करने की जरूरत है। आज का भारत एक दशक पहले जैसा भारत नहीं है। हम हथियार उत्पादन में एक वैश्विक शक्ति के रूप में उभर रहे हैं, हमने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुनिया को दिखा दिया है कि हम सामरिक दृष्टि से आत्मनिर्भर हैं। अमरीका को समझना होगा कि विश्व अब एकधुरवीय नहीं रह गया है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि अमरीका ने ऐसे समय में एक रणनीतिक साझेदार के खिलाफ दंडात्मक कदम उठाने का फैसला किया है जब अमरीका समेत पूरी दुनिया को चीन द्वारा व्यापार और वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं के हथियारीकरण से उत्पन्न कहीं अधिक बड़ी चुनौती का सामूहिक रूप से जवाब देने की जरूरत है। दुर्लभ मृदा निर्यात पर बीजिंग के प्रतिबंधों ने दुनिया भर में विनिर्माण क्षमताओं को खतरे में डाल दिया है। यही समय है कि अमरीका और भारत वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देकर इस समस्या का समाधान करने के लिए हाथ मिलाएं। भारत सरकार वास्तव में बधाई की पात्र है कि भारत-अमरीका मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) वार्ता के दौरान दबाव के बावजूद दृढ़ता से खड़ी है। पारस्परिक शुल्कों की धमकियों और 9 जुलाई और 31 जुलाई की समय सीमा चूक जाने के बावजूद, भारतीय वार्ताकारों ने आनुवंशिक रूप से संशोधित (जीएम) कृषि उत्पादो, डेयरी आयात और अन्य संवेदनशील क्षेत्रों के लिए हमारे बाजारों को जबरन खोलने के प्रयासों का सही ढंग से विरोध किया है। यह उल्लेखनीय है कि अमरीका दुनिया भर के देशों पर (डब्लयूटीओ के नियमों के विरुद्ध) दबाव बना रहा है कि वे अपने-अपने देशों में अमरीका से आने वाले सामानों पर शुल्क कम करें। हाल के दिनों में, जब राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा पारस्परिक टैरिफ लगाए जाने के बाद, भारत-अमरीका व्यापार वार्ता में तेजी आई थी और रिपोट्र्स में तेज गति से बातचीत के संकेत मिल रहे थे, ट्रंप का यह बयान कि भारत के साथ अभी भी कोई समझौता नहीं हुआ है, इस बात का प्रमाण है कि भारत अमरीका के दबाव का सफलतापूर्वक सामना कर रहा है। भारत-अमरीका मुक्त व्यापार समझौते पर 2017 से ही चर्चा चल रही है। लेकिन अभी तक यह समझौता सिरे नहीं चढ़ पाया है, यहां तक कि सीमित स्तर पर भी नहीं। कई बार यह समझौता लगभग तय लग रहा था, लेकिन अचानक कुछ रुकावटें आ गईं और बातचीत ठंडे बस्ते में चली गई। आखिरी बार ऐसा 2020 में हुआ था। मीडिया में खबरें आ रही थीं कि भारत-अमरीका मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर होने वाले हैं, लेकिन तब भी भारत ने दबाव का विरोध किया और संयुक्त राज्य अमरीका के व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) को अपना भारत दौरा रद्द करना पड़ा। मौजूदा वार्ताओं में अमरीका मांग कर रहा है कि भारत उसकी जीएम फसलों के लिए बाजार पहुंच दे, चिकित्सा उपकरणों पर नियमों में ढील दी जाए और डेटा के मुक्त प्रवाह की अनुमति दी जाए। वास्तविकता यह है कि भारत अपने किसानों और कृषि सुरक्षा के मद्देनजर जीएम के आयात की अनुमति नहीं दे सकता और न ही अपने चिकित्सा उपकरण उद्योग के विरुद्ध अमरीका की नियमों में ढील को स्वीकार कर सकता है। संवेदनशील डेटा संप्रभु देश के नियंत्रण में ही रहना चाहिए, जो हमारे दीर्घकालिक राष्ट्रीय हित के साथ जुड़ा हुआ है। भारत ने इस्पात, ऑटोमोबाइल और दवा शुल्कों से छूट की वैध मांग की है और डेटा स्थानीयकरण की अपनी नीति का बचाव किया है। हमें समझना होगा कि व्यापार समझौता हो या न हो, अमरीका को भारतीय निर्यात पारस्परिक आर्थिक लाभ के आधार पर जारी रहेगा ही। हमें ऐसी रियायतों से बचना चाहिए जो हमारे किसानों, लघु उद्योगों या दीर्घकालिक आर्थिक आत्मनिर्भरता को कमजोर करती हैं। हाल के वर्षों के अनुभव से पता चला है कि भारत अपने मूल हितों से समझौता किए बिना, वैश्विक व्यापार पैटर्न में बदलाव का लाभ उठा सकता है, जिसमें अमरीका-चीन तनाव के कारण उत्पन्न परिवर्तन भी शामिल हैं।

आप का | नजरिया

इन दो महीनों के लिए

बरसात के ये महीने कैसे गुजारें, दरकते लम्हों से खुद को कैसे निकालें। खबरों की खबर यह है कि हिमाचल के हर रास्ते पर कहर है और विकास की हर मेहनत पर सुराख है। आपदा के नुकसान को चेहरे पर ओढ़े ये दो-ढाई महीने, अपने कठघरों में सजा देते हैं। यहां फेल क्या हो रहा है और उस विकास का क्या हो रहा जो हर सत्ता को मिशन रिपीट के चश्मे से देखता है। सूचियों में दो महीनों ने कई सरकारी आश्रय कंगाल कर दिए। असुरक्षित भवनों की श्रृंखला में कितने स्कूल, पंचायत घर और इमारतों के कबूतरखाने दिखाई दे रहे हैं। क्या आपदा के इन महीनों से सीखकर नीतियां अपने कान पकड़ेंगी। क्या नसीहतों में यह प्रदेश पर्यावरण सुरक्षा का मुजरिम बनता रहेगा या आने वाले खतरों के संदेश हमारी कसौटियां बदल देंगे। पहाड़ में साल के समय का व्यय हम कैसे करते हैं, यह सोचना पड़ेगा। विकास के लिए कितने महीने मिलते हैं और विकराल मौसम के कितने दिन कारावास में गुजरते हैं। ऐसे में क्या सरकारी मशीनरी को एक जैसी सुविधा साल भर मिल सकती है। हमने प्रदेश के कई बंटवारे कर लिए और इनमें सबसे ऊपर है सियासी आबंटन। यही सियासी आबंटन बजट और योजनाओं के करिश्मे में अपनी मिट्टी-अपनी जमीन खोजता रहता है। नई शब्दावली की ईदगाहें बनाई जाती हैं और नई रोशनी में विकास के दीप जलाए जाते हैं। जलशक्ति विभाग के उच्चतम मानदंड भी देखें तो जिस प्रदेश में पानी खूब बरस रहा है, वहां राजधानी समेत कई शहर प्यासे हैं। यह इसलिए क्योंकि जलशक्ति ने अपने कार्य को बारह महीनों में एक जैसा देखा, जबकि दो-ढाई महीनों की रंजिश में विकास के हर पैमाने को बदलना होगा। होना तो यह चाहिए कि हमारी योजनाओं का मंथन बरसात की फकीरी के साथ हो। हमारे कमोबेश सारे विभाग बरसात के पीछे छिप कर अपनी नालायकी छुपा लेते हैं। हम वर्षों से स्कूलों में यह तय नहीं कर पा रहे कि वहां ठंड का प्रकोप ज्यादा है या बरसात का कहर खतरनाक है। स्कूल शिक्षा विभाग की असमर्थता में मौसम भी शरमा जाए, लेकिन एक ही प्रदेश की कसरतें, शिक्षा के पीरियड को मौसम से नहीं बचा पा रही है। पीडब्ल्यूडी महकमा सडक़ को बरसात से अगर नहीं बचा सकता तो हमारे विकास को केवल साल के नुकसान में पढ़ लेना चाहिए। हर साल कितना विकास जाया होता है, तो इसे बचाने को नई निगाह चाहिए। हम नुकसान का एक बड़ा आंकड़ा तो सामने ले आते हैं, लेकिन कुछ बदलाव भी तो कर सकते हैं। बरसाती महीनों का कहर अगर पर्यावरण की खामियों में ही खोजना है, तो ये बारिश और बादल हिमाचल की देन नहीं। दूसरी ओर विकास अगर हिमाचली सरकारों की देन है, तो विनाश से बचने के लिए हमने क्या किया। अब तो हर साल बरसात के दौरान बचाव कार्यों की रूपरेखा में ऐसे इंतजाम और अधोसंरचना का भी सोचना होगा, जो पूरे प्रदेश में उपलब्ध हो। आपदा प्रबंधन के प्रशासनिक नजरिए को और व्यावहारिक बनाने के लिए हर गांव से शहर तक खुले मैदानों की व्यवस्था करनी होगी। सामुदायिक मैदानों का विकास किसी भी आपदा के समय आश्रय स्थल की भूमिका के अलावा प्रदेश के भूमि बैंक का एक नजरिया हो सकता। इन दो महीनों के लिए हर विभाग की अपनी एक राहत योजना होनी चाहिए, लेकिन एक विभाग जो हमारी आपदाओं में भी प्रदेश और जनता से अलग बना रहता है, उस वन एवं पर्यावरण संरक्षण विभाग को भी तो सामने आना होगा। पर्यावरण संरक्षण की दीवारों या वन भूमि की बाड़बंदी के बीच से निकलते नए नाले, पानी के बहाव का रुख मोड़ते तथा जंगल प्रबंधन की शून्यता के दुष्परिणामों से आहत जनता के लिए उसकी राहत क्या है। हमने तो जमीन को वन भूमि बना दिया, लेकिन बरसात के जख्मों के बीच पर्यावरण की वचनबद्धता की जवाबदेही भी तो तय हो। जो विभाग जंगलों में गिरे पेड़ों, सडक़ों में अड़े दरख्तों और बस्तियों के दामन में टूटते पेड़ों से हमें नहीं बचा सकता, वहां संरक्षण के मायने आखिर हैं क्या। इस विभाग का चरित्र, दायित्व और नाम बदलकर इसे मानव एवं वन तथा पर्यावरण संरक्षण महकमा बना देना चाहिए। पर्वतीय राज्यों के नुकसान की भरपाई क्यों न वनभूमि की जिम्मेदारी बने।

विकास के लिए कितने महीने मिलते हैं और विकराल मौसम के कितने दिन कारावास में गुजरते हैं। ऐसे में क्या सरकारी मशीनरी को एक जैसी सुविधा साल भर मिल सकती है। हमने प्रदेश के कई बंटवारे कर लिए और इनमें सबसे ऊपर है सियासी आबंटन। यही सियासी आबंटन बजट और योजनाओं के करिश्मे में अपनी मिट्टी-अपनी जमीन खोजता रहता है। नई शब्दावली की ईदगाहें बनाई जाती हैं और नई रोशनी में विकास के दीप जलाए जाते हैं।

अमृत | कलश

अन्नमय ज्ञान

श्वेतकेतु उद्दालक ऋषि का पुत्र था। वेदान्ती होने के नाते वह वेदान्त का अच्छा ज्ञाता था। वेद शास्त्री और ज्ञानी होकर वह अहंकार करने लगा। उसका अभिमान तोड़ने के लिए उसके पिता उद्दालक ने उसे कहा, 'पुत्र, पन्द्रह-सत्रह दिन तक उपवास रखो। इसके उपरान्त में तुम्हें समस्त ज्ञान का मूलमंत्र दूंगा।' श्वेतकेतु ने अपने पिता की आज्ञा का अक्षरशः पालन किया और दो सप्ताह तक निराहार रहे। सोलहवें दिन उद्दालक ने बुलाकर कहा, 'पुत्र, अब मुझे ऋग्वेद, सामवेद और यजुर्वेद के कुछ मंत्र सुनाओ।' पन्द्रह दिन निराहार रहने के कारण श्वेतकेतु इतना कमजोर हो गया कि उसे एक भी मंत्र याद नहीं रहा। फिर उसके पिता ने कहा, 'घर जाओ, अपना व्रत तोड़ो और भोजन से तृप्त होकर दो-चार दिन बाद मेरे पास आओ।' श्वेतकेतु ने वैसा ही किया। भूख शांत होते ही उसके स्मृति-कपाट खुल गए और उसने पिता के पास आकर मंत्र बोलने शुरू कर दिए। तब, ऋषि उद्दालक ने कहा, 'अन्न का करिश्मा देखा, वत्स! हमारा मन अन्नमय है, अन्न के अभाव में उसकी गति लोप हो जाती है। ज्ञान पर गर्व करने से पहले अन्न जुटाने का प्रयोजन करना ही पहला मूल मंत्र है।'

दृष्टि | कोण

देश में जरूरी सद्भाव की सोच का सम्मान

ऐसा कम ही होता है कि कोई खेल प्रतियोगिता जिंदगी भर याद रखने योग्य आयोजन में बदल जाए, और एक ऐसी प्रासंगिकता और संदर्भ प्रदान कर दे जो जनता का मनोरंजन करने में उत्कृष्टता पाने के मूल उद्देश्य से परे निकल जाए। जॉर्ज ऑरवेल की सारगर्भित लेकिन गहन टिप्पणी : 'बिना गोलीबारी का युद्ध' अब एक घिसी-पिटी सूक्ति बन चुकी है, जिसका उपयोग तब किया जाता है जब प्रतिस्पर्धी दो देशों के बीच तनातनी हो और जिसमें तथाकथित 'राष्ट्रीय गौरव' दांव पर लगा हो। यदि हम आपको एक ऐसे युद्धक्षेत्र में नहीं हरा सकते, जिसमें हर तरफ खून-खराबा हो, तो ऐसी लड़ाई में हराना चाहेंगे जो आपकी शारीरिक क्षमताओं को चुनौती देने के लिए डिज़ाइन किए गए औजारों और उस खेल के विशिष्ट कौशल प्रशिक्षण के दम पर लड़ी जाएगी। खेल और युद्ध के बीच इस काफी जायज एवं विचारोत्तेजक समरूपता की खोज करते वक्त, हम खेल के एक अन्य बहुत बुनियादी पहलू को भूल जाते हैं। वो यह कि एक टीम के रूप में काम करने के लिए, वह जो जीत का लक्ष्य सफलतापूर्वक प्राप्त कर ले, आपको निजी कौशल के साथ-साथ टीम भावना की भी उतनी ही आवश्यकता होती है, बार-बार दोहराया जाने वाला यह शब्द वास्तव में जीत और हार के बीच अंतर बना देता है। सामंजस्य, सद्भाव, एकजुटता और एक इकाई के रूप में खेलना, ये शब्द उस कट्टर संशयवादी को गूढ़ लग सकते हैं, जो एक ऐसी दुनिया में रमा हुआ है, जिसको वह केवल अपनी, अपनी संस्कृति और धर्म के लिए ही बनी मानता है। हालांकि, वास्तविक दुनिया में, चाहे वह खेल का मैदान हो या जीवन को कोई भी क्षेत्र, हमारा वजूद इसलिए है क्योंकि हम साथ-साथ रहते हैं और एक-दूजे पर किसी पहचान विशेष का चिन्ह देखकर नहीं, बल्कि इंसान के तौर पर निर्भर हैं। एकजुटता, सामंजस्य और

सद्भाव की इस भावना को क्रिकेट जैसे खेल से ज्यादा बेहतर और कोई नहीं दर्शाता, और यह हमें हालिया भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज़ में देखने को मिली, जो खेल जगत का अस्तित्व कायम रहने तक याद रखी जाएगी। गोलीबारी विहीन इस 'युद्ध' में, जहां ऋषभ पंत पैर में फ्रैक्चर के बावजूद बल्लेबाजी करने उतरे वहीं क्रिस वोक्स ने स्वेटर के तले अपने उतरे हुए कंधे को बांधकर, एक हाथ में बल्ला पकड़कर खेलने की हिम्मत दिखाई। कहा जाए तो, यह दोनों अपनी-अपनी टीमों के लिए मर-मिटने को तैयार थे। अत्यधिक शारीरिक दमखम की मांग करने वाली इस 25 दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता में, एक शख्स, मोहम्मद सिराज, अपनी अद्भुत ऊर्जा, सहनशक्ति, लचीलेपन, दृढ़ संकल्प, आत्मविश्वास, अद्भुत कौशल एवं अपनी खेल कला पर नियंत्रण की वजह से सबसे अलग नज़र आए। जब भी भारत को स्थिति पर काबू बनाने की ज़रूरत होती, वह मौजूद थे। जब भी भारत को विकेटों की ज़रूरत होती, वह मौजूद थे। जब भी भारत को किसी जादू की ज़रूरत होती, वह मौजूद थे। तेज़ गेंदबाज़ी करने के लिए ताकत चाहिए होती है। और इस गति पर गेंद को स्विंग करने के लिए कौशल। लाइन और लेंथ पर नियंत्रण बनाए रखने के लिए सालों-साल के अभ्यास की ज़रूरत होती है। और इन 25 दिनों में, जब आपके साथी ड्रेसिंग रूम में अपना-अपना शरीर संभालने को मजबूर थे, कुछ की हड्डियां चटखी पड़ी हों और कुछ की मांसपेशियों में खिंचाव हो, तब सिराज 'वन मैन आर्मी' की तरह खड़े रहे, अपनी पीठ और अपने विरोधियों की इच्छाशक्ति को झुकाते हुए। दो श्रृंखलाओं को परिभाषित करने वाली छवियों का केंद्र बिंदु बनने के लिए कुछ असाधारण और अलग होना ज़रूरी है - एक निराशा भरी और दूसरी उत्साहजनक खुशी से लबरेज़। लॉर्ड्स के मैदान का वह दृश्य जब आउट होने के बाद सिराज घुटनों के बल बैठे हुए, नज़रें ज़मीन पर गड़ी हुई, हाथ में बल्ला, चेहरे पर मायूसी, और पीछे विकेट पर से गिल्ली उड़ी हुई। यह हार विनाशकारी थी और सिराज का वह अक्स इसका एक प्रतीक बना।

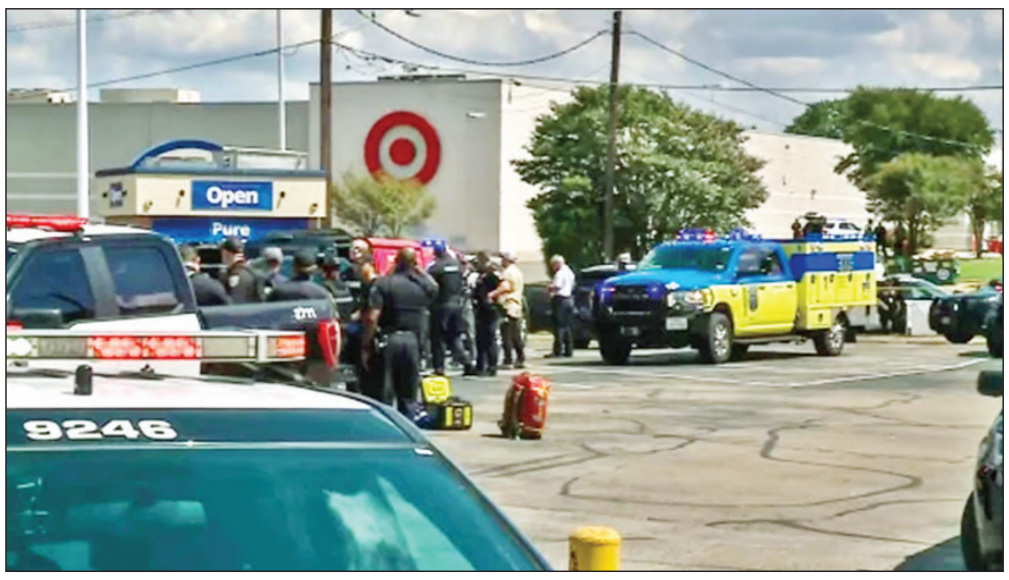

अमेरिका के टेक्सास में टारगेट कंपनी के स्टोर के बाहर गोलीबारी, 3 लोगों की मौत

वाशिंगटन,12 अगस्त (एजेंसियां)।
संयुक्त राज्य अमेरिका के दूसरे सबसे राज्य टेक्सास के ऑस्टिन में सोमवार दोपहर टारगेट कंपनी के स्टोर के बाहर हुई गोलीबारी में एक बच्चे समेत तीन लोगों की मौत हो गई। इस गोलीबारी में एक अन्य व्यक्ति मामूली रूप से घायल हो गया। पुलिस ने संदिग्ध आरोपित को भागने के बाद एक स्थान पर गिरफ्तार लिया। यह जानकारी ऑस्टिन पुलिस ने दी।

खबर के अनुसार, ऑस्टिन की पुलिस प्रमुख लिसा डेविस ने बताया कि पुलिस को दोपहर 2:15 बजे गोलीबारी की सूचना मिली। पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। अधिकारियों को स्टोर की पार्किंग में तीन लोग लहूलुहान मिले। डेविस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए संदिग्ध हत्यारे की उम्र करीब 32 वर्ष है।

उन्होंने बताया कि संदिग्ध खूनखराबा करने के बाद पार्किंग से किसी की कार चुराकर भाग गया। भागने की जल्दबाजी में वह दुर्घटना का शिकार हो गया। तब उसने दूसरी कार पर हाथ साफ किया और रफूचक्कर होने की कोशिश की। पीछा कर रही पुलिस ने उसे दबोच लिया। पुलिस प्रमुख ने कहा, ऑस्टिन के लिए दुखद दिन है।

पुलिस प्रमुख ने बताया कि पार्किंग में लहूलुहान मिले एक वयस्क और एक बच्चे को घटनास्थल पर ही मृत घोषित कर दिया गया। लहूलुहान मिले दूसरे वयस्क को अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल ने उसे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि संदिग्ध पहचान फिलहाल उजागर नहीं की जा रही। वह मानसिक अवसाद में है। उसके गोलीबारी के पीछे के मकसद की जांच की जा रही है।

ऑस्टिन की पुलिस प्रमुख लिसा डेविस ने बताया कि तीन दिन पहले एक 30 वर्षीय व्यक्ति ने रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र के अटलांटा मुख्यालय पर गोलीबारी की थी। इस गोलीबारी में एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गई थी। हमलावर बंदूकधारी ने इसके बाद आत्महत्या कर ली। पिछले महीने न्यूयॉर्क में एक बंदूकधारी ने मिडटाउन मैनहट्टन कार्यालय की इमारत में घुसकर चार लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी थी।

न्यूज ब्रीफ

ब्राजील-अमेरिका मीटिंग टैरिफ विवाद के चलते रद्द

साओ पाउलो। ब्राजील के वित्त मंत्री फर्नांडो हादाद ने सोमवार को बताया कि अमेरिका के वित्त सचिव स्कॉट बेसेंट के साथ होने वाली उनकी वर्चुअल बैठक रद्द कर दी गई है। यह बैठक बुधवार को निर्धारित थी, जिसका उद्देश्य अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन द्वारा ब्राजील के कई उत्पादों पर लगाए गए 50 प्रतिशत शुल्क पर बातचीत करना था। हादाद ने ग्लोबोन्यूज़ टीवी से कहा कि बैठक के लिए नया समय तय नहीं हुआ है, जबकि ब्राज़ील ने पुनर्निर्धारण का अनुरोध किया था। उन्होंने अफसोस जताया कि अमेरिका के साथ टैरिफ पर बातचीत के लिए ब्राजील को मेज पर बैठने का मौका भी नहीं मिला। उन्होंने वॉशिंगटन में मौजूद कुछ छद्म-ब्राजीलियाई लॉबिस्टों की आलोचना की, जो उनके मुताबिक अपने ही देश के खिलाफ काम कर रहे हैं। टैरिफ बढ़ोतरी को ट्रंप प्रशासन ने ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति और उनके दक्षिणपंथी सहयोगी जाइर बोल्सोनारो के खिलाफ चल रहे मुकदमे से जोड़ा है। बोल्सोनारो पर 2022 के चुनावी हार के बाद कथित तख्तापलट की कोशिश के आरोप हैं। उनके बेटे और सांसद एडुआर्डो बोल्सोनारो मार्च से अमेरिका में रहकर इस मामले में जिम्मेदार लोगों पर प्रतिबंध लगाने के लिए अभियान चला रहे हैं। वित्त मंत्री हादाद ने कहा कि ब्राजील को अन्य बाजारों, खासतौर पर दक्षिण-पूर्व एशिया में, अधिक आक्रामक तरीके से अवसर तलाशने होंगे। उन्होंने मर्कोसुर और यूरोपीय संघ के बीच व्यापार समझौते पर जल्द प्रगति की आवश्यकता भी जताई। हादाद के अनुसार, सरकार जल्द ही एक कार्यकारी आदेश जारी करेगी, जिसमें अमेरिकी टैरिफ के असर को कम करने के लिए कदम शामिल होंगे। इस पैकेज में निर्यात गारंटी कोष (एफजीई) के माध्यम से निर्यात गारंटी तंत्र में संरचनात्मक सुधार, कुछ सरकारी खरीद और ऋण उपाय भी शामिल होंगे। यह बहुआयामी प्रतिक्रिया लगभग 10,000 प्रभावित कंपनियों के लिए तैयार की जाएगी, क्योंकि इस समस्या का कोई एकल समाधान संभव नहीं है।

अब बिलावल की धमकी कहा- भारत ने डैम बनाया तो होगी जंग, नदियों पर करेंगे कब्जा

कराची। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने गीदड़भभकी दी है कि अगर भारत ने सिंधु नदी पर बांध बनाया तो दोनों देशों के बीच जंग होगी। बिलावल की यह धमकी पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर की ताजा भारत के खिलाफ परमाणु धमकी के एक दिन बाद, आई है। जरदारी ने कहा है कि अगर नई दिल्ली सिंधु जल संधि में बदलाव के साथ आगे बढ़ती है तो हालात युद्ध तक पहुंच सकते हैं। सिंध सरकार के संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए बिलावल भुट्टो ने दावा किया कि सिंधु नदी के पानी को पाकिस्तान से दूर मोड़ना देश के इतिहास, संस्कृति और सभ्यता खासकर सिंध पर हमला है। बिलावल ने कहा, अगर भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सिंधु नदी पर हमले की घोषणा करते हैं, तो वे हमारे इतिहास, हमारी संस्कृति और हमारी सभ्यता पर हमला करते हैं। बिलावल ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सिंधु नदी पर जल परियोजना की घोषणा पाकिस्तान के लिए एक चेतावनी के समान है क्योंकि इससे पाकिस्तान की जल आपूर्ति में कटौती हो सकती है।

बेंजामिन नेतन्याहू ने बताया, कैसे जल्द खत्म होगी इजरायल-हमास में जंग

तेल अवीव। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हमास द्वारा हथियार डालने से इनकार करने के कारण, इजरायल के पास काम पूरा करने और हमास को पूरी तरह से पराजित करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि इजरायली सेना का गाजा के 70-75 प्रतिशत हिस्से पर पहले से ही नियंत्रण है। इस सैन्य कार्रवाई को लेकर अंतरराष्ट्रीय समुदाय, खासकर इजरायल के कुछ करीबी पश्चिमी सहयोगियों की तरफ से भारी आलोचना हुई है, जिसमें मानवीय संकट की आशंका जताई गई है। नेतन्याहू ने इस आलोचना को 'झूठा प्रचार' बताते हुए खारिज कर दिया। नेतन्याहू ने अपनी सरकार की उस योजना का बचाव किया, जिसमें गाजा सिटी पर पूर्ण सैन्य नियंत्रण लेने की बात कही गई है। उन्होंने इसे 'युद्ध को खत्म करने का सबसे तेज और असरदार तरीका' बताया। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में नेतन्याहू ने कहा कि हमास द्वारा हथियार डालने से लगातार इनकार करने के कारण इजरायल के पास अपने सैन्य अभियान को आगे बढ़ाने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल हमास को तेजी से हराने के लिए नहीं है, बल्कि नागरिकों को कम से कम नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि इजरायल की सेना गाजा के नागरिकों को सुरक्षित क्षेत्रों में जाने का रास्ता देगी, जहां उन्हें भोजन, पानी और स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

वाशिंगटन पुलिस पर फिलहाल राष्ट्रपति ट्रंप का नियंत्रण, कहा-जरूरत पड़ी तो सेना भी तैनात होगी

वाशिंगटन,12 अगस्त (एजेंसियां)।
संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप ने सोमवार को कहा कि जरूरत पड़ने पर राजधानी वाशिंगटन डीसी में सेना को भी तैनात करने से पीछे नहीं हटेंगे। राजधानी को हर हाल में अपराध मुक्त बनाया जाएगा। राष्ट्रपति ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह घोषणा करते हुए वाशिंगटन पुलिस को अपने नियंत्रण में लेने का आदेश दिया।

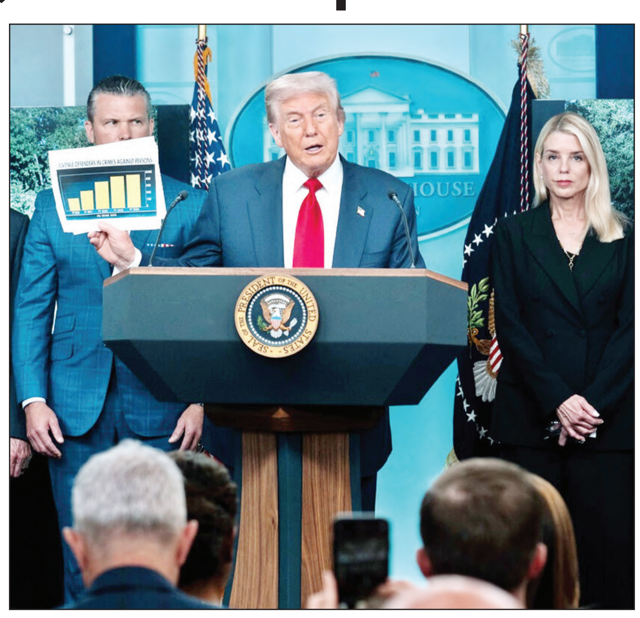

खबर के अनुसार, वह वाशिंगटन पुलिस बल अस्थायी रूप से अपने नियंत्रण में ले रहे हैं। साथ ही अमेरिकी राजधानी में अपराध से लड़ने के लिए 800 नेशनल गार्ड के सैनिकों को तैनात कर रहे हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस में राष्ट्रपति ने वाशिंगटन शहर की भयावह तस्वीर पेश की। उन्होंने कहा कि राजधानी में खून के प्यासे अपराधियों और उग्र युवाओं की आवारा भीड़ का कब्जा हो गया है। वह जरूरत पड़ने पर वाशिंगटन में सेना भेजने के लिए तैयार हैं। वाशिंगटन के अटॉर्नी जनरल ने ट्रंप की इस घोषणा की आलोचना करते हुए उसे अभूतपूर्व, अनावश्यक और गैरकानूनी बताया। ट्रंप की प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कुछ प्रदर्शनकारी व्हाइट हाउस के पास जमा हो गए। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने कहा कि पुलिस विभाग पर संघीय नियंत्रण 30 दिन तक चलने की उम्मीद है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में ट्रंप के रक्षा सचिव और देश के शीर्ष कानून प्रवर्तन अधिकारी भी थे। ट्रंप ने देश के पर्यटकों से आग्रह किया कि वे व्हाइट हाउस या एयर एंड स्पेस म्यूजियम देखने की अपनी यात्रा के दौरान हत्याओं और कार चोरी की भयावह कहानियों से विचलित न हों। जल्द ही राजधानी बिलकुल सुरक्षित होगी। ट्रंप की घोषणा के बाद वाशिंगटन की मेयर म्यूरियल बोसर ने भी प्रेस कॉन्फ्रेंस आहूत की। उन्होंने कहा कि ट्रंप की घोषणा परेशान करने वाली है। उन्होंने विवशता जाहिर करते हुए कहा कि वह इसे रोकने के लिए कुछ नहीं कर सकतीं। 1973 का होम रूल एक्ट शहर को अपनी स्थानीय सरकार चुनने का अधिकार देता है, लेकिन राष्ट्रपति को स्थानीय कानून प्रवर्तन पर नियंत्रण स्थापित करने के लिए 30 दिनों के लिए आपातकाल की घोषणा करने की भी अनुमति देता है। उन्होंने कहा, इसमें कहा गया है कि मेयर इन अनुरोधों का पालन करेंगे। राष्ट्रपति ट्रंप की घोषणा के बाद 88 वर्षीय प्रतिनिधि एलेनोर होम्स नॉर्टन ने एक बयान जारी कर उनके इस कदम को डी.सी. के गृह शासन पर ऐतिहासिक हमला बताया।

अमेरिका ने पाकिस्तानी बलूच अलगाववादी संगठन बलूच लिबरेशन आर्मी को आतंकी घोषित किया

वॉशिंगटन। अमेरिका ने पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में सक्रिय अलगाववादी संगठन बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) को विदेशी आतंकी संगठन घोषित कर दिया है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने सोमवार को यह जानकारी दी। बीएलए को लंबे समय से अफगानिस्तान और ईरान से सटे, खनिज संपदा से भरपूर बलूचिस्तान क्षेत्र में सक्रिय सबसे प्रभावशाली उग्रवादी गुट माना जाता है। यह इलाका चीन के निवेश वाले ग्वादर गहरे समुद्री बंदरगाह और अन्य परियोजनाओं के कारण रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के अनुसार, हाल ही में बीएलए ने मार्च में क्वेटा से पेशावर जा रही पाकिस्तानी 'जाफर एक्सप्रेस' ट्रेन को हाईजैक करने की जिम्मेदारी ली थी। इस घटना में 31 नागरिकों और सुरक्षा बलों के जवानों की मौत हुई थी, जबकि 300 से अधिक यात्री बंधक बना लिए गए थे। विदेशी आतंकी संगठन घोषित होने के बाद इस समूह को वित्तीय सहायता और किसी भी प्रकार की मदद प्रदान करना अमेरिकी कानून के तहत प्रतिबंधित हो गया है।

बलूचिस्तान में पाकिस्तान की सेना पर हमला, छह सैनिक मारे गए

इस्लामाबाद,12 अगस्त (एजेंसियां)।
पाकिस्तान के बलूचिस्तान के ग्वादर शहर में रविवार रात एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) विस्फोट में पाकिस्तान की सेना के छह सैनिक मारे गए। आईईडी हमला ग्वादर शहर के न्यू टाउन इलाके में हुआ। अज्ञात हमलावरों ने पाकिस्तान की सेना की टुकड़ी में शामिल एक वाहन को निशाना बनाया। स्थानीय सूत्रों ने बताया कि विस्फोट में वाहन पूरी तरह से नष्ट हो गया और सोमवार सुबह करीब 10 बजे घटनास्थल से अवशेष हटा दिए गए।

घटना का विवरण जारी करते हुए खबर में कहा कि पाकिस्तान के अधिकारियों ने इस हमले पर कोई बयान जारी नहीं किया है, जबकि सुरक्षा बलों ने हमले के बाद से इलाके की घेराबंदी कर रखी है। उधर, केच जिले के मांड इलाके में हथियारबंद लोगों ने माहीर और सोरो में सैन्य शिविरों पर एक साथ हमला किया। स्थानीय सूत्रों ने बताया कि इस दौरान भारी गोलीबारी और एक साथ कई विस्फोट हुए।

इससे पहले अवारन के झाओ इलाके में हथियारबंद लोगों ने मुख्य सड़क पर स्थित एक लेवीज चौकी पर हमला कब्जा कर लिया। इस दौरान कर्मचारियों के सभी हथियार छीन लिए और चौकी को आग के हवाले कर दिया। पास के झाओ नौंद्रा में एक और पाकिस्तानी सैन्य चौकी पर हमला हुआ, जहां हमलावरों ने कथित तौर पर हमले के दौरान एक क्वाडकॉप्टर को मार गिराया।

वाशुक जिले के बसिमा में सोमवार रात केंद्रीय सैन्य शिविर के पास आधे घंटे से अधिक समय तक लगातार गोलीबारी और विस्फोट की आवाज सुनाई दी। आसपास के निवासियों ने बताया कि लगातार 14 से ज्यादा विस्फोट की आवाज सुनाई दी। हताहतों की संख्या अभी स्पष्ट नहीं है।

खुज़दार जिले के जेहरी इलाके के बुलबुल, तरासानी और गजान में सैन्य अभियान जारी है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, अभियान के दौरान कई जगहों पर हथियारबंद लोगों और पाकिस्तान की सेना के बीच झड़पें हुईं। इस दौरान सैन्य हेलीकॉप्टर इलाके के ऊपर से उड़ान भरते रहे।

उत्तर-पश्चिमी तुर्किए में भीषण जंगल की आग, सैकड़ों लोग सुरक्षित स्थानों पर भेजे गए

इस्तांबुल। तुर्किए के उत्तर-पश्चिमी प्रांत चनक्कले के मध्य भाग में भड़की जंगल की आग को काबू करने के लिए दमकलकर्मी लगातार प्रयास कर रहे हैं। तेज़ हवा के कारण आग तेजी से फैल रही है, जिसके चलते सैकड़ों लोगों को एहतियातन सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है। प्रांतीय गवर्नर ओमर तोरामन ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म 'एक्स' पर बताया कि आग बुझाने में हवाई जहाज़, हेलीकॉप्टर, दर्जनों वाहन और लगभग 700 कर्मी जुटे हैं। प्रभावित इलाकों में एक विश्वविद्यालय परिसर, सैन्य क्षेत्र और कई आवासीय क्षेत्रों को खाली कराया गया है। स्थानीय प्रशासन ने लोगों से गैर-जरूरी यात्रा से बचने और आपातकालीन वाहनों के लिए सड़कों को खाली रखने की अपील की है। आग की वजह से शहर का हवाई अड्डा, दारदानेल्स जलडमरूमध्य और राजमार्ग का एक हिस्सा अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया। स्थानीय टीवी फुटेज में पहाड़ियों पर घना धुआं उठता दिखाई दिया, जबकि अनादोलु समाचार एजेंसी के वीडियो में पानी की बौछार करने वाले पुलिस वाहन, आवासीय भवनों तक फैली आग को बुझाते नज़र आए। तुर्किए के मौसम विभाग के अनुसार, क्षेत्र में तापमान 33 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है और हवा की रफ्तार 66 किलोमीटर प्रति घंटा दर्ज की गई। गवर्नर के मुताबिक, लगभग 50 लोग धुएं के असर से प्रभावित हुए हैं और उनका नज़दीकी स्वास्थ्य केंद्रों में उपचार किया गया है, हालांकि किसी की हालत गंभीर नहीं है।

अमेरिकी इस्पात संयंत्र में विस्फोट दो लोगों की मौत, 10 घायल

वाशिंगटन,12 अगस्त (एजेंसियां)।
संयुक्त राज्य अमेरिका के पेन्सिलवेनिया राज्य के पिट्सबर्ग के दक्षिण में मोनोंघेला नदी के एक मोड़ पर स्थित अमेरिकी इस्पात संयंत्र (यूएस स्टील क्लेयरटन संयंत्र) में सोमवार सुबह हुए भीषण विस्फोट से दो लोगों की मौत हो गई और कम से कम 10 लोग घायल हो गए। इस संयंत्र का संचालन यूएस स्टील क्लेयरटन कोक वर्क्स के हाथ में है।

खबर के अनुसार, इस विस्फोट की सबसे पहले सूचना सुबह 11 बजे से कुछ पहले बचावकर्मियों को दी गई। सोमवार रात प्रेस कॉन्फ्रेंस में संयंत्र के अधिकारियों ने बताया कि मलबे से एकमात्र लापता कर्मचारी का शव निकाल लिया गया है। इससे पहले, सोमवार शाम प्रेस कॉन्फ्रेंस में यूएस स्टील क्लेयरटन संयंत्र के कार्यकारी उपाध्यक्ष और मुख्य विनिर्माण अधिकारी स्कॉट बकिसो ने इस विस्फोट में दो लोगों की मृत्यु की पुष्टि की। एलेघेनी काउंटी पुलिस ने कहा कि पहला विस्फोट काफी शक्तिशाली रहा। इस विस्फोट के बाद एक और धमका हुआ, मगर उससे ज्यादा क्षति नहीं हुई। मृतकों में एक की पहचान 39 वर्षीय टिमोथी क्विन के रूप में हुई है। दूसरे की पहचान सोमवार रात तक नहीं हो पाई। अधिकारियों ने बताया कि 10 लोगों को इलाज के लिए स्थानीय अस्पतालों में ले जाया गया। इनमें पांच लोगों की हालत गंभीर लेकिन स्थिर बताई गई है।

संयंत्र ने सोमवार दोपहर बयान जारी किया-सोमवार, 11 अगस्त को पूर्वी समयानुसार सुबह लगभग 11 बजे, यूएस स्टील के क्लेयरटन प्लांट में विशेष रूप से कोक ओवन बैटरी 13 और 14 में एक दुर्घटना घटी। आपातकालीन टीमों को तुरंत घटनास्थल पर भेजा गया। हम घटना के कारणों की जांच के लिए संबंधित अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। क्लेयरटन प्लांट में प्रतिदिन लगभग 1,300 पुरुष और महिलाएं काम करते हैं।

क्लेर्टन के मेयर रिचर्ड लतान्ज़ी ने कहा कि यह हम सबके लिए दुखद दिन है। इस बीच संयंत्र के अधिकारियों ने कहा कि क्लेयरटन संयंत्र देश का सबसे बड़ा कोक निर्माण संयंत्र है। कोक एक ईंधन है। इस ईंधन का उपयोग लौह अयस्क को पिघलाने के लिए किया जाता है। इसका उत्पादन कोक भट्टियों में कोयले को पकाकर किया जाता है। यह संयंत्र हर साल 40 लाख टन से ज्यादा कोक का उत्पादन करता है।

बाल यौन शोषण के आरोप में गिरफ्तार युवा पादरी से असेंबलीज ऑफ गॉड ने दूरी बनाई

वाशिंगटन,12 अगस्त (एजेंसियां)।
युवा पादरी थॉमस पिंकर्टन जूनियर उर्फ पादरी टॉमी की बाल शोषण के आरोप में गिरफ्तारी से पेंटेकोस्टल संप्रदाय के असेंबलीज ऑफ गॉड के अधिकारियों में हड़कंप मच गया है। पिंकर्टन की गिरफ्तारी ऐसे समय हुई है जब दुनिया का सबसे बड़ा पेंटेकोस्टल संप्रदाय बाल यौन शोषण के कई आरोपों से जूझ रहा है। इस संप्रदाय के संयुक्त राज्य अमेरिका के 13,000 चर्चों में लगभग 30 लाख सदस्य हैं। पादरी टॉमी की गिरफ्तारी होते ही असेंबलीज ऑफ गॉड के अधिकारियों ने उससे किनारा कर लिया है।

खबर के अनुसार, 52 वर्षीय थॉमस पिंकर्टन जूनियर ने बाल्टीमोर काउंटी के असेंबलीज ऑफ गॉड चर्च (सेंट्रल क्रिश्चियन चर्च) में काम करते हुए 2006 से 2010 तक छह किशोरों का यौन शोषण किया। पिछले बुधवार को उन्हें उनके गृह राज्य जॉर्जिया से मैरीलैंड प्रत्यर्पित किया गया। पिंकर्टन को अब बाल्टीमोर काउंटी में लगाए गए 24 गंभीर और अन्य आरोपों का सामना करना पड़ेगा। उनके वकील जस्टिन होलीमोन ने कहा कि उन्होंने खुद को निर्दोष बताया है।

गिरफ्तारी वारंट में आरोप लगाया गया है कि किशोरों के साथ कथित दुर्व्यवहार चर्च और मैरीलैंड स्थित पिंकर्टन के पूर्व घर में हुआ था। होलीमोन ने कहा कि पिछले सप्ताह एक न्यायाधीश ने पिंकर्टन को रिहा करने से इनकार कर दिया। इसलिए उन्होंने सोमवार सुबह पिंकर्टन की तरफ से जमानत याचिका दायर की है। असेंबलीज ऑफ गॉड के अधिकारियों ने कहा है कि पिंकर्टन असेंबलीज ऑफ गॉड चर्च में काम जरूर करते थे, लेकिन उन्हें कभी भी संप्रदाय के पादरी के रूप में औपचारिक रूप से मान्यता नहीं मिली। असेंबलीज ऑफ गॉड क्षेत्रीय कार्यालय के सचिव-कोषाध्यक्ष बेंजामिन रेनी जूनियर ने कहा, हमें इस रिपोर्ट के बारे में सुनकर बहुत दुख हुआ है और जब भी ऐसी रिपोर्टें सामने आती हैं, तो हम बेहद चिंतित होते हैं। उधर, मैरीलैंड स्थित पिंकर्टन के पूर्व चर्च ने सोमवार को कोई भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। पिछले सप्ताह अपनी वेबसाइट पर पोस्ट किए गए एक बयान में सेंट्रल क्रिश्चियन ने कहा कि पिंकर्टन 15 साल से भी अधिक समय तक स्टाफ में रहे। अब उनका चर्च से कोई संबंध नहीं है। सेंट्रल क्रिश्चियन के प्रमुख पादरी लैरी किर्क ने बयान में कहा, चर्च में दुर्व्यवहार के लिए कभी कोई जगह नहीं है। मैरीलैंड और जॉर्जिया के अधिकारियों ने बताया कि बाल्टीमोर काउंटी पुलिस ने जून के अंत में पिंकर्टन के लिए गिरफ्तारी वारंट हासिल किया था। जॉर्जिया के फोर्सिथ काउंटी शेरिफ कार्यालय ने बताया कि जुलाई में एक ट्रैफिक स्टॉप पर उसे गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद उसे पिछले हफ्ते मैरीलैंड प्रत्यर्पित कर दिया गया। पिंकर्टन केस की प्रारंभिक अदालती सुनवाई पांच सितंबर को निर्धारित है।

पॉकैट एफएम पर भारतीय महिला आइस हॉकी टीम की अद्भुत कहानी है साउंड ऑफ करेज

नई दिल्ली,11 अगस्त (एजेंसियां) ।

दुनिया का सबसे बड़ा ऑडियो सीरीज प्लेटफ़ॉर्म पॉकेट एफएम अपने लोकप्रिय कैंपेन 'इंडिया, कुछ अच्छा सुनो' के तहत भारतीय महिला आइस हॉकी टीम की ऐतिहासिक एशिया कप ब्रॉन्ज जीत को समर्पित ब्रांड फिल्म 'साउंड ऑफ करेज' लेकर आया है। यह सच्ची कहानी जज़्बे, विश्वास और सामाजिक बंदिशों को तोड़ने की मिसाल पेश करती है।

लद्दाख की जमी हुई झीलों से अंतरराष्ट्रीय पोडियम तक का सफर आसान नहीं था। परिवार की मर्ज़ी के खिलाफ जाना, समाज के ताने झेलना और मर्दों का खेल कहे जाने वाले आइस हॉकी में अपना स्थान बनाना मुश्किल था, लेकिन इन सबके बीच टीम ने कभी हार नहीं मानी। इन खिलाड़ियों ने एशिया कप में ऐतिहासिक कांस्य पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया। टीम की कप्तान त्सेवांग चुस्कित ने कहा, जीत, दृढ़ संकल्प से जन्म लेती है। हमारे सफर में कई शंकाएं थीं, लेकिन हमने अपने भीतर की आवाज़ सुनी और उस पर भरोसा किया। यही 'साउंड ऑफ करेज' का सार है — खुद पर विश्वास करने से सब कुछ बदल सकता है।

आइस हॉकी एसोसिएशन ऑफ इंडिया के महासचिव और आईआईएचएफ एशिया कमेटी के सदस्य हरजिंदर सिंह 'जिंदी' ने कहा, यह मेडल सिर्फ खेल की जीत नहीं है, बल्कि हौसले और सपनों की जीत है। हमने बाधाओं को तोड़ते हुए यह साबित किया कि जुनून की कोई सीमा नहीं होती।

पॉकेट एफएम के एसवीपी एवं हेड ऑफ ब्रांड मार्केटिंग, कम्युनिकेशन और पार्टनरशिप्स विनीत सिंह ने कहा, नकारात्मकता के दौर में हम ऐसी कहानियां सामने लाना चाहते हैं जो प्रेरणा दें। 'साउंड ऑफ करेज' हर उस व्यक्ति को सलाम है जिसने हालात के खिलाफ लड़ाई लड़ी है।

पद्मश्री मोरुप नामग्याल की आवाज़ से सजी यह फिल्म, केवल आइस हॉकी की कहानी नहीं, बल्कि हर उस भारतीय महिला का प्रतीक है, जिसने अपनी राह खुद चुनी। इसे पॉकेट एंटरटेनमेंट की इन-हाउस क्रिएटिव टीम ने कॉन्सेप्ट से प्रोडक्शन तक तैयार किया है और ब्लैक एंड वाइट फिल्म्स के सहयोग से निर्मित किया गया है।

न्यूज ब्रीफ

मैक्सवेल बना सकते हैं दो बड़े रिकार्ड

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के बचे मैचों में दो बड़े रिकार्ड अपने नाम कर सकते हैं। वह डेविड वॉर्नर की जगह सबसे ज्यादा कैच लेने वाले ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी बन सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से टी20 में सबसे ज्यादा कैच वार्नर ने लिए हैं। वॉर्नर ने 62 कैच लिए हैं। वहीं मैक्सवेल ने अब तक 122 मैचों में 61 कैच लिए हैं। अगर दक्षिण अफीका के खिलाफ सीरीज के शेष दो मैचों में मैक्सवेल दो कैच ले लेते हैं, तो ऑस्ट्रेलिया के लिए टी20 में सबसे ज्यादा कैच लेने वाले पहले ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी बन जाएंगे। वहीं मैक्सवेल ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में अब तक 145 छक्के लगाए हैं। अगर वह अगले 2 मैचों में पांच छक्के लगाते हैं तो ऑस्ट्रेलिया की ओर से अंतरराष्ट्रीय टी20 क्रिकेट में 150 छक्के लगाने वाले पहले खिलाड़ी बन जाएंगे। मैक्सवेल का टी20 करियर काफी अच्छा रहा है वह बल्लेबाजी, गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण तीनों में ही अपनी टीम के लिए योगदान देते हैं। मैक्सवेल ने 122 मैचों की 112 पारियों में अब तक 5 शतक और 11 अर्धशतक लगाते हुए 2,755 रन बनाए हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर 145 रन है। इसके अलावा उन्होंने 47 विकेट भी लिए हैं। ऑस्ट्रेलिया के लिए टी20 में सबसे ज्यादा रन डेविड वॉर्नर ने 3,277 रन बनाए हैं। वहीं दूसरे नंबर पर आरोन फिंच हैं उनके 3,120 हैं। वहीं मैक्सवेल तीसरे स्थान पर हैं।

सबालेंका ने राडुकानु को हराकर सिनसिनाटी ओपन जीता

ओहिओ। विश्व की नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका सिनसिनाटी ओपन टेनिस खिताब जीत लिया है। सबालेंका ने एक बेहद संघर्षपूर्ण मुकाबले में ब्रिटेन की एम्मा राडुकानु को महिला एकल के फाइनल में 7-6 , 4-6 , 7-6 से हराकर खिताब अपने नाम किया। इस मैच के पहले सेट में राडुकानु ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए पहले नौ अंक जीते पर खेल के आगे बढ़ने के साथ ही वह पिछड़ती रहीं। दूसरी ओर सबालेंका ने जबरदस्त वापसी करते हुए टाई-ब्रेक में पहला सेट 7-6 (3) से जीत लिया। दूसरे सेट में राडुकानु ने 4-6 से जीत के साथ वापसी की। वहीं तीसरा सेट बेहद कठिन था। दोनों ने सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाया। राडुकानु ने ताकतवर फोरहैंड और बैकहैंड का इस्तेमाल किया और सबालेंका के हमलों को रोका। वहीं सबालेंका ने भी मुकाबले में अपना दबाव बनाये रखा और टाई ब्रेकर में सेट 7-6 (5) से जीत लिया। जीत के बाद सबालेंका ने कहा, मैं इस कठिन मैच को जीतकर उत्साहित हूं। तीसरे सेट में जीत हासिल करने के लिए मुझे मुश्किल शॉट खेलने पड़े। मुझे उसके खिलाफ मुकाबले में आनंद आया। राडुकानु ने इस मैच में विजेता खिलाड़ी को कड़ी टक्कर दी।

वॉर्नर टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले पांचवे खिलाड़ी बने विराट से आगे निकले

मैनचेस्टर। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर डेविड वॉर्नर ने इंग्लैंड में जारी द हंड्रेड प्रतियोगिता के दौरान

ओरिजिनल्स के खिलाफ अपनी टीम लंदन स्पिरिट्स की ओर से अर्धशतक लगाकर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। अब वार्नर टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले पांचवे खिलाड़ी बन गये हैं। इसी के साथ ही ही उन्होंने भारत के विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया। अब 419 टी20 मैचों में वार्नर के 36.80 की औसत और 140 से अधिक के स्ट्राइक रेट से 13,545 रन हो गये हैं। जिसमें 8 शतक और 113 अर्द्धशतक शामिल हैं, और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 135 है। दूसरी ओर भारतीय बल्लेबाज विराट ने 414 मैचों और 397 पारियों में 41.92 की औसत, 134.67 की स्ट्राइक रेट, 9 शतक और 105 अर्द्धशतकों के साथ 13,543 रन बनाए हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 122 है। टी20 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी वेस्टइंडीज के क्रिस गेल हैं जिन्होंने 463 मैच खेले हैं जिनमें 455 पारियों में 36.22 की औसत, 144.75 की स्ट्राइक रेट, 22 शतक और 88 अर्द्धशतक के साथ 14,562 रन बनाए हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 175 रहा है। यह वार्नर का पहला द हंड्रेड सीजन है और वह तीन मैचों में 75.00 की औसत, 141.50 की स्ट्राइक रेट और दो अर्धशतकों के साथ 150 रन बनाकर शीर्ष रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। मैच की बात करें तो मैच के दौरान वॉर्नर ने 51 गेंदों में 12 चौकों और एक छक्के की मदद से 71 रनों की शानदार पारी खेली और 139 से ज्यादा की औसत से रन बनाए। हालांकि इसके बाद भी उनकी टीम मैनचेस्टर द्वारा बनाए गए 164 रनों के लक्ष्य को हासिल नहीं कर पायी।

रोहित को साल 2027 में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप के लिए टीम में शामिल करें : लाड

नई दिल्ली,11 अगस्त (एजेंसियां) ।

भारतीय एकदिवसीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा के बचपन के कोच दिनेश लाड ने कहा कि उन्हें साल 2027 में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप के लिए टीम में शामिल किया जाना चाहिये। पिछले कुछ समय से ये अटकलें हैं कि रोहित को विश्वकप के लिए टीम में जगह नहीं मिलेगी। एकदिवसीय विश्वकप में अभी दो साल हैं और ऐसे में बढ़ती उम्र के कारण उनकी फिटनेस तब तक कैसी रहती है ये भी देखना होगा। इसी बीच ये भी रिपोर्ट आई कि अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के बाद उनपर एकदिवसीय प्रारुप से संन्यास का दबाव रहेगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) का हालांकि अभी तक इस मामले में कोई बयान नहीं आया है।

वहीं कोच लाड के अनुसार रोहित में अभी भी टीम के लिए योगदान देने की भूख है। लाड ने , रोहित को निश्चित रूप से 2027 एकदिवसीय विश्वपकप में खेलना चाहिए। ट्रॉफी जीतना हमेशा से ही उनका सपना रहा है हालांकि वह साल 2011 की विजयी टीम में जगह नहीं बना पाये थे। लाड ने कहा कि उन्हें विश्वकप के लिए टीम में रखा जाना अच्छा रहेगा चाहे वह कप्तान रहें या न रहें क्योंकि अभी भी उनमें काफी क्रिकेट बाकि है। उन्होंने कहा, चाहे वह टीम का नेतृत्व करें या नहीं यह बीसीसीआई और चयनकर्ताओं पर निर्भर है पर उसमें अभी भी रनों की भूख और दृढ़ता है, इसलिए उन्हें 2027 विश्व कप टीम का हिस्सा होना चाहिए। रोहित ने 273 एकदिवसीय मैचों में 48.76 की औसत से 11,168 रन बनाए हैं. जिसमें 32 शतक और 58 अर्धशतक शामिल हैं। उन्होंने इस प्रारुप में तीन दोहरे शतक भी लगाये हैं। इससे पहले रोहित ने कहा था कि उनका लक्ष्य एकदिवसीय विश्वकप जीतना है।

भोपाल के हैदर मिस्टर यूनिवर्स की दौड़ में, प्रतियोगिता के लिए लखनऊ रवाना

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के युवा हैदर मुख्तार खान मिस्टर यूनिवर्स प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए रवाना हो गए हैं। वे दिल्ली एयरपोर्ट से लखनऊ के लिए प्रस्थान कर चुके हैं, जहां 12 अगस्त से 16 अगस्त तक यह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता आयोजित होगी। हैदर की नेशनल डायरेक्टर प्रिया तिवारी ने उन्हें तिलक लगाकर शुभकामनाओं के साथ रवाना किया। प्रिया तिवारी का कहना है कि हैदर पूरी तरह तैयार हैं और वह एशिया का नाम रोशन करने की क्षमता रखते हैं। इस मौके पर परिवार, मित्रों और शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई दी। हैदर के परिधान को मुंबई के प्रसिद्ध डिजाइनर विशाल कपूर ने विशेष रूप से डिज़ाइन किया। उन्होंने भी हैदर को शुभकामनाएं दीं और उनके उवल भविष्य की कामना की। हैदर मुख्तार खान की इस उपलब्धि से भोपाल और पूरे मध्य प्रदेश में गर्व का माहौल है। सभी को उम्मीद है कि वह मिस्टर यूनिवर्स प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन कर देश और प्रदेश का मान बढ़ाएंगे।

डीपीएल : नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने वेस्ट दिल्ली लायंस को 11 रन से हराया

नई दिल्ली,11 अगस्त (एजेंसियां) ।

दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) सीजन-2 के 19वें मुकाबले में सोमवार रात नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए वेस्ट दिल्ली लायंस को 11 रन से मात दी। यह मैच अरुण जेटली स्टेडियम में खेला गया।

पहले बल्लेबाजी करते हुए नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट पर 165 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज़ सार्थक रंजन ने 42 गेंद में 33 रन की पारी खेली, जबकि अर्जुन रापड़िया ने मात्र 22 गेंदों में 40 रन (3 चौके, 3 छक्के) जड़े। यजस शर्मा ने 15 गेंदों में 23 और यश भाटिया ने 17 गेंदों में 22 रन जोड़े। वेस्ट दिल्ली की ओर से मयंक गुसाईं सबसे सफल गेंदबाज़ रहे, जिन्होंने 1 ओवर में मात्र 2 रन देकर 3 विकेट झटके। लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्ट दिल्ली लायंस की शुरुआत खराब रही और टीम ने 13 रन पर 2 विकेट गंवा दिए। कप्तान हर्षित राणा और विकास दीक्षित ने शुरुआती झटके दिए। विकेटकीपर क्रिश यादव ने 23 रन बनाकर पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन रन रेट लगातार बढ़ता गया।

इसके बाद हृतिक शोकीन ने ताबड़तोड़ बल्लेबाज़ी करते हुए 24 गेंद में 51 रन (5 चौके, 3 छक्के) बनाए और सिर्फ 19 गेंदों में 49 रन की साझेदारी की। हालांकि, दीपांशु गुलिया की मिडिल ओवर में तीन अहम विकेट और कप्तान राणा के किफायती अंतिम ओवर ने लायंस की पारी को 154/8 पर रोक दिया।

संक्षिप्त स्कोरकार्डः

नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स - 165/9 (20 ओवर), सार्थक रंजन 42 (33), अर्जुन रापड़िया 40 (22), मयंक गुसाईं 3/2

वेस्ट दिल्ली लायंस - 154/8 (20 ओवर), हृतिक शोकीन 51 (24), मयंक गुसाईं 24 (24), दीपांशु गुलिया 3/44।

विमेंस स्पीड चेस चैंपियनशिप 2025 के क्वार्टरफाइनल में पहुंची दिव्या देशमुख

नई दिल्ली। हाल ही में जॉर्जिया में आयोजित फिडे वर्ल्ड कप जीतकर इतिहास रचने वाली भारतीय ग्रैंडमास्टर दिव्या देशमुख ने सोमवार को चीनी जीएम लेई टिंगजी को 10-3 से हराकर विमेंस स्पीड चेस चैंपियनशिप 2025 के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। 19 वर्षीय दिव्या ने शुरुआती राउंड में ही लेई पर दबदबा कायम करते हुए शानदार जीत दर्ज की। अब क्वार्टरफाइनल में उनका सामना तीन बार की विश्व चैंपियन और चीनी जीएम हाउ यीफान से होगा। यह मुकाबला गुरुवार को खेला जाएगा। भारत की एक अन्य प्रतिभागी आर. वैशाली पहले ही बाहर हो चुकी हैं। उन्हें पिछले हफ्ते अमेरिकी आईएम ऐलिस ली के हाथों 6-8 से हार का सामना करना पड़ा था। विमेंस स्पीड चेस चैंपियनशिप एक ऑनलाइन नॉकअड्डाउट टूर्नामेंट है जिसमें 16 खिलाड़ी हिस्सा लेती हैं। इनमें आठ क्वालिफायर और आठ सीधे आमंत्रित खिलाड़ी होती हैं। कुल इनामी राशि 75,000 अमेरिकी डॉलर है, जिसमें विजेता को 7,000 डॉलर मिलेंगे। पहले और क्वार्टरफाइनल राउंड में तीन सेगमेंट खेले जाते हैं—पहले 45 मिनट तक 5+1 गेम, फिर 30 मिनट तक 3+1 गेम और अंत में 15 मिनट तक 1+1 गेम। सेमीफाइनल और फाइनल में समय अवधि और बढ़ा दी जाती है। हर जीत पर एक अंक और ड्रॉ पर आधा अंक मिलता है।

द हंड्रेड: मैनचेस्टर ओरिजिनल्स ने दर्ज की पहली जीत, लंदन स्पिरिट को 10 रन से हराया

लंदन,11 अगस्त (एजेंसियां) ।

मैनचेस्टर ओरिजिनल्स ने सोमवार रात सीजन की पहली जीत दर्ज करते हुए लंदन स्पिरिट को 10 रनों से हराया। ओरिजिनल्स की ओर से शीर्ष चार बल्लेबाजों ने 20 से अधिक रन बनाए, जिससे टीम ने 163 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। जवाब में लंदन स्पिरिट के लिए डेविड वॉर्नर ने अर्धशतक जड़ा और इस साल के पुरुष वर्ग में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए, लेकिन टीम लक्ष्य से 10 रन दूर रह गई।

ओरिजिनल्स के लिए बेन मैकिनी ने 12 गेंदों पर तीन छक्कों और दो चौकों की मदद से 29 रन की तेज पारी खेली। फिल साल्ट (31) ने उन्हें अच्छा साथ दिया। जोस बटलर (46) और हेनरिक क्लासेन (24) ने पारी को संभाला, लेकिन तेजी से रन नहीं बना सके। फिर भी टीम का स्कोर पुरुष प्रतियोगिता के इस सीजन के संयुक्त रूप से सर्वाधिक 163 रन रहा।

लंदन स्पिरिट की पारी की शुरुआत में सॉनी बेकर ने शानदार गेंदबाजी करते हुए पहले दस गेंदों में सिर्फ चार रन दिए और वॉर्नर को लगातार परेशान किया। वॉर्नर (71) और कप्तान केन विलियमसन ने संभलकर खेलते हुए स्कोर 75 तक पहुंचाया, लेकिन रन गति बनाए रखना चुनौतीपूर्ण रहा।

जेमी स्मिथ और एश्टन टर्नर ने बड़े शॉट लगाए, पर आखिरी 40 गेंदों में दो रन प्रति गेंद की दर से खेलना टीम के लिए मुश्किल हो गया। जॉश टंग ने तीन विकेट झटके, जिसमें वॉर्नर का अहम विकेट भी शामिल रहा। अंतिम ओवरों में जेमी ओवरटन (19 रन, 7 गेंद) के प्रयास के बावजूद स्पिरिट 153/6 पर सिमट गई।

मैच के मीकैंट मैच हीरो बने सॉनी बेकर ने कहा, यह एक बड़ी टीम के खिलाफ अहम जीत है। मैं सिर्फ तेज गेंदबाजी करते हुए नई गेंद से स्विंग निकालने की कोशिश कर रहा था, खासकर बाएं हाथ के बल्लेबाजों के खिलाफ। वॉर्नर जैसे खिलाड़ी के खिलाफ गेंदबाजी करना चुनौतीपूर्ण था और जीत से बहुत खुश हूं।

स्कोरकार्डः

मैनचेस्टर ओरिजिनल्स - 163/6 (बटलर 46, ओवरटन 2/26, स्टोन 2/27)।

लंदन स्पिरिट - 153/6 (वॉर्नर 71, टंग 3/29)

परिणाम - मैनचेस्टर ओरिजिनल्स 10 रन से विजयी।

मुम्बई के सभी खिलाड़ी कांगा लीग खेलें : सरफराज खान

मुम्बई,11 अगस्त (एजेंसियां) ।

बल्लेबाज सरफराज खान ने कहा है कि मुम्बई के सभी बड़े खिलाड़ियों को भी कांगा लीग खेलना चाहिये। सरफराज के अनुसार कुछ खिलाड़ियों को लगता है कि अगर वे इस टूर्नामेंट में विफल रहते हैं तो इससे उन्हें नुकसान होगा। कांगा लीग मानसून सत्र के दौरान होती है और इसमें महान बल्लेबाज सुनील गावस्वर और सचिन तेंदुलकर ने भी खेला है। इस लीग का आयोजन जुलाई से अक्टूबर के बीच होता है। बादलों से भरे आसमान और नमी से भरी पिचों पर बल्लेबाजों के लिए रन बनाना काफी कठिन होता है। सरफराज ने कांगा लीग में इस्लाम जिमखाना के खिलाफ 42 गेंदों में 61 रन बनाये।

गावस्कर, तेंदुलकर के अलावा संदीप पाटिल और दिलीप वेंगसरकर भी इस लीग में खेलते थे। सरफराज ने कहा, बचपन में मैंने अपने पिता से कई कहानियां सुनीं कि कैसे गावस्कर एक बार इंग्लैंड से स्वेदश लौटते ही कांगा लीग मैच खेलने पहुंच गये। मैं और मेरा छोटा भाई मुशीर इस लीग में खेलते हुए बेहद खुशी का अनुभव करते हैं। इस टूर्नामेंट को खेलने में हमें गर्व होता है।

सरफराज ने कहा, सभी मुंबई के खिलाड़ियों को भी इस लीग में खेलना चाहिये। कुछ खिलाड़ियों को लगता है कि अगर वे यहां असफल होते हैं, तो यह उनके भविष्य के लिए खराब होगा उन्हें सोचना चाहिये कि अगर गावस्कर और सचिन जैसे महान खिलाड़ियों ने ऐसा ही सोचा होता, तो वे शायद शीर्ष पर नहीं पहुंच पाते। सरफराज पिछले काफी समय से टीम से बाहर हैं और उनका लक्ष्य घरेलू क्रिकेट में बेहतर प्रदर्शन कर राष्ट्रीय टीम में वापसी करना रहेगा।

टिम डेविड का कैच एक हाथ से पकड़ने वाले दर्शक की जिंदगी बदली

सिडनी। टिम डेविड की शानदार पारी से ऑस्ट्रेलिया ने पहले ही टी20 मैच में दक्षिण अफ्रीका को हराकर सीरीज में बढ़त हासिल कर ली है। इस मैच में टिम के अलावा एक और व्यक्ति आकर्षण का केन्द्र रहा है। इस व्यक्ति ने एक हाथ में वोदका के दो कैप पकड़े हुए थे। वहीं दूसरे हाथ से उसने टिम के लगाये एक छक्के को पकड़ लिया। टिम ने इस पारी में आठ छक्के लगाये थे। ये मामला 12वें ओवर का कै। टिम ने तब डीप स्कायर लेग बाउंड्री के ऊपर से छक्का लगाया। तभी स्टेडियम में बैठे हैरी गिल नाम के व्यक्ति ने गेंद उसे लगती इससे पहले ही उसे पकड़ लिया। पेशे से पायलट हैरी ने इस कैच को लेकर कहा, मेरे पास थोड़ा समय था, पर गेंद सीधे मेरी तरफ आ रही थी। ऐसे में मेरा इरादा उसे गिराने का था पर गेंद मेरे हाथ में आ गयी। मेरा हाथ थोड़ा दर्द कर रहा था पर इसके बाद ही मेरे पास लगातार लोगों के फोन आ रहे हैं। हैरी ने जब यह कैच पकड़ा, तब उन्होंने फैशन ब्रांड गुड डे की एक टोपी पहनी हुई थी। वहीं कए रिपोर्ट के अनुसार अब, गुड डे उसे आजीवन मुफ्त में अपने उत्पाद देने तैयार है। हैरी ने कहा कि ये कैच पकड़कर वह एक रात में ही प्रसिद्ध हो गये हैं। इसी कारण उन लोगों के भी फोन आ रहे हैं जिनका संपर्क टूट गया था।

डीपीआईआईटी ने स्टार्टअप्स को समर्थन देने के लिए जेप्टो के साथ समझौता किया

नई दिल्ली,12 अगस्त (एजेंसियां)।
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने विभिन्न क्षेत्रों में प्रारंभिक चरण के स्टार्टअप्स को समर्थन देने के लिए जेप्टो प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। ये समझौता हार्डवेयर, आईओटी, पैकेजिंग और दीर्घकालिक विनिर्माण पर ध्यान केंद्रित करने के लिए है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान में बताया कि इस समझौता ज्ञापन पर डीपीआईआईटी के निदेशक डॉ. सुमीत जारंगल और जेप्टो के सह-संस्थापक कैवल्य वोहरा ने हस्ताक्षर किए हैं। इस सहयोग का उद्देश्य छह महीने के एकाग्र कार्यक्रम के माध्यम से स्टार्टअप्स की खोज और उनका मार्गदर्शन करना है। यह कार्यक्रम हार्डवेयर, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, पैकेजिंग और दीर्घकालिक विनिर्माण के क्षेत्रों में तकनीक विकसित करने वाले स्टार्टअप्स को सहायता प्रदान करेगा। वे जेप्टो के वितरण और डिजिटल बुनियादी ढांचे का उपयोग करके प्रोटोटाइप से बाजार तक के लिए तैयार समाधानों का विकास कर सकेंगे। मंत्रालय के मुताबिक यह साझेदारी विशेषज्ञों के नेतृत्व में होने वाली कार्यशालाओं और स्टार्टअप इंडिया सहयोग के माध्यम से महिलाओं की मुख्य भूमिका वाले और टियर दो/तीन के स्टार्टअप्स पर ध्यान केंद्रित करके उन्हें मार्गदर्शन और क्षमता निर्माण के संबंध में सहायता प्रदान करेगी। इसके अतिरिक्त जेप्टो अपनी आपूर्ति श्रृंखला में 100 से अधिक भारतीय स्टार्टअप्स को जोड़ेगा, जिससे उन्हें उत्पादों को प्रदर्शित करने बाजार तक पहुंच प्राप्त करने और अपनी उपस्थिति का विस्तार करने के लिए मंच मिलेगा। डीपीआईआईटी के संयुक्त सचिव संजीव ने इस अवसर पर कहा कि यूनिकॉर्न का समर्थन स्टार्टअप्स को आगे बढ़ाने के सबसे प्रभावशाली तरीकों में से एक है, जो उन्हें सफल उद्यमों की यात्रा के बारे में जानकर सीखने में सक्षम बनाता है। उन्होंने यह भी कहा कि इसके अनुकूल परिवेश में योगदान देना यूनिकॉर्न के लिए न केवल एक अवसर है, बल्कि एक जिम्मेदारी भी है।

न्यूज ब्रीफ

एप्पल एआई इंडस्ट्री में खेल रहा राजनीति मस्क करेंगे कंपनी पर कानूनी कार्रवाई

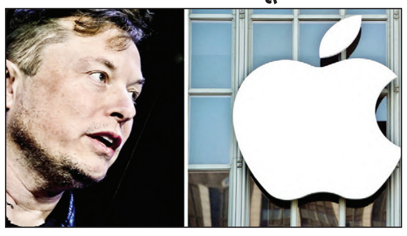

नई दिल्ली। टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क ने एप्पल से कहा है कि उनकी एआई कंपनी एक्सएआई जल्द ही एप्पल के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेगी। मस्क का आरोप है कि ऐपल इस तरह से व्यवहार कर रही है जिससे ओपनएआई के अलावा कोई भी एआई कंपनी ऐप स्टोर में नंबर वन पर नहीं पहुंच सकती। यह विवाद तब बढ़ा जब एक्स, ऐप स्टोर की न्यूज कैटेगरी में नंबर वन और टॉप फ्री ऐप्स की सूची में पांचवें स्थान पर पहुंच गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मस्क ने सवाल उठाया कि एप्पल ने न तो एक्स और न ही ग्रोक को अपने मस्ट हैव सेक्शन में शामिल किया है। उन्होंने पूछा कि क्या आप राजनीति खेल रहे हैं मामला क्या है जानने की इच्छा है। मस्क ने यह भी कहा कि एप्पल ने सिर्फ तराजू पर अंगूठा नहीं रखा, बल्कि पूरा शरीर रख दिया है। मस्क ने एक्स पर लिखा कि एप्पल ऐसा व्यवहार कर रही है जिससे ओपनएआई के अलावा कोई भी एआई कंपनी ऐप स्टोर में शीर्ष स्थान नहीं हासिल कर सकती। यह साफ तौर पर एंटी-ट्रस्ट कानून का उल्लंघन है।

प्रत्यक्ष कर संग्रह चालू वित्त वर्ष में 3.95 फीसदी घटकर 6.64 लाख करोड़ रुपए

नई दिल्ली। शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह चालू वित्त वर्ष 2025-26 में अब तक 3.95 फीसदी घटकर 6.64 लाख करोड़ रुपये रहा। कर संग्रह में गिरावट की वजह रिफंड का अधिक होना है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने मंगलवार को आंकड़ों के जरिए बताया कि एक अप्रैल से 11 अगस्त के बीच सकल संग्रह (रिफंड से पहले) 1.87 फीसदी घटकर 7.99 लाख करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले की इसी अवधि में 8.14 लाख करोड़ रुपये था। इस दौरान शुद्ध कंपनी कर संग्रह लगभग 2.29 लाख करोड़ रुपये रहा, जबकि गैर-कंपनी कर (जिसमें व्यक्ति, हिंदू अविभाजित परिवार और कंपनी शामिल हैं) संग्रह 4.12 लाख करोड़ रुपये रहा। आंकड़ों के अनुसार, एक अप्रैल से 11 अगस्त के बीच प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) संग्रह 22,362 करोड़ रुपये रहा। सरकार का चालू वित्त वर्ष 2025-26 में प्रत्यक्ष कर संग्रह 25.20 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है, जो सालाना आधार पर 12.7 फीसदी अधिक है। सरकार का लक्ष्य वित्त वर्ष 2025-26 में एसटीटी से 78,000 करोड़ रुपये एकत्र करना है। प्रत्यक्ष कर में कंपनियों, व्यक्तियों, पेशेवरों और अन्य संस्थाओं की आय पर कर शामिल हैं।

मुंबई से दो नई साप्ताहिक उड़ान सितंबर से शुरू करेगी इंडिगो

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी विमान सेवा कंपनी इंडिगो ने अपने अंतरराष्ट्रीय संपर्क को मजबूत करने का ऐलान किया है। इंडिगो ने सितंबर में मध्य एशियाई देशों के लिए मुंबई से दो नई उड़ानें शुरू करने की घोषणा की है। ये उड़ानें सितंबर से उज्बेकिस्तान की राजधानी ताशकंद और कजाकिस्तान के शहर अल्माटी के लिए होंगी। एयरलाइंस ने मंगलवार को एक बयान में बताया कि वह 01 सितंबर से उज्बेकिस्तान की राजधानी ताशकंद और 02 सितंबर से कजाकिस्तान के अल्माटी के लिए मुंबई से सीधी उड़ानें शुरू करेगी। इंडिगो की ये दोनों उड़ानें सप्ताह में चार दिन होंगी। एयरलाइंस ने यह घोषणा हाल ही में मुंबई-त्बिलिसी (जॉर्जिया) मार्ग पर इंडिगो की 02 अगस्त से सीधी उड़ान के शुभारंभ के बाद की गई है, जो भारत की वित्तीय राजधानी से संपर्क को मजबूत करने और इसे एक प्रमुख विमानन केंद्र के रूप में विकसित करने की एयरलाइन की प्रतिबद्धता को पुष्ट करती है। इंडिगो के ग्लोबल सेल्स प्रमुख विनय मल्होत्रा ने कहा कि नई दिल्ली से त्बिलिसी, अल्माटी और ताशकंद के लिए सफल संचालन के आधार पर अब हमें इन सभी गंतव्यों को मुंबई से जोड़ने की खुशी है। उन्होंने कहा कि हाल ही में हमने मुंबई से मैनचेस्टर और एम्स्टर्डम के लिए अपनी लंबी दूरी की उड़ानें भी शुरू की हैं, जो यूरोप में हमारे प्रवेश का प्रतीक है। मल्होत्रा ने कहा कि इंडिगो देश की वित्तीय राजधानी से भारत के भीतर और साथ ही दुनियाभर के गंतव्यों के लिए कनेक्टिविटी को और मजबूत करेगा। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि ग्राहक भारत की पसंदीदा एयरलाइन के साथ मुंबई से दुनिया के विभिन्न हिस्सों के लिए उड़ान भरने का आनंद लेंगे। ये नए लॉन्च ग्राहकों को इंडिगो के साथ एक व्यापक नेटवर्क पर अपनी छुट्टियों की योजना बनाने का सही अवसर प्रदान करते हैं। इंडिगो ने कहा कि शुरू होने वाली उड़ान की टिकट बिक्री के लिए उपलब्ध हैं।

बाजार की कमजोरी से निवेशकों को 87 हजार करोड़ की लगी चपत

पूरे दिन उतार-चढ़ाव के बाद लाल निशान में बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

नई दिल्ली,12 अगस्त (एजेंसियां)।
पूरे दिन उतार-चढ़ाव सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ। के कारोबार की शुरुआत भी मामूली कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद दिन भर खरीदारों और बिकवालों के बीच खींचतान चलती रही, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में भी लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा। पूरे दिन हुई खरीद बिक्री के बाद सेंसेक्स 0.46 प्रतिशत और निफ्टी 0.40 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। दिनभर के कारोबार के दौरान ऑटोमोबाइल, फार्मास्यूटिकल और आईटी सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होते रही। इसी तरह एनर्जी, मेटल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, ऑयल एंड गैस और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। दूसरी ओर रियल्टी, बैंकिंग और डिफेंस सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। इसके अलावा कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल और एफएमसीजी इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 80 हजार करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन के कारोबार के बाद घट कर 443.26 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 444.13 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को के कारोबार से करीब 87 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,204 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,065 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,977 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 162 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,698 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,306 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,392 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 12 शेयर बढ़त के साथ और 18 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 19 शेयर हरे निशान में

और 31 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स 95.57 की कमजोरी के साथ 80,508.51 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही तेजड़ियों और मंदड़ियों के बीच खींचतान शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल भी ऊपर नीचे होने लगी। खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स सुबह 10 बजे के थोड़ी देर बाद 393.59 अंक की मजबूती के साथ 80,997.67 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में बिकवाली शुरू हो गई। लगातार हो रही बिकवाली की वजह से का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 833.31 अंक लुढ़क कर 439.72 अंक की कमजोरी के साथ 80,164.36 अंक तक गिर गया। कारोबार के अंत में दिन के सौदों के निपटारे की वजह से हुई खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स निचले स्तर से करीब 70 अंक की रिकवरी करके 368.49 अंक की गिरावट के साथ 80,235.59 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 21.70 अंक टूट कर 24,563.35 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही लिवालों और बिकवालों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल भी ऊपर नीचे होने लगी। खरीदारी के सपोर्ट से सुबह 10 बजे के थोड़ी देर बाद निफ्टी 117.55 अंक की मजबूती के साथ 24,702.60 अंक तक पहुंचा। इसके बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिससे इस सूचकांक की चाल में गिरावट आ गई।

लगातार हो रही बिकवाली के कारण ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 236.95 अंक लुढ़क कर 119.40 अंक की गिरावट के साथ 24,465.65 अंक तक आ गया। अंत में इंट्रा-डे सेटलमेंट की वजह से हुई खरीदारी के कारण निफ्टी निचले स्तर से 20 अंक से अधिक की रिकवरी करके 97.65 अंक की कमजोरी के साथ 24,487.40 अंक के स्तर पर बंद हुआ। पूरे दिन का कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से मारुति सुजुकी 1.93 प्रतिशत, टेक महिंद्रा 1.90 प्रतिशत, हीरो मोटोकॉर्प 1.82 प्रतिशत, महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.58 प्रतिशत और एनटीपीसी 1.18 प्रतिशत की मजबूती के साथ के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए।

जुलाई में खुदरा महंगाई दर घटकर आठ साल के निचले स्तर 1.55 फीसदी पर

नई दिल्ली,12 अगस्त (एजेंसियां)।

महंगाई के मोर्चे पर आम आदमी को बड़ी राहत मिली है। खुदरा महंगाई दर जुलाई महीने में घटकर आठ साल के निचले स्तर 1.55 फीसदी पर आ गई है, जो इससे पिछले महीने जून में 2.1 फीसदी रही थी। जनवरी 2019 के बाद यह पहली बार है, जब खुदरा महंगाई दर 2 फीसदी से नीचे आई है।

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के मुताबिक उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा महंगाई दर जुलाई महीने में घटकर आठ साल के निचले स्तर 1.55 फीसदी रही है। यह 97 महीने का निचला स्तर है। इससे पहले जून 2017 में खुदरा महंगाई दर 1.54 फीसदी रही थी। जून 2025 में खुदरा महंगाई दर 2.10 फीसदी रही थी। इसी तरह मई 2025 में 2.82 फीसदी और अप्रैल 2025 में यह 3.16 फीसदी पर थी।

आंकड़ों के मुताबिक खाने-पीने के सामान की कीमतों में लगातार नरमी के कारण खुदरा महंगाई दर में गिरावट आई है। खाद्य महंगाई दूसरी बार निगेटिव रही, जुलाई में यह -1.8 फीसदी रही, जबकि जून महीने में यह -1.1 फीसदी रही थी। ग्रामीण इलाकों में खुदरा महंगाई जुलाई में 1.18 फीसदी रही है, जून में यह 1.72 फीसदी रही थी। वहीं, शहरी इलाकों में यह 2.56 फीसदी से घटकर 2.05 फीसदी पर आ गई है।

खुदरा महंगाई दर फरवरी से रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के लक्ष्य 4 फीसदी से नीचे है। रिजर्व बैंक ने हाल ही में मौद्रिक समीक्षा में पूरे वित्त वर्ष की महंगाई का अनुमान घटाकर 3.1 फीसदी कर दिया है, जो पहले 3.7 फीसदी था। आरबीआई को उम्मीद है कि दूसरी तिमाही में औसत महंगाई 2.1 फीसदी रहेगी, जबकि तीसरी तिमाही में 3.1 फीसदी और चौथी तिमाही में यह 4.4 फीसदी रहेगी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

ओड़ीशा, पंजाब, आंध्र प्रदेश...

श्री वैष्णव ने कहा कि ये सेमीकंडक्टर इकाइयां देश में दूरसंचार, ऑटोमोटिव, डेटा केंद्रों, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स और औद्योगिक इलेक्ट्रॉनिक्स में सेमीकंडक्टर की बढ़ती मांग को देखते हुए आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देंगी।सिकसेम प्राइवेट लिमिटेड, ओडिशा के भुवनेश्वर स्थित इन्फो वैली में सिलिकॉन कार्बाइड (सिक) आधारित कंपाउंड सेमीकंडक्टर की एकीकृत सुविधा स्थापित करने के लिए ब्रिटेन की क्लास-सिक वेफर फैब लिमिटेड के साथ सहयोग कर रही है। यह देश का पहला व्यावसायिक कंपाउंड फैब होगा। इस परियोजना में सिलिकॉन कार्बाइड उपकरणों के निर्माण का प्रस्ताव है।इस कंपाउंड सेमीकंडक्टर फैब की वार्षिक क्षमता 60,000 वेफर और पैकेजिंग क्षमता 960 लाख यूनिट होगी। प्रस्तावित उत्पादों का उपयोग मिसाइलों, रक्षा उपकरणों, इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी), रेलवे, फ़ास्ट चार्जर, डेटा सेंटर रैक, उपभोक्ता उपकरणों और सौर ऊर्जा इन्वर्टर में किया जाएगा।इसी तरह भवनेश्वर में ही 3डी ग्लास सॉल्यूशंस इंक. एक वर्टिकली इंटीग्रेटेड एडवांस्ड पैकेजिंग और एम्बेडेड ग्लास सबस्ट्रेट यूनिट स्थापित करेगी।

यह यूनिट दुनिया की सबसे उन्नत पैकेजिंग तकनीक भारत में लाएगी जो सेमीकंडक्टर उद्योग में अगली पीढ़ी की दक्षता लाती है।इस सुविधा में पैसिव और सिलिकॉन ब्रिज वाले ग्लास इंटरपोज़र और 3डी हेटेरोजेनस इंटीग्रेशन (3डीएचआई) मॉड्यूल सहित कई उन्नत तकनीकें होंगी। इस इकाई की नियोजित क्षमता लगभग 69,600 ग्लास पैनल सबस्ट्रेट्स, 500 लाख असेंबल्ड यूनिट्स और 13,200 3डीएचआई मॉड्यूल प्रति वर्ष होगी।इन उत्पादों का रक्षा, उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रेडियो फ्रीक्वेंसी और ऑटोमोटिव, फोटोनिक्स और को-पैकेज्ड ऑप्टिक्स आदि में महत्वपूर्ण उपयोग होगा।एडवांस्ड सिस्टम इन पैकेज टेक्नोलॉजीज (एएसआईपी), दक्षिण कोरिया की एपीएसीटी कंपनी लिमिटेड के साथ तकनीकी गठजोड़ के तहत आंध्र प्रदेश में एक सेमीकंडक्टर विनिर्माण इकाई स्थापित करेगी, जिसकी वार्षिक क्षमता 960 लाख यूनिट होगी। निर्मित उत्पादों का उपयोग मोबाइल फोन, सेट-टॉप बॉक्स, ऑटोमोबाइल अनुप्रयोगों और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों में किया जाएगा।कॉन्टिनेंटल डिवाइस (सीडीआईएल) मोहाली, पंजाब में अपनी डिस्क्रीट सेमीकंडक्टर विनिर्माण सुविधा का विस्तार करेगी। प्रस्तावित सुविधा में सिलिकॉन और सिलिकॉन कार्बाइड दोनों में उच्च-शक्ति डिस्क्रीट सेमीकंडक्टर उपकरण जैसे एमओएसएफईटीए, आईजीबीटी, शॉट्की बाईपास डायोड और ट्रांजिस्टर का निर्माण किया जाएगा। इस ब्राउनफील्ड विस्तार परियोजना की वार्षिक क्षमता 15.84 करोड़ यूनिट होगी। इन प्रस्तावित इकाइयों द्वारा निर्मित उपकरणों का उपयोग ऑटोमोटिव इलेक्ट्रॉनिक्स, जैसे इलेक्ट्रिक वाहन और उनके चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, नवीकरणीय ऊर्जा प्रणालियों, विद्युत रूपांतरण अनुप्रयोगों, औद्योगिक अनुप्रयोगों और संचार इंफ्रास्ट्रक्चर में किया जाएगा।इन परियोजनाओं की स्वीकृति से देश में सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र को महत्वपूर्ण बढ़ावा मिलेगा क्योंकि इन परियोजनाओं में देश की पहली वाणिज्यिक कंपाउंड फैब के साथ-साथ अत्यधिक उन्नत ग्लास-आधारित सब्सट्रेट सेमीकंडक्टर पैकेजिंग इकाई भी शामिल है।सरकार ने कहा कि ये क्षमताएं देश में विकसित हो रही विश्व स्तरीय चिप डिज़ाइन क्षमताओं का पूरक होंगी, जो सरकार द्वारा 278 शैक्षणिक संस्थानों और 72 स्टार्ट-अप्स को प्रदान की गई डिज़ाइन इंफ्रास्ट्रक्चर सहायता द्वारा संचालित हैं। इसमें 60,000 से अधिक छात्रों को प्रतिभा विकास कार्यक्रम का लाभ मिल चुका है।

गाय को राष्ट्रीय पशु...

इसे 1973 में 'प्रोजेक्ट टाइगर' के तहत बाघों के संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए घोषित किया गया था। भारत के कई राज्यों ने अपने-अपने राज्य पशु घोषित किए हैं, जिनमें से कुछ प्रमुख हैं: हिमाचल प्रदेश - गाय (2015 में घोषित), उत्तर प्रदेश - बारहसिंगा, राजस्थान - ऊँट, गुजरात और गोवा - गौर (भारतीय बाइसन), असम - एक सींग वाला गैंडा और कर्नाटक और आंध्र प्रदेश - हाथी है।बघेल ने कहा कि केंद्र सरकार गायों के संवर्धन, संरक्षण और पालन के लिए राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों के उठाए कदमों का समर्थन करने के लिए दिसंबर 2014 से राष्ट्रीय गोकुल मिशन लागू कर चुकी है।

दिल्ली-एनसीआर में ...

बचता है, भले ही उनका उपयोग कम हुआ हो।

यह आदेश राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी) के पिछले निर्देशों के विपरीत है। एनजीटी ने 26 नवंबर 2014 को आदेश दिया था कि 15 साल से अधिक पुराने सभी डीजल या पेट्रोल वाहनों को सड़कों पर चलने की अनुमति नहीं दी जाएगी, और इसका पालन न करने पर मोटर वाहन अधिनियम के तहत वाहनों को जब्त करने की कार्रवाई की जाएगी। यह निर्देश दो-पहिया, तीन-पहिया, चार-पहिया, हल्के और भारी, सभी प्रकार के वाहनों पर लागू होता था, चाहे वे वाणिज्यिक हों या व्यक्तिगत।

एनजीटी ने यह आदेश राष्ट्रीय राजधानी और आसपास के क्षेत्रों में बढ़ते वायु प्रदूषण को देखते हुए जारी किया था, खासकर सर्दियों के मौसम में।

दिल्ली सरकार ने अपनी याचिका में केंद्र सरकार और वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग से आयु-आधारित प्रतिबंधों की जगह उत्सर्जन-आधारित मानदंडों के वास्तविक पर्यावरणीय लाभों का आकलन करने के लिए एक विस्तृत अध्ययन की मांग की है।

एससी ने उम्रकैद ...

पहलवान ने अपनी याचिका में कहा था कि दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा तय की गई उसकी 20 साल की सजा मार्च 2025 में पूरी हो चुकी है, लेकिन सेंटेंस रिव्यू बोर्ड से मंजूरी न मिलने के कारण उसे अभी तक रिहा नहीं किया गया है।

जस्टिस ने कहा कि अगर किसी व्यक्ति को अदालत द्वारा निश्चित अवधि के लिए (उदाहरण के लिए 20 साल) उम्रकैद की सजा सुनाई गई है, तो उस अवधि को पूरा करने के बाद वह रिहाई का हकदार है। ऐसे मामलों में, उसे उन प्रक्रियाओं का पालन करने की आवश्यकता नहीं है, जो सामान्य उम्रकैद के मामलों में लागू होती हैं।

आमतौर पर, उम्रकैद के मामलों में कैदियों को 14 साल की सजा पूरी करने के बाद ही राज्य सरकार की ओर से सजा में छूट पर विचार किया जाता है। इसके लिए एक रिव्यू बोर्ड और सजा सुनाने वाले ट्रायल कोर्ट के जज की सहमति की जरूरत होती है।

सुप्रीम कोर्ट ने सुखदेव पहलवान के मामले में कहा कि उसे 10 मार्च को ही रिहा हो जाना चाहिए था। कोर्ट ने कहा कि सजा पूरी होने के बाद किसी व्यक्ति को जेल में रखना गैरकानूनी है। इस फैसले से देशभर के उन सभी कैदियों को राहत मिली है, जो इसी तरह की स्थिति का सामना कर रहे हैं।

न्यायमूर्ति वर्मा पर...

न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ दिल्ली उच्च न्यायालय में उनके कार्यकाल के समय से संबंधित शिकायत को गंभीर प्रकृति का पाया गया। ऐसे में उनके खिलाफ कार्रवाई करने की जरूरत है।

श्री बिरला ने न्यायमूर्ति वर्मा के मामले में कार्रवाई का प्रस्ताव रखते हुए कहा कि इस मामले से जुड़े तथ्य जो भ्रष्टाचार की ओर इशारा करते हैं, वे भारत के संविधान के अनुच्छेद 124 के साथ अनुच्छेद 217 और अनुच्छेद 218 के तहत कार्रवाई और प्रक्रिया के योग्य है और संसद को इस विषय में एक स्वर में बोलना चाहिए और देश के प्रत्येक नागरिक को सार्वजनिक जीवन में भ्रष्टाचार के प्रति शून्य सहिष्णुता के अपने संकल्प के बारे में एक स्पष्ट संदेश भेजना चाहिए।

घर-परिवार की सुख समृद्धि और सौभाग्य की कामना का पर्व है ऊब छठ

भाद्रपद महीने की कृष्ण पक्ष की छठ (षष्ठी तिथि) ऊब छठ होती है। ऊब छठ को चन्दन षष्ठी, चानन छठ और चंद्र छठ के नाम से भी जाना जाता है। वहीं देश की कई राज्यों में इस दिन को हलषष्ठी के रूप में मनाई जाती है।माना जाता है कि इस दिन भगवान श्री कृष्ण के बड़े भाई भगवान बलराम का जन्म हुआ था और उनका शस्त्र हल था इसलिए इस दिन को हलषष्ठी भी कहा जाता है। वहीं कई जगह इस दिन को चंदन षष्ठी के रूप में धूमधाम से मनाया जाता है। इस बार षष्ठी तिथि 14अगस्त को है और इसी दिन ऊब छठ पर्व होगा। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि भगवान कृष्ण के बड़े भ्राता बलराम का जन्म दिवस (चंद्र षष्ठी पर्व) 14 अगस्त को ऊब छठ के रूप में मनाया जाएगा। सुहागिनें घर-परिवार की सुख समृद्धि और सौभाग्य की कामना के लिए सूर्यास्त बाद चंदनयुक्त जल सेवन कर व्रत का संकल्प लेंगी। संकल्प के बाद निरंतर चन्द्रोदय तक खड़े रहकर उपासना एवं पौराणिक कथाओं का श्रवण करेंगी। ऊब छठ का व्रत और पूजा विवाहित स्त्रियां पति की लंबी आयु के लिए तथा कुंआरी लड़कियां अच्छे पति कामना में करती है। भाद्र पद महीने की कृष्ण पक्ष की छठ (षष्टी तिथि) ऊब छठ होती है। ऊब छठ के दिन मंदिर में भगवान की पूजा की जाती है। चाँद निकलने पर चाँद को अर्ध्य दिया जाता है। उसके बाद ही व्रत खोला जाता है। सूर्यास्त के बाद से लेकर चाँद के उदय होने तक खड़े रहते है। इसीलिए इसको ऊब छठ कहते है।

महिलाएं और युवतियाँ पूरे दिन उपवास रखती है। शाम को दुबारा नहाती है और नए कपड़े पहनती है। मंदिर जाती है। वहाँ भजन करती है। चन्दन घिसकर टीका लगाती है। कुछ लोग लक्ष्मी जी और और गणेश जी की पूजा करते है। कुछ अपने इष्ट की। भगवान को कुमकुम और चन्दन से तिलक करके अक्षत अर्पित करते है। सिक्का , फूल , फल , सुपारी चढ़ाते है। दीपक , अगरबत्ती जलाते है। फिर हाथ में चन्दन लेते है। कुछ लोग चन्दन मुँह में रखते है। इसके बाद ऊब छट व्रत की कहानी सुनते है और गणेशजी की कहानी सुनते है। इसके बाद पानी भी नहीं पीते जब तक चाँद न दिख जाये। इसके अलावा बैठते नहीं है। खड़े रहते है। चाँद दिखने पर चाँद को अर्ध्य दिया जाता है। चाँद को जल के छींटे देकर कुमकुम , चन्दन , मोली , अक्षत चढ़ाएं। भोग अर्पित करें। जल कलश से जल चढ़ायें। एक ही जगह खड़े होकर परिक्रमा करें। अर्ध्य देने के बाद व्रत खोला जाता है। लोग व्रत खोलते समय अपने रिवाज के अनुसार नमक वाला या बिना नमक का खाना खाते है।

षष्ठी तिथि

पंचांग के अनुसार, षष्ठी तिथि 14 अगस्त को सुबह 4:23 बजे शुरू होगी और 15 अगस्त को सुबह 2:07 बजे खत्म होगी। कोई भी व्रत उदया तिथि के आधार पर रखा जाता है, इसलिए हलषष्ठी 14 अगस्त को मनाई जाएगी। यह त्योहार रक्षाबंधन के 6 दिन बाद और जन्माष्टमी से पहले आता है।

पूजन सामग्री

कुमकुम, चावल, चन्दन, सुपारी, पान, कपूर, फल, सिक्का, सफ़ेद फूल, अगरबत्ती, दीपक।

पूजा विधि

स्त्रियां इस दिन पूरे दिन का उपवास रखती है। शाम को दुबारा स्नान कर स्वच्छ और नए कपड़े पहनती है। कुछ लोग लक्ष्मी जी और और गणेश जी की पूजा करते है और कुछ अपने इष्ट की। चन्दन घिसकर भगवान को चन्दन से तिलक करके अक्षत अर्पित करते है। सिक्का, फूल, फल, सुपारी चढ़ाते है। दीपक, अगरबत्ती जलाते है। फिर हाथ में चन्दन लेते है। कुछ लोग चन्दन मुँह में भी रखते है। इसके बाद ऊब छट व्रत और गणेशजी की कहानी सुनते है। मंदिर जाकर भजन करती है। इसके बाद व्रती जब तक चंद्रमा जी न दिख जाये, जल भी ग्रहण नही करती और ना ही नीचे बैठती है। ऊब छठ के व्रत का नियम है कि जब तक चांद नहीं दिखेगा तब तक महिलाओं को खड़े रहना पड़ता है। व्रती मंदिरों में ठाकुरजी के दर्शन कर पूजा अर्चना करके परिवार के सुख-समृद्धि की कामना करती हैं और खड़े रहकर पौराणिक कथाओं का श्रवण करती हैं। चंद्रोदय पर चाँद को अर्ध्य देकर पूजा-अर्चना की जाती है। चाँद को जल के छींटे देकर कुमकुम, चन्दन, मोली, अक्षत और भोग अर्पित करते हैं। कलश से जल चढ़ायें। एक ही जगह खड़े होकर परिक्रमा करें। अर्ध्य देने के बाद व्रत का पालना करती है। लोग व्रत खोलते समय अपने मान्यता के अनुसार नमक वाला या बिना नमक का खाना खाते है।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

ऊब छठ व्रत कथा

ऊब छठ का व्रत और पूजा करते समय ऊब छठ व्रत कथा सुनते है, जिससे व्रत का पूरा फल प्राप्त हो सके।

किसी गांव में एक साहूकार और इसकी पत्नी रहते थे। साहूकार की पत्नी रजस्वला होने पर भी सभी प्रकार के काम कर लेती थी। रसोई में जाना, पानी भरना, खाना बनाना, सब जगह हाथ लगा देती थी। उनके एक पुत्र था। पुत्र की शादी के बाद साहूकार और उसकी पत्नी की मृत्यु हो गई।

अगले जन्म में साहूकार एक बैल के रूप में और उसकी पत्नी कुतिया बनी। ये दोनों अपने पुत्र के यहाँ ही थे। बैल से खेतों में हल जुताया जाता था और कुतिया घर की रखवाली करती थी। श्राद्ध के दिन पुत्र ने बहुत से पकवान बनवाये। खीर भी बन रही थी। अचानक कही से एक चील जिसके मुँह में एक मरा हुआ साँप था, उड़ती हुई वहाँ आई। वो सांप चील के मुँह से छूटकर खीर में गिर गया। कुतिया ने यह देख लिया। उसने सोचा इस खीर को खाने से कई लोग मर सकते है। उसने खीर में मुँह अड़ा दिया ताकि उस खीर को लोग ना खाये। पुत्र की पत्नी ने कुतिया को खीर में मुँह अड़ाते हुए देखा तो गुस्से में एक मोटे डंडे से उसकी पीठ पर मारा। तेज चोट की वजह से कुतिया की पीठ की हड्डी टूट गई। उसे बहुत दर्द हो रहा था। रात को वह बैल से बात कर रही थी।

उसने कहा तुम्हारे लिए श्राद्ध हुआ तुमने पेट भर भोजन किया होगा। मुझे तो खाना भी नहीं मिला, मार पड़ी सो अलग। बैल ने कहा - मुझे भी भोजन नहीं मिला, दिन भर खेत पर ही काम करता रहा। ये सब बातें बहु ने सुन ली और उसने अपने पति को बताया। उसने एक पंडित को बुलाकर इस घटना का जिक्र किया। पंडित में अपनी ज्योतिष विद्या से पता करके बताया की कुतिया उसकी माँ और बैल उसके पिता है। उनको ऐसी योनि मिलने का कारण माँ द्वारा रजस्वला होने पर भी सब जगह हाथ लगाना, खाना बनाना, पानी भरना था। उसे बड़ा दुःख हुआ और माता पिता के उद्धार का उपाय पूछा। पंडित ने बताया यदि उसकी कुँवारी कन्या भाद्रपद कृष्ण पक्ष की षष्टी यानि ऊब छठ का व्रत करे। शाम को नहा कर पूजा करे उसके बाद बैठे नहीं। चाँद निकलने पर अर्ध्य दे। अर्ध्य देने पर जो पानी गिरे वह बैल और कुतिया को छूए तो उनका मोक्ष हो जायेगा।

जैसा पंडित ने बताया था कन्या ने ऊब छठ का व्रत किया, पूजा की। चाँद निकलने पर चाँद को अर्ध्य दिया। अर्ध्य का पानी जमीन पर गिरकर बहते हुए बैल और कुतिया पर गिरे ऐसी व्यवस्था की। पानी उन पर गिरने से दोनों को मोक्ष प्राप्त हुआ और उन्हें इस योनि से छुटकारा मिल गया। हे! ऊब छठ माता, जैसे इनका किया वैसे सभी का उद्धार करना। कहानी लिखने वाले और पढ़ने वाले का भला करना। बोलो छठ माता की. जय !!!

कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा जी शिवपुराण कथा के माध्यम से लाखों लोगों तक पहुंचने वाले कथाकार

पंडित प्रदीप मिश्रा, एक प्रसिद्ध कथावाचक हैं जिन्होंने अपनी सरल और सुलभ शैली में शिवपुराण कथा सुनाकर लाखों लोगों के बीच एक विशेष पहचान बनाई है। वे मुख्य रूप से मध्य प्रदेश के सीहोर से आते हैं और उनके कथा आयोजनों में बड़ी संख्या में भक्त शामिल होते हैं। उनकी कथाओं में धार्मिक उपदेशों के साथ-साथ जीवन से जुड़ी व्यावहारिक बातों का भी समावेश होता है, जो लोगों को काफी आकर्षित करता है।

प्रारंभिक जीवन और आध्यात्मिक यात्रा

पंडित प्रदीप मिश्रा का जन्म मध्य प्रदेश के सीहोर में हुआ था। उनका बचपन से ही धर्म और आध्यात्मिकता के प्रति गहरा रुझान था। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा सीहोर में पूरी की, लेकिन उनकी असली शिक्षा उनकी आध्यात्मिक यात्रा से शुरू हुई। उन्होंने विभिन्न धार्मिक ग्रंथों, विशेष रूप से शिवपुराण का गहन अध्ययन किया। इसी अध्ययन ने उन्हें एक कथावाचक के रूप में अपना जीवन समर्पित करने के लिए प्रेरित किया।

श्री शिव महापुराण कथा आज से

पं. प्रदीप मिश्राजी के मुखारविन्द से दि. 13 अगस्त से 17 अगस्त तक श्री शिव महापुराण कथा रामनिवास ब्रिजगोपाल भूतडा परिवार (फाईनकैब) द्वारा हैदराबाद आयोजित की जा रही है । इस कथा का आयोजन शमशाबाद हाईवे पर स्थित पूरन सन्स् फार्म, गगन पहाड के विशाल प्रांगण में होगा । कथा अपराहन 1-00 बजे आरम्भ होगी एवं 4-00 बजे कथा को विराम दिया जाएगी ।

शिवपुराण कथा और रुद्राक्ष महोत्सव

पंडित प्रदीप मिश्रा को विशेष रूप से शिवपुराण कथा के लिए जाना जाता है। उनकी कथाओं का मुख्य केंद्र भगवान शिव की महिमा और उनके जीवन से जुड़े प्रसंग होते हैं। वे कथा के दौरान अक्सर शिवजी से जुड़े छोटे-छोटे और प्रभावी उपाय बताते हैं, जिन्हें उनके भक्त सिहोर वाले बाबा के उपाय के नाम से जानते हैं। ये उपाय रुद्राक्ष, जल, और बेलपत्र जैसी सामान्य चीजों से जुड़े होते हैं और भक्तों का मानना है कि इनसे उनके जीवन की समस्याओं का समाधान होता है।

इसके अलावा, पंडित मिश्रा हर साल 'रुद्राक्ष महोत्सव' का आयोजन करते हैं। इस महोत्सव में वे भक्तों को सिद्ध किए गए रुद्राक्ष वितरित करते हैं। इस आयोजन में लाखों की संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं, जिससे कई बार व्यवस्था संभालना भी मुश्किल हो जाता है।

पंडित प्रदीप मिश्रा की कथा कहने की सरल शैली है। वे कथाओं में बहुत ही साधारण भाषा का प्रयोग करते हैं, जिससे हर वर्ग के लोग उनकी बातों को आसानी से समझ पाते हैं। वे जटिल धार्मिक सिद्धांतों को भी कहानियों और उदाहरणों के माध्यम से सरल बनाकर पेश करते हैं। उनकी कथाओं में भक्ति और जीवन प्रबंधन का अद्भुत मिश्रण देखने को मिलता है। पंडित प्रदीप मिश्रा आधुनिक युग के उन कथावाचकों में से हैं, जिन्होंने अपनी एक अलग शैली विकसित की है और शिव भक्ति की धारा को लाखों लोगों के घरों तक पहुँचाया है।

हलछठ पर संतान सुख और लंबी आयु का वरदान!

हम सभी ने श्रीकृष्ण जी के बड़े भाई बलराम जी के बारे में जरूर सुना होगा। हिंदू कैलेंडर के अनुसार भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि को बलराम जयंती मनाई जाती है, जिसे हलछठ भी कहा जाता है। इसे अलग-अलग जगहों पर पीन्नी छठ, खमर छठ, राधन छठ, चंदन छठ, तिनछठी, ललही छठ और हरछठ के नाम से जाना जाता है।

बलराम जयंती का पर्व रक्षा बंधन के ठीक 6 दिन बाद मनाया जाता है। बलराम जयंती हलछठ का पर्व-14 अगस्त 2025 गुरुवार को मनाया जाएगा। षष्ठी तिथि की शुरुआत 14 अगस्त 2025 को 4 बजकर 23 मिनट पर होगी। वही इसकी समाप्ति 15 अगस्त 2025 को सुबह 2 बजकर 7 मिनट पर होगी।

बलराम जयंती भगवान बलराम के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य के रूप में मनाई जाती है। पुराणों के मुताबिक श्रावण मास की कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि को भगवान विष्णु के शेषनाग स्वरूप ने पृथ्वी बलराम के रूप में जन्म लिया था। वे भगवान श्रीकृष्ण के बड़े भाई थे। इसके साथ ही धर्म, शक्ति, मर्यादा और वीरता के प्रतीक माने जाते हैं।

बलराम जयंती का महत्व

बलराम जयंती का महत्व मात्र भगवान बलराम के जन्म के रूप में ही नहीं, अपितु इसे शक्ति, धर्म और कर्तव्यनिष्ठा का पर्व भी माना जाता है। मान्यताओं के मुताबिक इस दिन जो भी महिलाएं व्रत करती है, उन्हें संतान सुख की प्राप्ति होती है।

जिन दंपत्तियों को संतान नहीं है, उनके लिए ये व्रत अत्यंत लाभदायक मानी जाती है। साथ ही किसी बालक को कोई रोग-कष्ट हो तो, उस स्थिति में रखने से लाभ मिलता है।

बलराम जयंती पूजा विधि

सुबह ब्रह्म मुहूर्त में उठना चाहिए।

संभव हो तो महुआ का दातुन और स्नानादि करना चाहिए।

इसके बाद पूजा स्थल को साफ करें।

पूजा स्थल के पास की दीवार को गोबर से लीपें और भैंस के घी में सिंदूर मिलाकर हलषष्ठी माता का चित्र बनाएं।

इसके बाद पूजा घर के पास मिट्टी का छोटा सा तालाब बनाकर उसे पानी से भर लें।

पलाश की टहनी, कुश और झरबेरी के झाड़ को गांठ बांधकर हरछठ बना लें।

अब इसके बाद चौकी पर मिट्टी से बने गौरी, गणेश, शिव और कार्तिकेय की प्रतिमा स्थापित करें।

पूजा खत्म होने के बाद प्रसाद का वितरण करें।

हलषष्ठी देवी को प्रसाद में भुना हुआ महुआ, धान का लावा, भुना हुआ चना, गेंहू, अरहर अर्पित करना चाहिए।

बलराम जयंती मनाने के लाभ

बलराम जयंती पर विधिपूर्वक पूजा और व्रत करने से संतान की आयु लंबी होती है।यह व्रत विशेष रूप से माताएं अपने बच्चों की आरोग्यता और उन्नति के लिए की जाती है। मान्यताओं के मुताबिक इस दिन बलराम जी का ध्यान करने से बल, धैर्य और आत्मविश्वास की प्राप्ति होती है।

दांपत्य जीवन में सुख की कामना के लिए भी ये व्रत काफी लाभदायक माना जाता है।

बलराम जयंती का व्रत कैसे करें?

बलराम जयंती के दिन सुबह उठकर स्नान करने के बाद साफ कपड़े।

इसके बाद पूजा घर को गंगाजल से शुद्ध करें और बलराम जी की प्रतिमा को स्थापित करें।

पूजा में फल, हल, मसूल, फूल, अक्षत, रोली, दूर्वा, तुलसी आदि का प्रयोग करें।

बलराम जी को सफेद वस्तुएं अर्पित करना बेहद शुभ मानी जाती है। उन्हें भोग में दूध,दही,मक्खन और चने अर्पित करें। इसके बाद व्रत कथा सुनें और बलराम जी की आरती करें।

व्रत के नियम – बलराम जयंती व्रत के दिन व्रती को ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए।

सात्विक भोजन ग्रहण करें और तामसिक वस्तुओं से दूरी बना लें।

पूजा से पहले और बाद में किसी का अपमान नहीं करें और नहीं ही झूठ बोलें।

दिनभर भगवान बलराम के नाम का जाप करें और उनकी कथाओं को सुनें।

शाम को फिर पूजा करके फलाहार ग्रहण करें।

कुंडली में सूर्य कमजोर होने पर क्या होता है? जानें इसके लक्षण और उपाय!

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, सभी नवग्रहों में सूर्य को ग्रहों का राजा माना जाता है। किसी भी व्यक्ति की कुंडली में सूर्य जिस घर और जिस स्थिति में होता है, उसके अनुसार ही उसके जीवन पर असर डालता है। कहते हैं कि जिसकी कुंडली में सूर्य बलवान है, उसे समाज में यश और कीर्ति की प्राप्ति होती है। सूर्य के कमजोर होने पर इसके विपरित परिणाम दिखाई देते हैं।सूर्य के कमजोर होने के कई लक्षण दिखाई देते हैं, जो व्यक्ति के जीवन के अलग-अलग पहलुओं नकारात्मक प्रभाव डालते हैं।

सूर्य कमजोर कब होता है?

ज्योतिष के मुताबिक, कुंडली में सूर्य को कमजोर तब माना जाता है, जब वह तुला राशि में नीच का हो या किसी अशुभ ग्रह के साथ युति में हो। इसके अलावा, सूर्य का 6, 8 या 12वें भाव में होना भी इसके कमजोर होने का कारण बनता है। सूर्य के कमजोर होने पर व्यक्ति के आत्मविश्वास, आत्मसम्मान और निर्णय लेने की क्षमता प्रभावित हो सकती है।

आत्मविश्वास की कमी:- सूर्य कमजोर होने पर आत्मविश्वास की कमी दिखाई देती है और उन्हें हर काम में डर लगता है।

निर्णय लेने में कठिनाई:- सूर्य कमजोर होने पर व्यक्ति को निर्णय लेने में बहुत मुश्किल होती है।

स्वास्थ्य समस्याएं:- कमजोर सूर्य होने पर सिरदर्द, हृदय रोग, नेत्र रोग और पेट से संबंधित समस्याएं हो सकती हैं।

करियर में बाधाएं:- सूर्य कमजोर होने पर सफलता मिलने कठिनाई होती है और नौकरी या व्यवसाय में समस्याएं आती हैं।

पिता के साथ मतभेद:- कमजोर सूर्य वाले व्यक्ति के पिता के साथ संबंध अच्छे नहीं होते हैं और पिता से सहयोग भी नहीं मिलता है।

सम्मान में कमी:- सूर्य कमजोर होने पर व्यक्ति को समाज में सम्मान नहीं मिल पाता है और अक्सर अपमानित होना पड़ता है।

मानसिक परेशानियां:- कमजोर सूर्य होने पर नकारात्मक विचार, गुस्सा और ईर्ष्या जैसी मानसिक परेशानियों हो सकती हैं।

शारीरिक कमजोरी:- कमजोर सूर्य के कारण थकान और कमजोरी महसूस हो सकती है।

त्वचा और बालों की समस्याएं:- कमजोर सूर्य की वजह से त्वचा और बालों में भी समस्याएं हो सकती हैं।

दुर्घटनाओं का खतरा:- कमजोर सूर्य के कारण दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ सकता है।

सूर्य कमजोर हो तो क्या करें?

कुंडली में सूर्य को मजबूत करने के लिए ज्योतिष शास्त्र में कई उपाय बताए गए हैं। सूर्य को मजबूत करने के लिए सूर्य को नियमित रूप से जल चढ़ाएं, सूर्य नमस्कार करें, गायत्री मंत्र का जाप करें, सूर्य देव की पूजा करें, गरीबों को दान करें, पिता का सम्मान करें, रविवार का व्रत करें, आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करें और दान-पुण्य आदि करना चाहिए।

इवेंट में सबके सामने नरगिस ने वैजयंतीमाला को खंभा कहा था!

भारतीय सिनेमा की चमकती हुई कई कहानियों के बीच कुछ ऐसे किस्से भी होते हैं जो पर्दे के पीछे छुपे संघर्ष, जादुई कहानी और सच्चाई को उजागर करते हैं। वैजयंतीमाला, जो 50-60 के दशक की सबसे लोकप्रिय एक्ट्रेस में से एक थीं, केवल अपनी अदाकारी और नृत्य कला के लिए ही नहीं बल्कि अपनी सादगी के लिए भी जानी जाती हैं। जिस समय उन्होंने फिल्मी दुनिया में कदम रखा था, उस वक्त सुरैया, नरगिस और राज कपूर जैसे टॉप स्टार्स का बोलबाला हुआ करता था। ऐसे में अपनी पहचान बनाना बिल्कुल भी आसान नहीं था। एक्ट्रेस ने अपनी आत्मकथा 'बॉन्डिंग: एक मेमोयर' में नरगिस से अपनी एक मुलाकात का जिक्र किया, जो दिल्ली के एक इवेंट में हुई थी। अपनी आत्मकथा में वैजयंतीमाला बाली ने लिखा, राज कपूर, नरगिस, सुरैया और अन्य कई कलाकार इस इवेंट में मौजूद थे। पहली बार, मैं फिल्म बिरादरी का हिस्सा बनी थी और उनके साथ बातचीत की। हे भगवान! इतने महान सितारों के बीच देखा जाना अविश्वसनीय था। इस दौरान मेरा सामना कुछ कड़वे सच से भी हुआ। लोगों से बातचीत के बाद हमें ग्रुप फोटोग्राफ के लिए पोज देना था। बहुत सारे लोग दौड़ते हुए आए और मुझसे ऑटोग्राफ मांगने लगे।

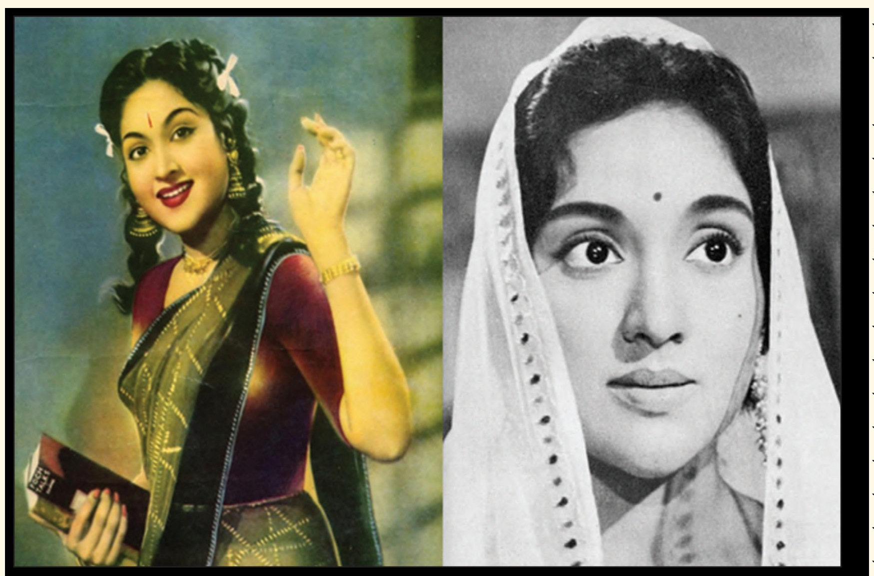

उन्होंने आगे लिखा, मैंने नरगिस को राज कपूर से यह कहते हुए सुना कि वह मेरे पास जाएं और मुझे ऑटोग्राफ न देने के लिए कहें। उन्होंने उनकी बात मानी और सीधा मेरे पास उनका संदेश लेकर आ गए। मैंने सिर्फ सिर हिला दिया, लेकिन मैं इस व्यवहार से काफी हैरान थी। यह राज और नरगिस के साथ मेरी पहली मुलाकात थी।''

यह किस्सा अन्नू कपूर ने अपने एक शो में सुनाया था। उन्होंने बताया कि वैजयंती माला काफी लंबी थीं। जब इवेंट में ग्रुप फोटो के लिए सभी खड़े थे, तभी नरगिस ने वैजयंती माला को देखकर कहा, वैजयंती बहुत लंबी है, एकदम खंभे, पेड़ की तरह है। ये सुनकर उनकी आंखों में आंसू आ गए और उस ग्रुप फोटोग्राफ में वह अपने घुटने मोड़कर खड़ी हो गईं। वह घर गईं तो काफी उदास थीं। तब उनकी मां ने उन्हें समझाया कि तुम किसी की बात पर ध्यान न दो, अपना काम ईमानदारी से करती जाओ। तुम्हारा काम ही उन लोगों को तुम्हारा जवाब होगा।

और ऐसा हुआ भी। 13 अगस्त 1936 को मद्रास (अब चेन्नई) में जन्मी वैजयंतीमाला ने नागिन, देवदास, मधुमती,संगम, और साधना जैसी फिल्मों में दमदार अभिनय किया और दर्शकों के बीच अपनी खास जगह बनाई। देवदास में उन्होंने चंद्रमुखी का किरदार निभाया, जिसे करने से नरगिस, बीना रॉय, और मीना कुमारी तक ने मना कर दिया था। इस किरदार के लिए उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया, लेकिन उन्होंने इसे ठुकरा दिया क्योंकि उन्हें लगा कि यह अवॉर्ड सपोर्टिंग एक्ट्रेस के लिए नहीं बल्कि लीड एक्ट्रेस के लिए होना चाहिए। उनके फिल्मी करियर में उन्हें पांच फिल्मफेयर अवॉर्ड और 1968 में भारत सरकार द्वारा पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

वैजयंतीमाला ने फिल्मों में सिर्फ अभिनय ही नहीं किया, बल्कि कोरियोग्राफर और प्रोड्यूसर के तौर पर भी अपना योगदान दिया। 1982 में उन्होंने तमिल फिल्म 'कथोदुथन नान पेसुवेन' का सह-निर्माण किया। इसके अलावा, उन्होंने 1984 में राजनीति में भी कदम रखा और सांसद बनीं। बाद में उन्होंने कांग्रेस छोड़ भाजपा का दामन थामा और तमिलनाडु की राजनीति में सक्रिय रहीं।

गुंजन सक्सेना: द कारगिल गर्ल के 5 साल पूरे, शरण शर्मा बोले- कहानी बेहद खास

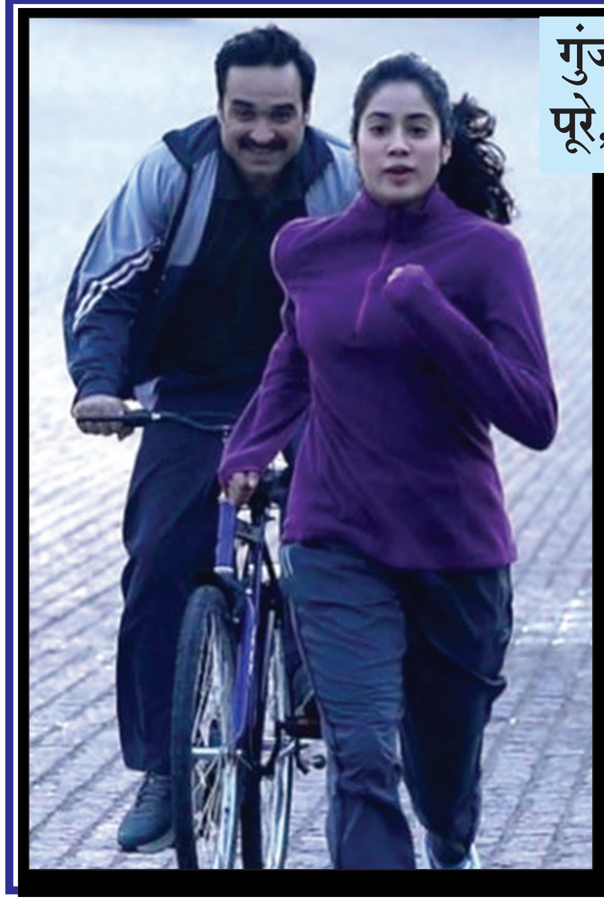

फिल्म 'गुंजन सक्सेना: द कारगिल गर्ल' को रिलीज हुए 5 साल पूरे हो गए हैं। निर्देशक शरण शर्मा ने फिल्म अपने दिल के करीब बताया। उन्होंने सोशल मीडिया पर फिल्म से जुड़ी एक सीन की तस्वीर को पोस्ट करते हुए बताया कि यह कहानी हमेशा उनके लिए खास रहेगी। निर्देशक ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर को शेयर किया, जिसमें अभिनेत्री जान्हवी कपूर दौड़ती नजर आ रही हैं, जबकि अभिनेता पंकज त्रिपाठी साइकिल पर उनके पीछे हैं। यह तस्वीर फिल्म का एक यादगार सीन है। शरण ने पोस्ट के साथ कैप्शन में लिखा, 'गुंजन सक्सेना: द कारगिल गर्ल' के 5 साल पूरे... यह कहानी मेरे दिल में हमेशा खास रहेगी। इसकी यादें मुझे खुशी देती हैं। मासूमियत भरे पल, मेहनती और ईमानदार कलाकारों और क्रू का साथ, जो बिना किसी अहंकार के पैशन के साथ काम कर रहे थे। ऐसा लगता था जैसे कोई स्टूडेंट फिल्म बना रहा हो। हमें ऐसे निर्माताओं का साथ मिला, जिन्हें हमारी कहानी और हम पर पूरा भरोसा था। इस सफर का हिस्सा रहे सभी लोगों का मैं हमेशा आभारी रहूंगा।'गुंजन सक्सेना: द कारगिल गर्ल' साल 2020 में रिलीज हुई थी। यह न केवल एक महिला पायलट की उपलब्धियों को दिखाती है, बल्कि जेंडर संबंधित भेदभाव को तोड़ने और सपनों को पूरा करने की कहानी को भी खूबसूरती से बयां करती है।

जन्माष्टमी से पहले श्रेया घोषाल का ओ कान्हा रे गीत रिलीज

15-16 अगस्त को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी है, जिसकी दुनिया भर में धूम है। इस बीच प्लेबैक सिंगर श्रेया घोषाल ने अपना नया गीत 'ओ कान्हा रे' जारी कर दिया है। गायिका ने बताया कि यह गीत राधा और कृष्ण के बीच के पवित्र बंधन को समर्पित है। श्रेया की मधुर और भावपूर्ण आवाज में यह गीत भक्ति, प्रेम और कान्हा के शरारत का अनूठा संगम प्रस्तुत करता है।

गीत के बोल सावेरी वर्मा ने लिखे हैं, जबकि संगीत श्रेयस पौराणिक ने दिया है। गीत में एक गोपी की शिकायतें, प्रेम, भक्ति और कृष्ण की शरारत को खूबसूरत तरीके से पेश किया गया है। श्रेया की आवाज में प्रेम और विरह की भावनाओं दोनों का पुट है। यह गीत लोक परंपरा में रचा-बसा है, जिसमें आधुनिक संगीत का हल्का स्पर्श भी है, जो इसे और भी खास बनाता है।

श्रेया ने गीत के बारे में बताया, मैं फिल्मी और नॉन-फिल्मी म्यूजिक पर काम कर रही थी, लेकिन मुझे एक भक्ति गीत बनाने की इच्छा हुई। जन्माष्टमी के लिए मैंने राधा-कृष्ण को समर्पित यह गीत बनाया। यह मेरी संगीतमय पुष्पांजलि है, जिसे मैं भगवान कृष्ण के चरणों में अर्पित करना चाहती थी। कृष्ण मेरे लिए प्रेम और भक्ति का प्रतीक हैं। उनकी कहानियां मेरे दिल को सुकून देती हैं और मुझे नई ऊर्जा प्रदान करती हैं।उन्होंने आगे कहा कि यह गीत उनके लिए बेहद खास है, क्योंकि यह उनकी संगीतमय यात्रा के साथ-साथ एक मां के रूप में उनकी भावनाओं को भी दिखाता है। वह अपने बच्चे के साथ कृष्ण की कहानियों को साझा करती हैं।'ओ कान्हा रे' प्रेम, विरह, भक्ति और शरारत का सुंदर मिश्रण है। श्रेया ने अपने प्रशंसकों से कहा, आपका प्यार मेरे लिए अनमोल है। इस जन्माष्टमी, आइए राधा-कृष्ण के अनंत प्रेम को संगीत, नृत्य और उत्सव के साथ मनाएं।गीत का ऑडियो सभी प्रमुख स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध है, जबकि इसका म्यूजिक वीडियो मंगलवार को देर से रिलीज होगा।

बागी 4 के धमाकेदार टीज़र में सोनम बाजवा ने मर्दों को दी बराबरी की टक्कर

बागी 4 का टीज़र आ चुका है, और भले ही एक्शन धमाकेदार हो, लेकिन टीज़र में जिसने सबका दिल और ध्यान खींचा है, वो हैं सोनम बाजवा।

पहली बार एक्शन-ज़ोन में कदम रखते हुए, सोनम पूरे पावरहाउस अंदाज़ में नज़र आ रही हैं - टाइगर श्रॉफ, संजय दत्त और हरनाज़ संधू जैसे सितारों के साथ हाई-वोल्टेज वाइब में बराबरी से खड़ी। सबसे हैरान करने वाली बात ये है कि बागी फ्रेंचाइज़ी में पहली बार कोई हीरोइन इतनी ज़बरदस्त और हिंसक अवतार में दिख रही है - मर्दों के साथ मुक्का दर मुक्का, लात दर लात मिलाकर।

हाउसफुल 5 से बॉलीवुड डेब्यू और पंजाबी फिल्म गोड्डे गोड्डे चा की नेशनल अवॉर्ड-विजेता सफलता के बाद, सोनम ने साबित कर दिया है कि मसाला एंटरटेनर्स से लेकर दमदार महिला-केंद्रित फिल्मों तक - हर जॉनर में चमक सकती हैं। अब बागी 4 के साथ, वो एक्शन सिनेमा में धमाकेदार एंट्री मार रही हैं और टीज़र के हर फ्रेम पर कब्ज़ा कर रही हैं। फैंस बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं कि 5 सितंबर को थिएटर्स में उनका ये नया अवतार देखने को मिले।

नोरा फतेही का ओ मामा! टेटेमा का बीटीएस में झलकती है नोरा फतेही की परफेक्शन, पावर और पैशन की झलक

नोरा फतेही एक बार फिर साबित कर रही हैं कि उनकी वैश्विक लोकप्रियता का कोई मुकाबला नहीं। उनकी हालिया रिलीज़, 'ओ मामा! टेटेमा,' जो तंज़ानियाई सुपरस्टार रेवान्नी के साथ किया गया एक जबरदस्त इंडो-अफ्रीकन कोलैबोरेशन-दुनियाभर में यूट्यूब के ट्रेंडिंग चार्ट्स पर छाया हुआ है। गाने का हर फ्रेम एक विज़ुअल ट्रीट है। ट्राइबल-प्रेरित फैशन को मॉडर्न हाई-फैशन ट्विस्ट के साथ पहनकर, नोरा फतेही स्क्रीन पर शक्ति, आकर्षण और रहस्य की मिसाल बनकर उभरती हैं। सिनेमैटोग्राफी में मिट्टी के रंग, शानदार लोकेशन्स और भव्य सेट डिज़ाइन्स हर सीन को एक कलाकृति बना देते हैं।

प्रसिद्ध कोरियोग्राफर बॉस्को मार्टिस द्वारा कोरियोग्राफ किया गया यह परफॉर्मेंस अफ्रीकी बीट्स, भारतीय अंदाज़ और नोरा के हाई-एनर्जी मूव्स का ऐसा मेल है, जो इस गाने की ग्लोबल आत्मा को दर्शाता है। पर्दे के पीछे की मेहनत, कठिन रिहर्सल और परफेक्ट कोरियोग्राफी यह दिखाते हैं कि इन ऊर्जा से भरपूर डांस मूव्स को तैयार करने में कितनी बारीकी और समर्पण लगा है। टी-सीरीज़ द्वारा प्रोड्यूस किया गया यह हाई-एनर्जी ट्रैक हिंदी, इंग्लिश और स्वाहिली का जीवंत फ्यूज़न है।

नोरा ने न सिर्फ इसमें परफॉर्म किया है, बल्कि इस गाने को लिखा और गाया भी है-श्रेया घोषाल की सोलफुल आवाज़ और रेवान्नी की अफ्रीकी बोंगो एनर्जी के साथ। उनकी आवाज़ और लेखनी इस गाने को एक नया, आकर्षक आयाम देती है, जो उनकी स्क्रीन पर मौजूद एनर्जी से पूरी तरह मेल खाता है, और प्रशंसकों को बार-बार सुनने पर मजबूर कर देता है।

'ओह मामा! टेटेमा' इस समय कनाडा, कतर, और यूके में 1 पर ट्रेंड कर रहा है, और यूएई, कुवैत, सऊदी अरब, मोरक्को समेत कई देशों में टॉप रैंकिंग में है। यह सिर्फ एक हिट गाना नहीं, बल्कि यह इस बात का सबूत है कि नोरा फतेही आज एक सच्ची ग्लोबल म्यूज़िक फोर्स हैं-जो संस्कृतियों के बीच की दूरियों को मिटा रही हैं और पूरी दुनिया को अपना दीवाना बना रही हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज का दिन मिलाझुला रहेगा कही काम बनेंगे कही दिक्कतें आंएगी मिश्रित परिणाम रहेगे. आमदनी ठीक रहेगी, लेकिन बढ़ते खर्चों पर विराम लगाने में आप सफल नहीं हो पाएंगे. दिन–प्रतिदिन के कार्य सुचारू रूप से चलते रहेंगे. कुछ भी काम करने से पहले पर्याप्त पूछताछ करें. काम के लिए लंबी दूरी की यात्रा लाभदायक होगी. गृहस्थी मे हल्का सा तनाव बनेगा लेकिन दिन बदलते ही शान्ति का अनुभव होगा स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज का दिन खुशहाल और बहतर रहेगा । छात्रों का पढाई के प्रति मन आकृष्ट होगा। जीवनसाथी के करियर में बदलाव आने से घर में खुशी का माहौल बनेगा.नए प्रोजेक्ट पर काम करने का मौका मिलेगा.आप अपने काम में सफल भी होंगे.माता–पिता का सहयोग भी बना रहेगा.शाम को उनके साथ किसी धार्मिक स्थल पर जायेंगे.किसी अपने से आपको बड़ी खुशखबरी मिल सकती है.आपके पास कुछ नई जिम्मेदारियां आ सकती हैं.गाय को गेहूँ गुड खिलाए ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज काम का ओवरलोड रहेगा थकावट ज्यादा रहेगी परन्तु काम करने की ताकत और बातचीत बेहतर रहेगी. नए विचार दिमाग में आएंगे. राजनीतिक क्षेत्र के लोगों के लिए समय पहले से अच्छा हो सकता है. यदि कोई गुमराह हो रहा है, तो आप उस पर नजर रख सकते हैं. घबराएं नहीं, ध्यान से समझकर समय रहते अवसर का लाभ उठायें. दाम्पत्य जीवन सुखमय रहेगा.बच्चों के साथ कहीं यात्रा होगी मौसमी बिमारी से सावधानी जरुरी हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज नयी योजना को मूर्तरुप देना उचित होगा भविष्य मे लाभदायक होगी। अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने के इए आज का दिन शुभ है, भाग्य आपका पक्ष लेगा और आपके रुके हुए कार्य प्रगति करेंगे. आर्थिक रूप से आप अच्छा करेंगे और कुछ अतिरिक्त प्रयासों के साथ एक पुराना दिया गया ऋण भी वापिस प्राप्त कर सकते हैं. कोई भी निवेश करने से पहले किसी जानकार व्यक्ति की सलाह अवश्य लें. विरोधियों को आप परास्त करेंगे आप की ईच्छा शक्ति बलवान रहेगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज छात्रों को सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे .आपको अपने काम पर पूरा फोकस रखना चाहिए. ऑफिस के किसी काम में आपको अधिक समय लग सकता है. कारोबार में आपको धन लाभ हो सकते हैं.किसी खास व्यक्ति से अचानक मुलाकात आपके करियर की दिशा को बदल सकती है.आपको रोजगार के उचित अवसर प्राप्त हो सकते हैं.किसी भी जरुरी काम में आपको जल्दबाजी करने से बचना चाहिए, शिवमंत्र का जप करें चमेली का दीप प्रज्वलित करें।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज कुछ पुराने मामले सुलझ सकते है परन्तु पहल आप को ही करनी पडेगी. जिस पहचान और पुरस्कार की उम्मीद आप कर रहे थे, वह बाद के लिए टल सकती है और आपको हताशा का सामना करना पड सकता है. सरकारी क्षेत्र के अटके कार्य फिर से चल पड़ेंगे. खर्च थोड़ा संभल कर करें. आज आप काम में अधिक व्यस्त रहें. इससे आपको शारीरिक थकान रहेगी. शाम के वक्त पार्क मे ठहलने के लिए निकले बॉडी को रिलैक्स फील होगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप परिवार के साथ धार्मिक यात्रा पर जांएगे अपने परिवार के साथ समय बिताने के लिए आज अच्छा दिन है. पारिवारिक आय में सुधार होगा और बच्चे प्रत्येक दिशा मे अच्छा प्रदर्शन करेंगे. परिवार में कुछ सुखद घटनाएं घट सकती हैं. माता की संपत्ति के पक्ष में कानूनी मुद्दे कुछ गति प्राप्त कर सकते हैं. व्यापार में हालात सामान्य रहेंगे. आय में अनियमितता के कारण कुछ परेशानी हो सकती है किसी नए व्यक्ति के साथ यात्रा का योग नही हैं भोजन करते समय मौन रहें आप के स्वास्थ्य के लिए जरुरी हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज कार्यालय मे माहौल खुशनुमा रहेगा आज के कुछ जरूरी काम पूरे हो सकते हैं.आपका स्वास्थ्य फिट रहेगा.जीवनसाथी के साथ लंबी बातचीत हो सकती है. आपके रिश्तों में मजबूती आयेगी.आपके कुछ नए दोस्त भी बन सकते हैं.आपका सामाजिक दायरा अचानक बहुत बढ़ जायेगा.आसपास के लोगों से आपको मदद मिलती रहेगी. आप–को व्यवसाय में लाभ मिलने की पूरी उम्मीद है.दैनिक कार्यों से कुछ समय मिलेगा असहाय लोगों को जरुरत की वस्तु की सेवा करें आत्मीय शान्ति होगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज मन और बुद्धि को स्वच्छ रखें ईष्ट मंत्र का जप करें गजब का उत्साह देखने को मिलेगा. अपने वर्तमान संगठन में अधिक ज्ञान प्राप्त करने का प्रयास करना सबसे अच्छा होगा.अगर आप कलाकार हैं तो अपना कौशल दिखाने के लिए कई नए मौक़े मिलेंगे. घर और काम पर दबाव रहेगा क्रोध और बेचैन बना सकता है. अपने वरिष्ठ अधिकारियों पर दबाव न डालें. यह इसके लिए सही समय नहीं है. आज सुबह पौधों को जल सींचे तुलसी के पास दीप जलाएं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

सुबह माता–पिता का आशीर्वाद लेकर निकले सफलता निकट होगी और पारिवारिक वातावरण सुखद रहेगा. आप भौतिक सुखों पर व्यय कर सकते हैं. आपकी भाषा शैली काफ़ी प्रभावशाली रहेगी. आप काफी प्रसिद्ध रहेंगे. परिवार के सदस्यों का आपके प्रति बहुत अच्छा बर्ताव रहेगा. इस अवधि में आर्थिक रूप से संपन्न रहेंगे. आपका सम्मान होगा तथा ख्याति बढेग़ी. व्यापार का विस्तार भी हो सकता है. आपकी मेहनत रंग लाएगी. जीवनसाथी के साथ आनंददायी समय बीतेगा, बच्चों पर अधिक दबाव मत बनाए कुछ छूट देना होगा ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आप पीपल वृक्ष का रोपण करें वंशवृद्धि होगी । आप किसी जरूरी काम को पूरा करने की सोच रहे हैं, तो वह काम आज पूरा हो जाएगा.जीवनसाथी के साथ डिनर का प्लान बना सकते हैं.आपको किस्मत का पूरा–पूरा सहयोग प्राप्त होगा.अधिकारियों से आपको मदद मिलेगी.आप व्यापार में किसी से साझेदारी कर सकते हैं. परिवार वालों का हंसी–मजाक घर के वातावरण को खुशनुमा बना देगा.गौशाला मे बच्चों के साथ जाए अपने हाथों से सेवा करें ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आप को बहतर स्वास्थ्य के लिए अधिक तला हुआ अधिक मीठा भोजन का त्याग करना होगा । कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. प्रसन्नता रहेगी. भाइयों का साथ मिलेगा. शाम के वक़्त अचानक मिली कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार की ख़ुशी और उत्साह की वजह साबित होगी. आप को मित्रों के रुके हुए काम अपनी क्षमता पर पूरे करने पडेंगे रिश्ता और मजबूर होगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 13 अगस्त 2025 , बुधवार
विक्रम संवत : 2082
तिथि : चतुर्थी प्रातः 06:38 तक
नक्षत्र : उत्तराभाद्रपदा प्रातः 10:33 तक
योग : धृति सायं 04:05 तक
करण : बालव प्रातः 06:38 तक
चन्द्रराशि : मीन
सूर्योदय : 06:58 , सूर्यास्त 06:43 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:07 , सूर्यास्त 06:41 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:59, सूर्यास्त 06:35 (तिरुपति)

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गण्डमूल प्रातः 10:33 से , पंचक चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राइजिंग राजस्थान एमओयू समीक्षा बैठक

भूमि आवंटन सहित अन्य कार्यों में लाए तेजी : भजनलाल

जयपुर, 12 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान अपनी भौगोलिक स्थिति, खनिज सम्पदा ऊर्जा क्षमता और निवेश अनुकूल नीतियों के कारण वैश्विक पटल पर बिजनेस फ्रेंडली स्टेट के रूप में नई पहचान बना रहा है। राज्य सरकार द्वारा गत वर्ष आयोजित राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत राज्य में 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू हुए। इनके धरातल पर मूर्त रूप लेने से प्रदेश में बुनियादी ढ़ांचे का विकास होने के साथ ही वृहद् स्तर पर रोजगार का सृजन होगा।

शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत हुए निवेश समझौतों की ग्राउंड ब्रेकिंग की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह समिट केवल एक आयोजन ही नहीं, बल्कि राज्य की सतत् विकास प्रक्रिया का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास निवेश, नवाचार और समावेशी विकास के क्षेत्र में प्रदेश के विकास को नई गति देना है।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि एमओयू से संबंधित भूमि आवंटन सहित अन्य कार्यों में भी तेजी लाते हुए सभी एमओयू को समयबद्ध रूप से धरातल पर मूर्तरूप दिया जाए। उन्होंने कहा कि निवेशकों द्वारा चाही गई लोकेशन पर जमीन उपलब्ध ना होने की स्थिति में उन्हें आस–पास के क्षेत्र में वैकल्पिक जमीन दिखाई जाए। श्री शर्मा ने कहा कि राजस्थान के विकास के लिए हर एक निवेश एमओयू महत्वपूर्ण है। जिलों में स्थानीय स्तर पर होने वाले कम राशि के एमओयू के क्रियान्वयन से कई लोगों को रोजगार मिलता है और ऐसे छोटे निवेश मिलकर बड़े निवेश का आधार बनते हैं। उन्होंने जिला कलेक्टर्स को निर्देश दिए कि ऐसे एमओयू की ग्राउंड ब्रेकिंग की नियमित रूप से मॉनिटरिंग करें। उन्होंने कहा कि निवेशकों से लगातार संपर्क में रहते हुए समय–समय पर कार्यों की प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक भी करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि खनन और पर्यटन क्षेत्र राजस्थान के विकास का इंजन है। हमें इन क्षेत्रों में प्रगति की और अधिक संभावनाओं को तलाशना चाहिए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि दिसम्बर माह में होने वाली राइजिंग राजस्थान पार्टनरशिप कॉन्क्लेव से पहले खनन, पेट्रोकेमिकल और पर्यटन को लेकर प्री–समिटों का आयोजन किया जाए। साथ ही, विभिन्न क्षेत्रों में जमीन में मौजूद खनिज पदार्थों का पता लगाने के लिए व्यापक सर्वे करवाया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यटन सेक्टर में भी राजस्थान तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रदेश में महल, किले, हवेलियों की भव्यता और गौरवशाली इतिहास को देखने के लिए दुनियाभर से पर्यटक यहां आते हैं। उन्होंने कहा कि शेखावाटी की हवेलियां हमारी धरोहर हैं और उनका संरक्षण करना हमारा दायित्व है। उन्होंने कहा कि इन हवेलियों को पर्यटन की दृष्टि से विकसित कर पर्यटन क्षेत्र को और अधिक सुदृढ़ किया जा सकता है।

बैठक में राजधानी जयपुर में दिसम्बर माह में प्रस्तावित राइजिंग राजस्थान पार्टनरशिप कॉन्क्लेव–2025 के आयोजन की तैयारियों को लेकर भी चर्चा की गई। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि कॉन्क्लेव में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट–2024 के दौरान हुए एमओयू की क्रियान्विति से प्रदेश के औद्योगिक एवं आर्थिक परिदृश्य में आए बदलावों के बारे में निवेशकों को विस्तृत जानकारी दी जाएगी। साथ ही अंतर्राष्ट्रीय, गवर्नमेंट टू गवर्नमेंट और मल्टीलेटरल आधार पर निवेश साझेदारी विकसित की जाएगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कॉन्क्लेव में युवा, महिला और किसानों पर आधारित सत्रों का भी विशेष रूप से आयोजन किया जाए। साथ ही एक जिला एक उत्पाद संबंधित प्रदर्शनी भी लगाई जाए। बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित संबंधित विभागों के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे तथा विभिन्न जिला कलेक्टर्स वीसी के माध्यम से बैठक से जुड़े।

पेयजल परियोजनाओं को समय सीमा में करें पूरा, कार्यों में कोताही बरतने पर करें सख्त कार्रवाई: भजनलाल

जयपुर, 12 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पेयजल आपूर्ति परियोजनाओं के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए समय सीमा में पूरा करने के लिए निर्देशित किया है। उन्होंने कहा कि आमजन को निर्बाध और नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित करने में किसी भी स्तर पर कोताही नहीं बरती जाए।

शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की वर्ष 2025–26 की बजट घोषणाओं की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार वृहद् जल परियोजनाओं के क्रियान्वयन पर प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इनसे प्रदेशभर में आमजन को पर्याप्त जलापूर्ति सुनिश्चित होगी। श्री शर्मा ने लंबित परियोजनाओं की निविदाओं में गति लाते हुए कार्यादेश शीघ्र जारी करने के लिए निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पेयजल परियोजनाओं के कार्यों को विभिन्न चरणों में विभक्त कर उनका सतत् पर्यवेक्षण किया जाए। अधिकारी फील्ड में जाएं और निर्माण कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करें। अगर कॉन्ट्रेक्टर द्वारा तय समय सीमा में कार्य पूरा नहीं किया जाए तो जुर्माना भी लगाया जाए। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में दीर्घकालिक परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है, वहां अन्य विकल्प तलाशते हुए पानी की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा इस परियोजना से सबसे ज्यादा लाभ राजस्थान को होगा। उपभोक्ताओं को सुगमता से नल से जल मिल सकेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस योजना के तहत अवैध कनेक्शन धारकों पर कड़ी कार्यवाही की जाए। साथ ही, उन्होंने मुख्यमंत्री जल जीवन मिशन (शहरी) के क्रियान्वयन के संबंध में भी व्यापक दिशा–निर्देश दिए। शर्मा ने पाइपलाइन बिछाने के लिए होने वाली रोड़ कटिंग और उसके पुनर्निर्माण के संबंध में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी, सार्वजनिक निर्माण एवं स्वायत्त शासन विभाग के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करने पर विशेष जोर दिया।

किराये के बैंक खातों से 4 करोड़ की ठगी, 5 आरोपी गिरफ्तार

अलवर, 12 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान पुलिस का साइबर अपराधों के खिलाफ 'साइबर संग्राम' विशेष अभियान लगातार असर दिखा रहा है। अलवर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बैंक खाते किराये पर देकर–लेकर करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है।

अलवर पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने बताया कि ऑनलाइन ठगी, सेक्सटोर्शन, जङ्द फ्रॉड जैसे मामलों पर अंकुश लगाने के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. तेजपाल सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) डॉ. प्रियंका, सहायक पुलिस अधीक्षक शिवानी, एवं वृत्ताधिकारी (ग्रामीण) के सुपरविजन में, थाना मालाखेड़ा प्रभारी हितेश शर्मा के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई।

यह टीम संदिग्ध बैंक खाता धारकों (म्यूल अकाउंट) की जांच कर रही थी। जांच में पता चला कि आरोपी विभिन्न साइबर फ्रॉड गैंग को कमीशन पर अपने बैंक खाते उपलब्ध कराते थे। इन खातों से लगभग 4 करोड़ रुपये का लेन–देन किया गया था। नरेश कुमार मीना (23) पुत्र बनवारी लाल मीना, निवासी कलसाड़ा, थाना मालाखेड़ा, अलवर जगदेव मीना (25) पुत्र बल्लूराम मीना, निवासी निठारी, थाना मालाखेड़ा, अलवर, सतेन्द्र सैनी पुत्र विश्राम लाल सैनी, निवासी दल्ला की कोठी, बरखेड़ा, थाना मालाखेड़ा, अलवर, नीरज कुमार पुत्र विश्राम सैनी, निवासी दल्ला की कोठी, बरखेड़ा, थाना मालाखेड़ा, अलवर, हितेश उर्फ गब्बर (25) पुत्र राजेंद्र प्रसाद, निवासी बरखेड़ा, थाना मालाखेड़ा, अलवर, आरोपियों ने अपने बैंक खाते साइबर ठगी करने वाले गिरोहों को कमीशन पर उपलब्ध कराए। इन खातों के माध्यम से फर्जी कॉल, जङ्द धोखाधड़ी, और अन्य ऑनलाइन ठगी से अर्जित रकम को घुमाया जाता था। पुलिस जांच में इन खातों से 4 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी की रकम का लेन–देन सामने आया है।

देवस्थान विभाग बीओटी के तहत करेगा धर्मशालाओं का निर्माण

जयपुर, 12 अगस्त (एजेंसियां)। प्रदेश के प्रमुख धार्मिक स्थलों पर आने वाले तीर्थ यात्रियों के ठहरने के लिए देवस्थान विभाग और अधिक सुविधाओं को विकसित करेगा। इसके लिए विभाग की पूर्व में संचालित धर्मशालाओं व्यापक स्तर पर कार्ययोजना बना रहा है। इसके तहत पुरानी धर्मशालाओं में सुविधाएं तो विकसित की जाएंगी साथ ही प्रमुख धार्मिक स्थलों पर अत्याधुनिक नई धर्मशालाओं का भी निर्माण किया जाएगा। इसके लिए देवस्थान विभाग अपनी नीति में संशोधन करेगा। इस संबंध में शासन सचिवालय में मंगलवार को देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत की अध्यक्षता में हुई विभाग की समीक्षा बैठक में कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा के बाद सहमति हुई।

बैठक में पूर्व संचालित धर्मशालाओं के किराए में बढोतरी करने व बीओटी (बिल्ड ऑपरेट ट्रांसफर) के तहत नई धर्मशालाओं के निर्माण के लिए नई नीति बनाने का निर्णय लिया गया। इसके अलावा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की बजट घोषणा 2025–26 की क्रियान्विति को लेकर देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। मंत्री कुमावत ने अधिकारियों को प्रदेश व अन्य राज्यों के मंदिरों की मरम्मत कार्यों के लिए इसी माह में आवश्यक रूप से डीपीआर बनाने के आदेश दिए।

समीक्षा बैठक के दौरान वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना–2025 की लॉटरी इसी माह में निकालने का निर्णय लिया गया। देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने बताया कि इस बार ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से 10 अगस्त–2025 तक कुल एक लाख 84 हजार 495 वरिष्ठजनों ने एक लाख 15 हजार 302 आवेदन किए हैं। जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित कमेटी अब अगले सप्ताह जिला स्तर पर पात्र लोगों का चयन करेगी।

नूंह में तनाव की चिंगारी हिंसा में बदली

फिरोजपुर झिरका में दो पक्षों की झड़प, आगजनी पथराव में 10 घायल, पुलिस बल तैनात

नूंह, 12 अगस्त (एजेंसियां)। फिरोजपुर झिरका के गांव मुड़ाका में मंगलवार को मामूली विवाद ने अचानक हिंसक रूप ले लिया। गाड़ी खड़ी करने को लेकर शुरू हुई कहासुनी कुछ ही घंटों में पथराव, आगजनी और तोड़फोड़ में बदल गई। इस दौरान छतों से पत्थर बरसाए गए, कांच की बोतलें फेंकी गईं और एक बाइक व कई दुकानों को आग के हवाले कर दिया गया। झड़प में करीब 10 लोग घायल हुए हैं। गांव के सरपंच रामसिंह सैनी के मुताबिक, गांव की ओर जाने वाली सड़क पर पास के ही गांव का रहने वाला युवक इसरा अपनी गाड़ी खड़ी किए हुए था। उसी रास्ते से गुजर रहे गांव निवासी समय सिंह ने गाड़ी हटाने को कहा। इस बात पर दोनों में बहस हो गई। आरोप है कि कार में सवार युवक ने गाड़ी में रखी कांच की बोतल समय सिंह के सिर पर दे मारी।

इसके बाद दोनों पक्षों के लोग जुट गए और मामला बिगड़ गया। छतों से पथराव शुरू हो गया, कांच की बोतलें फेंकी गईं और माहौल तनावपूर्ण हो गया। भीड़ ने एक बाइक को आग के हवाले कर दिया और कई दुकानों में आग लगा दी।

सरपंच रामसिंह का आरोप है कि भीड़ ने जानबूझकर इस झगड़े को हिंदू–मुस्लिम रंग देने का प्रयास किया। उनके मुताबिक, इन लोगों ने मेरे ऊपर भी पथराव किया और दुकानों में आगजनी की। स्थिति और बिगड़ सकती थी, लेकिन पुलिस समय पर पहुंची। फिरोजपुर झिरका थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभालने की कोशिश की। लेकिन हालात न थमने पर अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया गया। अब गांव में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात हैं और स्थिति पर नजर रखी जा रही है।गांव में अभी भी तनाव का माहौल है, और प्रशासन ने अपील की है कि लोग अफवाहों पर ध्यान न दें और शांति बनाए रखें।

तेज़ होगी डिजिटल फसल सर्वे और किसान रजिस्ट्री की प्रक्रिया : डॉ. सुमिता मिश्रा

चंडीगढ़, 12 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा की वित्तायुक्त (राजस्व) डॉ. सुमिता मिश्रा ने विभागीय अधिकारियों के साथ हुई महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता करते हुए राज्य सरकार की एग्रीस्टैक पहल के व्यापक क्रियान्वयन की योजना साझा की। इस योजना के अंतर्गत एग्रीस्टैक सेल का गठन किया जाएगा, जो इस पहल की निगरानी और समन्वय का कार्य करेगा।

डॉ. मिश्रा ने कहा कि राज्य सरकार कृषि डेटा प्रबंधन को आधुनिक बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि आगामी तीन माह में डिजिटल फसल सर्वे का कार्य पूरा किया जाएगा। इसके साथ ही किसान रजिस्ट्री तैयार की जाएगी, जिससे राज्य के सभी किसानों का सटीक डेटाबेस उपलब्ध होगा। एग्रीस्टैक पहल के सफल क्रियान्वयन हेतु प्रत्येक जिले में मास्टर ट्रेनर तैयार किए जाएंगे।

बैठक में भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के मुख्य ज्ञान अधिकारी एवं सलाहकार, राजीव चावला ने एग्रीस्टैक को भारतीय कृषि में परिवर्तन लाने वाला राष्ट्रीय कार्यक्रम बताया।

हरियाणा में 4.25 लाख से अधिक रिक्तियां फिर भी बेरोजगारी से बढ़ रहे है नशा और अपराध : सैलजा

चंडीगढ़, 12 अगस्त (एजेंसियां)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने लोकसभा में पूछे गए एक प्रश्न के लिखित उत्तर में श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने स्वीकार किया है कि 10 जुलाई 2025 तक हरियाणा में राष्ट्रीय कैरियर सेवा (एनसीएस) पोर्टल पर 4.25 लाख से अधिक रिक्तियां उपलब्ध हैं। मंत्रालय ने बताया कि राज्य में रोजगार सृजन के लिए प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, दीनदयाल अंत्योदय योजना, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना और अन्य योजनाएं लागू हैं। पर भाजपा सरकार की रोजगार देने के बजाए रोजगार छीनने में लगी हुई है, यहीं वजह है कि प्रदेश में बेरोजगार और अपराध बढ़ रहे है, अगर सरकार ने रोजगार देने की दिशा में जल्द कदम न उठाया तो प्रदेश के युवाओं का भविष्य संकट में पड़ जाएगा।

मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने लोकसभा में प्रश्न किया था कि क्या श्रम और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या सरकार ने हरियाणा के युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए कोई योजना बनाई है, और यदि हां, तो योजनाओं का विवरण और उनके क्रियान्वयन की जानकारी दें? इस सवाल के जवाब में केंद्रीय श्रम और रोजगार राज्य मंत्री सुश्री शोभा करंदलाजे ने जवाब देते हुए कहा है कि रोजगार सृजन के साथ–साथ युवाओं की रोजगार क्षमता को सुधारना सरकार की प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने चंडीगढ़ से कश्मीर की तिरंगा यात्रा को दिखाई हरी झंडी

चंडीगढ़, 12 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज चंडीगढ़ से कश्मीर के ऐतिहासिक लाल चौक तक जाने वाली 'तिरंगा यात्रा' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह यात्रा मीडिया छात्र संघ द्वारा आयोजित की गई है और इसका उद्देश्य देश में एकता, भाईचारा और राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान को बढ़ावा देना है। यह यात्रा 18 अगस्त को लाल चौक पर समाप्त होगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इस अवसर पर यात्रा में भाग ले रही 100 से अधिक छात्राओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि जब बेटियां किसी अभियान का नेतृत्व करती हैं, तो उसमें संवेदनशीलता और दृढ़ संकल्प कई गुना बढ़ जाता है। उन्होंने हाल ही में हुए

'ऑपरेशन सिंदूर' का जिक्र करते हुए कहा कि यह भारत की संप्रभुता की रक्षा के संकल्प का प्रमाण है, जिसका नेतृत्व विंग कमांडर व्योमिका सिंह और कर्नल सोफिया कुरैशी जैसी बेटियों ने किया।

नायब सिंह सैनी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए कहा कि आज का भारत एक 'नया भारत' है, जो मजबूत, आत्मनिर्भर और तेज गति से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि तिरंगा हमारे गौरव और पूर्वजों के त्याग का प्रतीक है।

विद्युत उपभोक्ताओं के साथ संवाद कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार

गया जी (एजेंसियां)।

1 अणे मार्ग स्थित 'संकल्प' से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य के विद्युत उपभोक्ताओं के साथ आयोजित संवाद कार्यक्रम में हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री विद्युत उपभोक्ता सहायता योजना के तहत अब सभी घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं को प्रति माह 125 यूनिट तक निःशुल्क बिजली उपलब्ध कराई जा रही है। इस कार्यक्रम में सभी जिलों के उपभोक्ता जुड़े थे।

गया जिले की बोधगया निवासी नूरजहां खातून ने मुख्यमंत्री से सीधा संवाद करते हुए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि 125 यूनिट मुफ्त बिजली मिलने से हमारा बिल जीरो आ गया है। पहले जो खर्च बिजली पर होता था, अब वह अन्य घरेलू जरूरतों में लगेगा। बेटी की शादी में भी यह बचत मदद करेगी। हम सभी परिवार इस योजना से बहुत खुश हैं। कार्यक्रम में ऊर्जा विभाग की उपलब्धियों पर आधारित एक लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने लगभग सभी घरेलू उपभोक्ताओं को प्रति माह 125 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने का निर्णय लिया है और इसे लागू भी कर दिया गया है। इससे राज्य के लगभग

1 करोड़ 89 लाख घरेलू उपभोक्ताओं को लाभ मिल रहा है। उन्होंने याद दिलाया कि 2005 से पहले बिजली की स्थिति काफी खराब थी, राजधानी पटना में भी 7-8 घंटे से अधिक बिजली नहीं रहती थी। 24 नवम्बर 2005 को सरकार बनने के बाद ऊर्जा क्षेत्र में बड़े पैमाने पर सुधार किए गए। ऊर्जा विभाग का बजट बढ़ाया गया, बिजली आपूर्ति में वृद्धि की गई और राज्य के सभी गांवों एवं टोलों में बिजली पहुंचाई गई।

साल 2015 में 'सात निश्चय' योजना के तहत हर घर बिजली कार्यक्रम तय समय से दो माह पहले, अक्टूबर 2018 में पूरा कर लिया गया। इसके बाद बने नए घरों और टोलों तक भी बिजली पहुंचाई गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार शुरू से ही सस्ती दरों पर बिजली उपलब्ध करा रही है, जबकि खरीद में अधिक खर्च होता है। उन्होंने बताया कि अब जुलाई माह के बिल से ही 125 यूनिट तक मुफ्त बिजली दी जा रही है।

सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए सभी सरकारी भवनों पर सौर संयंत्र लगाए गए हैं। जल्द ही इच्छुक घरेलू उपभोक्ताओं को भी इसका लाभ दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के संवाद कार्यक्रम में लगभग 16 लाख लोग शामिल हुए और सभी जिलों के प्रभारी मंत्री, जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। जिला पदाधिकारी गया, शशांक शुभंकर ने बताया कि जिले के 5 लाख 70 हजार से अधिक घरेलू उपभोक्ताओं को प्रति माह 125 यूनिट तक मुफ्त बिजली मिल रही है। इनमें से 1 लाख 70 हजार उपभोक्ता जो 125 यूनिट से कम खपत करते हैं, उन्हें शून्य बिल भेजा जा रहा है।

कार्यक्रम में मंत्री सहकारिता विभाग डॉ. प्रेम कुमार, मंत्री लघु जल संसाधन विभाग डॉ. संतोष कुमार सुमन, एमएलसी डॉ. कुमुद वर्मा, जिला परिषद अध्यक्ष, अधीक्षण अभियंता बिजली विभाग संदीप प्रकाश सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। अतिथियों का स्वागत हरित पुष्प गमला और अंगवस्त्र देकर किया गया। अधीक्षण अभियंता संदीप प्रकाश ने बताया कि गया जिले में 11 पावर सबस्टेशन बनाए जा रहे हैं। 100 से अधिक अतिरिक्त ट्रांसफार्मर लगाए जा रहे हैं और कई की क्षमता बढ़ाई जा रही है। गया शहर में पावर सप्लाई को दो स्रोतों से जोड़ने की व्यवस्था की जा रही है। 7 फ्यूज कॉल सेंटर और नियंत्रण कक्ष कार्यरत हैं, जहां उपभोक्ता अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। विभाग गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति के लिए लगातार काम कर रहा है।

बिजली योजना पर जन संवाद में बोले बीजेपी विधायक

महागठबंधन की सरकार आई तो बिजली चली जाएगी

मुज्जफरपुर (एजेंसियां)।

बिहार में सभी बिजली उपभोक्ताओं को मुफ्त 125 यूनिट बिजली देने को लेकर मंगलवार को एक जन संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शहर में आयोजित इस कार्यक्रम में जिले के कई आला अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्य भर के बिजली उपभोक्ताओं से संवाद किया और योजना के लाभ की जानकारी दी।

कार्यक्रम में शामिल बीजेपी के औराई से विधायक एवं राज्य सरकार के पूर्व मंत्री रामसूरत राय ने कहा कि एनडीए की सरकार हर क्षेत्र में काम कर रही है, जिसमें बिजली एक अहम उपलब्धि है। आज राज्य के हर घर तक बिजली पहुंच चुकी है और लोग इसका लाभ उठा रहे हैं। यह बदलाव वर्ष 2014 के बाद संभव हुआ, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सत्ता में आए और बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विकास कार्य किए।

उन्होंने कहा कि एक समय था जब बिहार में ट्रांसफॉर्मर लगाने के लिए घूस देनी पड़ती थी। उसके बाद भी ट्रांसफॉर्मर नहीं लगते थे,

और लग भी जाते थे तो बिजली नहीं आती थी। ग्रामीण इलाकों में लोगों को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ता था। आज स्थिति बदल गई है। अब बिजली की कोई कमी नहीं है और मुख्यमंत्री के मुफ्त बिजली देने के ऐलान के बाद लोगों में खुशी का माहौल है। अगर आगे भी अच्छी व्यवस्था और खुशहाली चाहिए तो एनडीए को वोट देकर फिर से सरकार बनाएं। अगर महागठबंधन की सरकार आई तो परेशानी बढ़ जाएगी और बिजली चली जाएगी।

विधायक ने बताया कि उनका क्षेत्र सुदूर इलाका है, जहां राजद सरकार के समय महज 20 प्रतिशत लोगों के पास ही बिजली थी और वह भी समय पर उपलब्ध नहीं होती थी। लोग जुगाड़ कर बिजली का इस्तेमाल करते थे। आज उनके क्षेत्र में पांच फीडर हैं, जिनमें से चार चालू हैं और एक का निर्माण कार्य चल रहा है। यह सब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रयासों से संभव हुआ है।

दानापुर रेल मंडल में कार्रवाई के दौरान 13 लोग गिरफ्तार, 4.16 लाख की शराब जब्त

पटना (एजेंसियां)।

पटना जिले के दानापुर रेल मंडल अंतर्गत पुलिस ने तीन अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए कुल 13 लोगों को गिरफ्तार किया है।

इनमें 11 शराब तस्कर शामिल हैं। दानापुर रेलवे स्टेशन के पास पुलिस ने 416.89 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद की, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 4.16 लाख है। गिरफ्तार शराब तस्करों में पटना के रोशन कुमार, पप्पू कुमार, रोहित कुमार, रानी कुमारी, विवेक कुमार, नारायण कुमार, गोलू कुमार, रोशन कुमार तथा बेगूसराय के अमन कुमार शामिल हैं।

पटना रेल एसपी अमितेंदु शेखर ठाकुर ने बताया कि ऑपरेशन रेड के तहत जीआरपी और आरपीएफ की संयुक्त टीम ने मधुपुर श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेन से 348 लीटर अंग्रेजी शराब के साथ चार तस्करों को पकड़ा। वहीं, श्रमजीवी एक्सप्रेस से एक महिला समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया, जिनके पास से 57 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद हुई।

इसके अलावा, भोजपुर जिले के आरा स्टेशन के पास सोने के हनुमान जी का लॉकेट चोरी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया। लॉकेट की कीमत लगभग 20,000 है। बक्सर रेलवे स्टेशन के पास मोबाइल छिनतई के आरोप में आरा निवासी राहुल कुमार को गिरफ्तार किया गया। इसी तरह, भोजपुर के विष्णु उपाध्याय को मोबाइल चोरी के मामले में गिरफ्तार किया गया, जिसके पास से दो चोरी के मोबाइल बरामद हुए। सभी गिरफ्तार आरोपियों के आपराधिक इतिहास की जांच की जा रही है। पूछताछ के बाद उन्हें माननीय न्यायालय में प्रस्तुत कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

20 हजार की रिश्वत लेते राजस्व कर्मचारी गिरफ्तार निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की टीम ने दबोचा

औरंगाबाद (एजेंसियां)।

पटना से आई निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की टीम ने एक राजस्व कर्मचारी को 20 हजार की रिश्वत लेते मंगलवार को धर दबोचा। गिरफ्तार राजस्व कर्मचारी प्रमोद कुमार ओबरा अंचल कार्यालय में पदस्थापित है। मामले में निगरानी की टीम आगे की कार्रवाई में जुटी है। रिश्वतखोर राजस्व कर्मचारी को गिरफ्तार करने वाली निगरानी की टीम के नेतृत्वकर्ता पुलिस उपाधीक्षक विकास श्रीवास्तव ने बताया कि ओबरा थाना के मानिकपुर गांव निवासी उदय कुमार ने निगरानी अन्वेषण ब्यूरो के पटना स्थित कार्यालय आकर शिकायत दर्ज कराई थी कि ओबरा अंचल के राजस्व कर्मचारी प्रमोद कुमार द्वारा दाखिल खारिज करने के नाम पर रिश्वत की मांग की जा रही है। शिकायत के आलोक में मामले को लेकर निगरानी थाना में प्राथमिकी संख्या-60/2025 दर्ज किया।

प्राथमिकी दर्ज करने के बाद शिकायत के सत्यापन की जिम्मेदारी निगरानी के पुलिस अपर निरीक्षक राहुल कुमार को सौंपी गई। उन्होंने ओबरा पहुंचकर शिकायत का सत्यापन किया। सत्यापन में राजस्व कर्मचारी के खिलाफ शिकायत सत्य पाया गया। इसके बाद आगे की कार्रवाई के लिए निगरानी की छः सदस्यीय टीम गठित की गई। टीम मंगलवार की सुबह कार्रवाई के लिए पटना से चली।

तय रणनीति के अनुसार शिकायतकर्ता उदय कुमार 20 हजार की रिश्वत देने ओबरा अंचल कार्यालय स्थित राजस्व कर्मचारी प्रमोद कुमार के कक्ष में गए, जहां उनके द्वारा रिश्वत की रकम लेकर आने की बात कही गई। इसके बाद राजस्व कर्मचारी ने अपना जूट का लंच बैग आगे करते हुए कहा कि रकम बैग के खाली लंच बॉक्स में रख दे, काम हो जाएगा। इसके बाद शिकायतकर्ता लंच बॉक्स में 20 हजार की रिश्वत की रकम रखने के बाद राजस्व कर्मचारी के कक्ष से बाहर निकला और पहले से सादे वेश में घात लगाए निगरानी की टीम को इशारा किया। इशारा मिलते ही निगरानी की टीम कक्ष में घुसी और राजस्व कर्मचारी को धर दबोचा। राजस्व कर्मचारी को दबोचने के बाद निगरानी की टीम आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी करने के लिए उसे लेकर औरंगाबाद सर्किट हाउस आई, जहां टीम द्वारा राजस्व कर्मचारी को रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार करने की विस्तृत जानकारी दी गई।

निगरानी की टीम के साथ मौजूद शिकायतकर्ता उदय कुमार ने बताया कि अपनी जमीन का दाखिल खारिज कराने के लिए उन्होने परिमार्जन प्लस पोर्टल पर आवेदन किया था। आवेदन करने के बाद पिछ्ले छः माह से उसका लंबित रहा। इसे लेकर उन्होंने जब राजस्व कर्मचारी से संपर्क किया तो, उनके द्वारा 1.70 लाख की रकम रिश्वत के रूप में मांगी गई। कहा गया कि यदि एक बार में पूरी रकम दे दोगे तो दो दिन में काम हो जाएगा और किश्तों में रकम दोगे तो किश्तवार काम आगे बढ़ेगा। साथ ही यह बताया कि इस रकम में 1.50 लाख अंचल अधिकारी लेंगे और शेष 20 हजार उनके हिस्से में आएगा।

इस पर उन्होंने किश्त में रिश्वत की रकम देने की बात स्वीकार की और पटना जाकर निगरानी से संपर्क किया, जिसके बाद निगरानी की टीम ने यह कार्रवाई की। विशेष अदालत में पेशी के लिए राजस्व कर्मचारी को पटना लेकर गई निगरानी की टीम- मामले में आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद निगरानी की टीम रिश्वतखोर राजस्व कर्मचारी को अपने साथ पटना लेकर जा रही है, जहां बुधवार को निगरानी की विशेष अदालत में पेशी के बाद राजस्व कर्मचारी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया जाएगा।

बाढ़ का कहर : गंगा ने छीना घर, भूख-प्यास और लापरवाही से जूझ रहे 400 परिवार

कटिहार (एजेंसियां)।

कटिहार जिले के मनिहारी नगर पंचायत के वार्ड संख्या 8 स्थित सिग्नल टोला में गंगा का पानी इस कदर तबाही मचा रहा है कि करीब 400 परिवारों के एक हजार से अधिक लोग घर-बार छोड़कर रेलवे बांध पर शरण लेने को मजबूर हो गए हैं। गंगा का जलस्तर बढ़ने से घर-आंगन, चूल्हा-चौका और शौचालय तक कमर से ऊपर पानी में डूब गए हैं।

बाढ़ के पानी ने रसोई की आग बुझा दी, बच्चों की हंसी छीन ली और बुजुर्गों के चेहरों पर चिंता की लकीरें और गहरी कर दी हैं। रेलवे बांध किनारे तिरपाल और बांस की टहनियों से बने अस्थाई ठिकानों में लोग जैसे-तैसे दिन गुजार रहे हैं।

महिलाओं और बच्चों की मुश्किलें सबसे अधिक बढ़ गई हैं। खाना बनाने से लेकर शौच के लिए जाना तक एक जंग जैसा बन गया है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि प्रशासन इस भीषण संकट में भी हाथ पर हाथ धरे बैठा है। न पीने के साफ पानी की व्यवस्था है, न खाने का इंतजाम और न ही बीमारों के इलाज के लिए मेडिकल टीम मौजूद है। मजबूरी में लोग खुले आसमान के नीचे भूख और बीमारी के साये में जिंदगी काट रहे हैं।

वार्ड पार्षद बेचन सिंह ने जिला प्रशासन से पेयजल टैंकर, अस्थाई शौचालय, पॉलिथीन शीट, सूखा राशन और सामुदायिक किचन की तत्काल व्यवस्था की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि राहत कार्य तुरंत शुरू नहीं हुए, तो सिग्नल टोला में भूख, बीमारी और लापरवाही मिलकर एक और बड़ी त्रासदी को जन्म देंगे। फिलहाल, सिग्नल टोला के लोग सिर्फ बाढ़ के पानी में ही नहीं, बल्कि भूख, बीमारी और प्रशासनिक चुप्पी में भी डूबे हुए हैं।

कथा वाचक पंडित योगेंद्र नारायण मिश्र पर हुआ जानलेवा हमला

दरभंगा (एजेंसियां)।

रुद्रपुर थाना क्षेत्र के महरैल गांव में प्रसिद्ध कथा वाचक पंडित योगेंद्र नारायण मिश्र उर्फ योगी बाबू पर उपद्रवी तत्वों ने जानलेवा हमला कर दिया। घटना के समय पंडित जी फूल तोड़ रहे थे, तभी पीछे से लोहे की रॉड से उनके सिर पर वार किया गया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए।

परिजनों ने उन्हें तत्काल झंझारपुर अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए मधुबनी सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। वर्तमान में वहां उनका इलाज चल रहा है। पंडित जी के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

जानकारी के अनुसार, पंडित योगेंद्र नारायण मिश्र शांतिप्रिय, धर्माभिमुख और प्रसिद्ध भागवत कथा एवं पुराण वाचक हैं। समाज में उनकी प्रतिष्ठा और सम्मान है। परिजनों ने बताया कि घटना के

दौरान 25 वर्षीय मनमोहन ठाकुर, पिता श्रवण ठाकुर, जो करणपुर महरैल चौक पर कपड़े की दुकान चलाता है, ने पीछे से लोहे की रॉड से वार किया और मौके से फरार हो गया।

घटना की सूचना रुद्रपुर थाना पुलिस को दे दी गई है। रुद्रपुर प्रभारी थाना अध्यक्ष ने बताया कि पंडित जी पर हमला करने की सूचना मिली है, हालांकि अभी तक लिखित आवेदन नहीं मिला है। आवेदन मिलने के बाद कार्रवाई की जाएगी और आरोपी को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। अस्पताल में पंडित जी के हालचाल जानने के लिए लोगों की भीड़ लगी हुई है। अब देखना यह है कि पुलिस कब आरोपी को गिरफ्तार करती है।

मोतिहारी के गल्ला व्यवसायी की हत्या

मुज्जफरपुर (एजेंसियां)।

मुजफ्फरपुर के पारू थाना क्षेत्र में बरामद अज्ञात युवक के शव की पहचान हो गई है। मृतक की पहचान पूर्वी चंपारण जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र के वृंदावन परसौनी गांव निवासी नीरज कुमार (25 वर्ष) के रूप में हुई है। बीते दिनों गल्ला व्यवसायी नीरज का अपहरण कर उसकी हत्या की गई थी।

हत्या के बाद शव को मुजफ्फरपुर जिले में लाकर फेंक दिया गया था। शव मिलने की सूचना पर परिजनों में कोहराम मच गया और वे मुजफ्फरपुर पहुंचकर शव को अपने साथ ले गए।

जानकारी के अनुसार, नीरज रविवार, 10 अगस्त को मोतिहारी जिले में स्थित अपनी दुकान से निकला था, लेकिन वह घर वापस नहीं लौटा। इस पर उसके पिता ने थाने में आवेदन देकर पुत्र के अपहरण का मामला दर्ज

कराया था। इसमें मुजफ्फरपुर निवासी शुभम कुमार पर अपहरण का आरोप लगाया गया था। परिजनों का आरोप है कि शुभम रुपये देने के बहाने नीरज को अपने साथ ले गया और उसकी हत्या कर दी।

बताया जाता है कि आरोपी शुभम का ननिहाल भी नीरज के गांव में है, जिसके कारण दोनों के बीच जान-पहचान थी। शुभम नीरज के मोबाइल से छेड़छाड़ कर लगातार रुपये ट्रांसफर कर रहा था। जब नीरज को इस बात का पता चला, तो उसने शुभम से पैसे लौटाने की मांग की। इसी बहाने शुभम नीरज की दुकान पर आया और पैसे देने की बात कहकर उसे अपने साथ ले गया।

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी के कई रिश्तेदारों को हिरासत में लिया और शुभम कुमार को भी गिरफ्तार कर लिया है। प्रारंभिक जांच में खुलासा हुआ है कि शुभम का संबंध साइबर ठगी करने वाले गिरोह से है और वह लंबे समय से इस अवैध गतिविधि में लिप्त था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com